●वर्ष : 16 ●अंक : 222 ●मूल्य : 02 रूपया मात्र पृष्ठ : 08 RNI No. DELHIN/2008/23928

दैनिक लोकतंत्र की शान

लोकतंत्र का स्तंभ

दिल्ली से प्रकाशित

गुरुवार 05 दिसम्बर 2024

Mfg & mkt by.. ANGEN PHARMACEUTICALS (OPC) PRIVATE LIMITED

Distributorship ke liye contact Karen .
(9315755133 / ya email Karen)
angenpharmaceuticals@gmail.com

समाचार

बहुत सख्त है उत्तर प्रदेश का गुंडा एक्ट, सुप्रीम कोर्ट ने जताई नाराजगी

नई दिल्ली सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को कहा कि उत्तर प्रदेश का गुंडा और गैर सामाजिक गतिविधि रोकथाम कानून बहुत सख्त है। न्यायमूर्ति बीआर गवई और न्यायमूर्ति केवी विश्वनाथन की पीठ ने एक याचिका पर सुनवाई करते हुए ये बात कही। दरअसल इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने मई 2023 में गुंडा एक्ट के तहत लंबित कार्यवाही रोकने की मांग वाली एक याचिका खारिज कर दी थी। इस पर याचिकाकर्ता ने सुप्रीम कोर्ट का रुख किया था। अब सुप्रीम कोर्ट ने याचिका पर सुनवाई करने का फैसला किया है।

सुप्रीम कोर्ट ने इस याचिका पर बीते साल नवंबर में उत्तर प्रदेश सरकार से जवाब मांगा था। साथ ही शीर्ष अदालत ने याचिकाकर्ता के खिलाफ गैंगस्टर एक्ट के तहत किसी कार्रवाई पर भी रोक लगा दी थी। सुनवाई के दौरान वरिष्ठ अधिवक्ता गौरव अग्रवाल और अधिवक्ता तन्वी दुबे के जरिए याचिकाकर्ता ने तर्क दिया कि यूपी गैंगस्टर्स एक्ट के तहत उनके खिलाफ दर्ज प्राथमिकी निराधार है और पिछली प्राथमिकी से उपजी है। याचिका में कहा गया है कि यह प्राथमिकी दर्ज करना कानूनी प्रक्रिया का घोर दुरुपयोग है। इसमें तर्क दिया गया कि याचिकाकर्ता के खिलाफ गैंगस्टर्स एक्ट लगाना पक्षपातपूर्ण है और यह पुलिस एवं न्यायिक मशीनरी का दुरुपयोग है। बुधवार को याचिकाकर्ता के वकील ने तर्क देते हुए कहा कि उनके खिलाफ पहले 1986 एक्ट की धाराओं में अवैध खनन का मामला दर्ज किया गया। एक ही आरोप में दो बार मामला दर्ज किया गया। गुंडा एक्ट की आलोचना करते हुए पीठ ने कहा कि इस पर विचार किए जाने की जरूरत है। पीठ ने ये भी कहा कि इस कानून के कुछ प्रावधानों की संवैधानिकता को चुनौती वाली एक अन्य याचिका पर भी अदालत सुनवाई करेगी।

इससे पहले हाई कोर्ट के समक्ष याचिकाकर्ता की ओर से पेश वकील ने तर्क दिया कि उसे गैंगस्टर अधिनियम के तहत दर्ज मामले में झूठा फंसाया गया है। उनके वकील ने हाई कोर्ट के समक्ष दावा किया था कि गैंगस्टर अधिनियम के तहत मामला केवल एक अन्य मामले के आधार पर दर्ज किया गया है जिसमें याचिकाकर्ता का नाम नहीं है।

सुप्रीम कोर्ट ने खारिज किया एनजीटी का आदेश

प्राकृतिक न्याय का उल्लंघन हुआः सुप्रीम कोर्ट

फर्म ने एनजीटी के आदेश को दी थी चुनौती

नूना न्यूज एजेंसी।

नई दिल्ली सुप्रीम कोर्ट ने नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल का एक आदेश खारिज कर दिया है। आदेश को खारिज करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि ट्रिब्यूनल को सभी तथ्यों और परिस्थितियों पर विचार करके अपने निर्णय पर पहुंचना होता है, और वह किसी राय को आउटसोर्स नहीं कर सकता और उस पर अपना आदेश नहीं दे सकता। नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी) के अप्रैल 2021 के आदेश को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी गई थी। याचिका पर सुनवाई करते हुए जस्टिस बीआर गवई और केवी विश्वनाथन की पीठ ने कहा कि ट्रिब्यूनल ने एक 'बड़ी गलती' की है, क्योंकि उसने अपना निर्णय केवल एक संयुक्त समिति की रिपोर्ट के आधार पर लिया है।

पीठ ने कहा, 'ऐसा लगता है कि एनजीटी द्वारा नियुक्त संयुक्त समिति ने भी अपीलकर्ता को कोई नोटिस नहीं दिया और न ही सुनवाई का अवसर दिया गया। यह प्राकृतिक न्याय के सिद्धांत का उल्लंघन है। पीठ ने कहा कि, 'एनजीटी द्वारा अपनाया गया दृष्टिकोण स्पष्ट रूप से एक व्यक्ति की निंदा करने जैसा है, जिसकी सुनवाई नहीं की गई।' न्यायाधिकरण के आदेश को रद्द करते हुए पीठ ने मामले को नए सिरे से विचार के लिए फिर से एनजीटी को वापस भेज दिया।

पीठ ने कहा, 'किसी ट्रिब्यूनल को किसी मामले के तथ्यों और परिस्थितियों पर पूरी तरह से विचार करके ही अपना फैसला देना होता है। वह किसी राय को आउटसोर्स नहीं कर सकता और फिर उस पर अपना फैसला नहीं दे सकता।' इसके बाद सुप्रीम कोर्ट ने एनजीटी के आदेश को खारिज कर दिया। एनजीटी के आदेश के खिलाफ एक फर्म ने याचिका दायर की थी, जिसे एनजीटी ने पर्यावरण संरक्षण अधिनियम के मानदंडों का उल्लंघन करने का दोषी ठहराया गया था और उस पर जुमार्ना लगाया था।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा- फर्म को सुनवाई का नहीं दिया अवसर

शीर्ष अदालत ने पाया कि एनजीटी ने शुरू में फर्म के प्लांट की जांच राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा करने का निर्देश दिया था, जिसने अपने निष्कर्ष दिए और फिर न्यायाधिकरण ने एक संयुक्त समिति नियुक्त की, जिसकी सिफारिशों पर उसने कार्रवाई की और आदेश पारित कर दिया। पीठ ने कहा, 'एनजीटी द्वारा की गई एक और बड़ी गलती यह है कि उसने अपना फैसला केवल संयुक्त समिति की रिपोर्ट के आधार पर लिया है।' शीर्ष अदालत ने पाया कि फर्म को न तो एनजीटी के समक्ष कार्यवाही में पक्ष बनाया गया था और न ही संयुक्त समिति के समक्ष, और जब उसने पक्षकार बनने के लिए आवेदन दायर किया, तो न्यायाधिकरण ने उसे खारिज कर दिया।

महायुति ने राज्यपाल के सामने पेश किया सरकार बनाने का दावा, फडणवीस बोले-

हम साथ मिलकर काम करेंगे

नूना न्यूज एजेंसी।

मुंबई महाराष्ट्र में सीएम पद और सरकार गठन को लेकर चल रहा इंतजार बुधवार को खत्म हो गया। महायुति नेताओं ने महाराष्ट्र के राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन के सामने सरकार बनाने का दावा पेश किया। महायुति में शामिल भाजपा नेता देवेंद्र फडणवीस, शिवसेना नेता एकनाथ शिंदे और एनसीपी नेता अजित पवार ने राजभवन में राज्यपाल को विधायकों का समर्थन पत्र सौंपा। इस दौरान राज्य के लिए पार्टी के केंद्रीय पर्यवेक्षक, केंद्रीय मंत्री निर्मला सीतारमण और विजय रूपाणी भी मौजूद रहे। देवेंद्र फडणवीस पांच दिसंबर को महाराष्ट्र के सीएम पद की शपथ लेंगे।

राज्यपाल से मुलाकात के बाद भाजपा नेता देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि हमने राज्यपाल से मुलाकात की और राज्य में सरकार बनाने का दावा पेश करने के लिए समर्थन पत्र सौंपा। हमारे गठबंधन सहयोगी शिवसेना और एनसीपी ने राज्यपाल से अनुरोध किया है कि मुझे महायुति के सीएम के रूप में शपथ दिलाई जाए। राज्यपाल ने सभी अनुरोध स्वीकार कर लिए हैं और हमें कल शाम 5.30 बजे शपथ समारोह के लिए आमंत्रित किया है। शपथ ग्रहण समारोह में पीएम नरेंद्र मोदी शामिल होंगे। शपथ ग्रहण समारोह में पीएम नरेंद्र मोदी शामिल होंगे। उन्होंने कहा कि मैं शिवसेना नेता एकनाथ शिंदे का आभार व्यक्त करता हूं कि उन्होंने मुख्यमंत्री पद के लिए मेरे नाम का समर्थन किया है। एनसीपी नेता अजित पवार ने भी मेरे नाम की सिफारिश की। सीएम, डिप्टी सीएम सिर्फ तकनीकी पद हैं। पिछले ढाई साल में हमने साथ मिलकर काम किया है। आगे भी हम सब मिलकर अच्छी सरकार देने का प्रयास करेंगे। हमारा प्रयास होगा कि हमने जो वादे जनता से किए हैं वे हम पूरे करें। महाराष्ट्र को नई ऊंचाइयों पर ले जाने का संकल्प पूरा करेंगे। अन्य मंत्रियों के नाम पर आगामी बैठकों में फैसला लिया जाएगा। हम शाम तक तय करेंगे कि कल कौन शपथ लेगा। फडणवीस ने कहा कि मैंने एकनाथ शिंदे से मुलाकात की और उनसे अनुरोध किया कि महायुति कार्यकताओं की इच्छा है कि वह इस सरकार में हमारे साथ रहें। मुझे पूरा विश्वास है कि वह हमारे साथ रहेंगे।

ज्वलंत मुद्दा

सम्पादकीय

सिर्फ कानून बनाने से नहीं रुकेंगे महिला अपराध

देश के नेताओं ने समस्याओं का आसान रास्ता तलाश कर रखा है। जब भी किसी समस्या से सामना हो तो कानून बना कर अपनी जिम्मेदारी पूरी कर लो। समस्या की जड़ तक कोई भी राजनीतिक दल और सरकारें नहीं जाना चाहती। ऐसा नहीं है कि समस्याओं का स्थायी समाधान नहीं हो सकता, किन्तु वहां तक पहुंचने और व्यवहारिक समाधान ढूंढने में पापड़ बेलने पड़ते हैं। पश्चिमी बंगाल की ममता बनर्जी की सरकार ने महिला चिकित्सक से बलात्कार के बाद हत्या के मामले में वही किया है जो अब तक ऐसे मामलों में दूसरे राज्य या केंद्र सरकार करती रही हैं। मसलन कानून बना कर जिम्मेदारी पूरी कर ली। ममता सरकार ने विधानसभा में बलात्कार रोधी विधेयक सर्वसम्मति से पारित कर दिया। विधेयक के मसौदे में बलात्कार पीड़िता की मौत होने या उसके स्थायी रूप से अचेत अवस्था में चले जाने की सूरत में ऐसे दोषियों के लिए मृत्युदंड के प्रावधान का प्रस्ताव किया गया है। इसके अलावा मसौदे में प्रस्ताव किया गया है कि बलात्कार और सामूहिक बलात्कार के दोषी व्यक्तियों को आजीवन कारावास की सजा दी जाए, और उन्हें पेरोल की सुविधा न दी जाए। अपराजिता महिला एवं बाल विधेयक (पश्चिम बंगाल आपराधिक कानून एवं संशोधन) विधेयक 2024' शीर्षक वाले इस प्रस्तावित कानून का उद्देश्य बलात्कार और यौन अपराधों से संबंधित नये प्रावधानों के जरिये महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा मजबूत करना है। यह बिल पास होने के बाद राज्यपाल के पास जाएगा, उनसे पास होने के बाद राष्ट्रपति की मंजूरी के लिए जाएगा। इससे पहले 2019 में आंध्र प्रदेश दिशा विधेयक और 2020 में महाराष्ट्र शक्ति विधेयक विधानसभा से पारित हुआ था। इन दोनों विधेयकों में बलात्कार और सामूहिक बलात्कार के सभी तरह के मामलों में अनिवार्य फांसी का प्रावधान किया गया था। इन दोनों विधेयकों को राज्य विधानसभाओं ने सर्वसम्मति से पारित किया था। लेकिन दोनों विधेयकों अभी तक राष्ट्रपति की मंजूरी नहीं मिली है। भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) और भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता के साथ-साथ 2012 के पोक्सो अधिनियम के कुछ हिस्सों में संशोधन करने और पीड़िता की उम्र चाहे जो हो, कई तरह के यौन उत्पीड? के मामलों में मौत की सजा का प्रावधान है।

SYED ZAKI HAIDER
(EDITOR / PUBLISHER CUM MANAGING DIRECTOR
OF NAI UMMEED NEWS AGENCY
MOBILE NO. 9911371802
EMAIL SYEDZAKIHAIDER786@GMAIL.COM

हम स्टेशन पर भीड़ कम करने पर दे रहे जोरः रेल मंत्री

कोल्लम में पति बना हैवान, पत्नी को कार में जिंदा जलाया

कोल्लम। केरल के कोल्लम शहर में एक हैरान कर कर देने वाली घटना सामने आई। यहां एक व्यक्ति ने अपनी पत्नी को जिंदा कार में जला दिया। हालांकि पुलिस मामले की जांच कर रही है। कार में आग लगा दिए जाने से मंगलवार देर शाम पत्नी की मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि पति ने उस कार में लगा दी जिसमें उसकी 44 वर्षीय पत्नी एक व्यक्ति के साथ जा रही थी। इस हादसे में व्यक्ति घायल हो गया है। पुलिस ने बताया कि पद्मराजन नामक व्यक्ति ने कथित तौर पर एक अन्य वाहन से अपनी पत्नी की कार का पीछा किया और रात करीब नौ बजे कोल्लम सिटी ईस्ट पुलिस थाने की सीमा के अंतर्गत चेम्मामुक्कू में उनकी कार को रोका। उसने बताया कि पद्मराजन ने कथित तौर पर गाड़ी पर पेट्रोल डालकर उसमें आग लगा दी।

भाजपा-आरएसएस संविधान की धज्जियां उड़ाने में लगे हैं': खरगे

नूना न्यूज एजेंसी।

नई दिल्ली लोकसभा के नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी आज उत्तर प्रदेश के संभल का दौरा करने वाले थे, लेकिन उन्हें दिल्ली-गाजीपुर बॉर्डर पर ही रोक लिया गया। राहुल गांधी को हिंसाग्रस्त क्षेत्र जाने से रोकने पर कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने भाजपा और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) पर संविधान की धज्जियां उड़ाने का आरोप लगाया। दिल्ली-गाजीपुर बॉर्डर पर रोके जाने के बाद राहुल गांधी वापस दिल्ली लौट आए। खरगे ने सोशल मीडिया पर कहा कि दो समुदायों के बीच मफरत पैदा करना ही भाजपा और आरएसएस की विचारधारा है।

बता दें कि 19 नवंबर को अदालत के एक आदेश पर एक मुगलकालीन मस्जिद का सर्वेक्षण किया गया। दरअसल, ऐसा दावा किया गया था कि जिस स्थान पर मस्जिद है, वहां पहले एक हरिहर मंदिर था। मस्जिद के सर्वेक्षण के कारण क्षेत्र में तनाव उत्पन्न हो गया। 24 नवंबर को दूसरे सर्वेक्षण के दौरान क्षेत्र में हिंसा फैला गई। जामा मस्जिद के पास प्रदर्शनकारी इकट्ठा हुए। सुरक्षा कर्मियों की उनकी झड़प हुई, जिसमें चार लोगों की मौत हो गई। इस हिंसा में कई लोग घायल भी हुए।

भाजपा-आरएसएस पर भड़के मल्लिकार्जुन खरगे

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा, "भाजपा और आरएसएस अपने विभाजनकारी एजेंडे से संविधान की धज्जियां उड़ाने में लगे हुए हैं। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को संभल में पीड़ितों से मिलने से रोकना इस बात का सबूत है। दो समुदायों के बीच नफरत पैदा करना ही भाजपा और आरएसएस की विचारधारा है। वे हर जगह नफरत के बाजार की शाखाएं खोलने पर तुले हुए हैं।" उन्होंने आगे कहा, "कांग्रेस सद्भाव, शांति, भाईचारा और प्रेम फैलाने के लिए अपनी दुकान खोलती रहेगी और समाज को एकजुट रखने में मदद करेगी।" कांग्रेस राष्ट्रीय अध्यक्ष ने आश्वासन देते हुए कहा, "हम झुकेंगे नहीं, हम पीछे हटेंगे नहीं।"

हवाई यात्रा महंगा होने का मुद्दा राघव चड्ढा ने उठाया, बोलेः

प्लेन से ट्रेन पर लौटने को मजबूर हुए लोग

नूना न्यूज एजेंसी।

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी सांसद राघव चड्ढा ने हवाई यात्रा महंगा होने का मामला संसद में उठाया है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने आम लोगों को भी हवाई यात्रा कराने लायक सिस्टम बनाने का दावा किया था, लेकिन हवाई टिकटों की महंगाई से आम आदमी अब प्लेन छोड़कर ट्रेन से यात्रा करने में सफर करने के लिए मजबूर हो गया है। राघव चड्ढा ने संसद में भारतीय वायुयान विधेयक 2024 पर चर्चा करते हुए कहा कि सिर्फ एक साल के भीतर हवाई यात्रा के किरायों में बेतहाशा बढ़ोतरी हुई है, जिससे आम जनता पर बोझ बढ़ा है। दिल्ली से मुंबई और पटना जैसे सामान्य रूट्स पर टिकटों की कीमतों में बेतहाशा बढ़ोतरी हुई है। सरकार देश में टूरिज्म का विकास करने की बात कहती है, लेकिन इस तरह की महंगाई से लोग हवाई यात्राओं से दूर हो रहे हैं। इसका सीधा असर टूरिज्म सेक्टर पर पड़ेगा। चड्ढा ने कहा कि देश के एयरपोर्ट्स की हालत बस अड्डों से भी बदतर हो गई है। लंबी लाइनों, भीड़भाड़, और खराब प्रबंधन के कारण यात्रियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है। उन्होंने कहा कि हवाई यात्रा को लग्जरी ट्रेवल बनाने की बजाय आम यात्री के लिए सुलभ बनाना है। एयरपोर्ट्स पर महंगे खानपान का मुद्दा उठाते हुए उन्होंने कहा कि एयरपोर्ट्स पर पानी की बोतल 100 रुपए की मिल रही है। एक कप चाय के लिए भी 200-250 रुपए खर्च करने पड़ते हैं। क्या सरकार एयरपोर्ट्स पर सस्ते और उचित मूल्य की कैंटीन शुरू नहीं कर सकती?

'राहुल गांधी प्रधानमंत्री बनेंगे तभी पहनूंगी चप्पल'

नूना न्यूज एजेंसी।

नई दिल्ली राहुल गांधी आज जब दिल्ली से संभल के लिए निकले थे, उनका काफिला दिल्ली-यूपी बॉर्डर पर रोक लिया गया। इस दौरान भारी संख्या में आसपास के लोग राहुल गांधी का समर्थन करने के लिए गाजीपुर बॉर्डर पहुंच गए। ऐसे लोगों में पंडित रेखा शर्मा भी थीं जो अलीगढ़ से कांग्रेस कार्यकर्ता भी हैं। उन्होंने चप्पलें नहीं पहन रखी थीं। उन्होंने बताया कि उन्होंने यह कसम खाई है कि जब राहुल गांधी प्रधानमंत्री बनेंगे तभी वे चप्पल पहनेंगी।

कांग्रेस कार्यकर्ता ने खाई अनोखी कसम

उनका इंतजार कुछ लंबा हो सकता है। लेकिन उनका जज्बा यह बता रहा था कि राहुल गांधी का करिश्मा उनके समर्थकों-कार्यकताओं के बीच पूरी तरह बरकरार है। रेखा शर्मा ने कहा कि यदि राहुल गांधी संभल जाकर पीड़ितों से मिलना चाहते हैं तो इसमें कुछ भी गलत नहीं है। सरकार को उन्हें जाने देना चाहिए। नसीमा बानो ने कहा कि कांग्रेस ने उनके लिए बहुत कुछ किया है। आज भी जब संभल की घटना पर कोई कुछ बोलने से बच रहा है, राहुल गांधी खुलकर उनकी आवाज बन रहे हैं। उन्होंने वही काम किया है जो एक बड़े नेता को करना चाहिए। उन्होंने कहा कि वही नेता और वही पार्टी सबसे अच्छी होती है जो सबको साथ में लेकर चलती है। उनके अनुसार, आज कांग्रेस यही काम कर रही है। मेरठ के पवन शर्मा ने कहा कि राहुल गांधी आज युवाओं की आवाज बन रहे हैं। वे रोजगार और संविधान की बात कर रहे हैं। यही मुद्दे हैं आज जिनकी देश में चर्चा होनी चाहिए। उन्होंने इन मुद्दों को चर्चा में ला दिया है। केंद्र सरकार का कामकाज अपनी जगह है, लेकिन जिस तरह महंगाई बढ़ने से आम आदमी परेशान है, उससे हर हालत में छुटकारा मिलना चाहिए।

रामसे हाउस सीरियल नहीं है हमारा ड्रीम प्रोजेक्ट है। एम.सलीम

दिल्ली। रामसे हाउस टीवी सीरियल के टाइटल "रामसे हाउस दा फैंटेसी वर्ल्ड"को लेकर अजय देवगन की कम्पनी रील लाइफ एंटरटेनमेंट और फाल्गुनी फिल्म्स एंड टीवी के बीच कानूनी लड़ाई तेज हो गई है इसी पर हमारी संवाददाता सना खान ने सीरियल के लेखक एम.सलीम से मुम्बई बात की। रामसे हाउस सीरियल नहीं है हमारा ड्रीम प्रोजेक्ट है. जिसका 2 साल पहले हमने टाइटल रजिस्टर करवाया था। श्री दीपक तुलसी रामसे से नो ऑब्जेक्शन सर्टिफिकेट भी लिया. दूरदर्शन में उसकी कॉपी भी जमा की उसके बिना सीरियल पास नहीं होता है. अब जबकि हमारा सीरियल बन गया 01दिसंबर 2024 को टेलीकास्ट होने वाला था, हमने सोशल मीडिया पर पब्लिसिटी स्टार्ट कर दी, तो अजय देवगन फिल्म और रियल लाइफ एंटरटेनमेंट की तरफ से दीपक रामसे के माध्यम से ऑब्जेक्शन आने लगा कि यह टाइटल ना रखें. हमने उनके ऑब्जेक्शन पर ध्यान नहीं दिया,क्यों ध्यान देते,हमारे पास तो टाइटल रजिस्टर्ड था हमने कारण जानने की कोशिश की तो पता चला उन लोगों ने रामसे ब्रदर्स के बायोपिक के राइट्स ले रखे हैं. जिस से राइट्स लिए मिस्टर श्याम रामसे वह अब इस दुनिया में नहीं हैं। यह रियल लाइफ वालों का कहना है। जिसका हमारे पास कोई सबूत नहीं है और ना ही उन लोगों ने सबूत दिया है. हमें उस राइट्स से और रामसे ब्रदर्स के बायोपिक से कोई मतलब नहीं है । हमारी कहानी फिक्शन और फेंटेसी है जिसका उनकी कहानी से दूर-दूर तक कोई लेना-देना नहीं । फिर उनके ऑब्जेक्शन पर हम क्यों ध्यान देते.दूरदर्शन ने हमारा प्रोमो शुरू कर दिया था उसके बाद रियल लाइफ एंटरटेनमेंट की तरफ से एक लीगल नोटिस आ गया कि फाल्गुनी फिल्म्स रामसे हाउस टाइटल नहीं रख सकता। वही नोटिस उन लोगों ने दूरदर्शन के डायरेक्टर जनरल को भेज दिया जिसके आधार पर हमारा प्रोमो बिना किसी इंटीमेशन के रोक दिया गया।

लेखक एम.सलीम

और हमें पता चला कि 01 दिसंबर को हमारा शो भी नहीं टेलीकास्ट होगा । हमारी समझ में नहीं आ रहा था कि हम किसके पास शिकायत करें किसकी हेल्प लें। हमने दूरदर्शन डीजी को लेटर लिखा फिर रिमाइंडर भी दिया मगर उनकी तरफ से ना कोई मेल आया और ना ही हमारे लेटर का कोई रिस्पांस मिला । हमें लगा शायद 01 दिसंबर को हमारा शो टेलीकास्ट हो जाएगा क्योंकि हम कहीं भी गलत नहीं थे। सारे डॉक्यूमेंट हमारे पास हैं जिसकी कॉपी हमने दूरदर्शन डीजी को भेजी है। मगर जब शो टेलीकास्ट नहीं हुआ तो हमने अपने लॉयर के माध्यम से दूरदर्शन डीजी को एक रिक्वेस्ट लेटर भेजा है. जिसमें हमने अपना पक्ष रखा है. और अजय देवगन फिल्म्स और रील लाइफ एंटरटेनमेंट का बेबुनियाद नोटिस का हवाला भी दिया । एक पॉइंट पर हमने झगड़े को आगे बढ़ाने के बदले प्यार मोहब्बत से बात को खत्म करने का भी फैसला किया कि रामसे हाउस में चंद्रभान लगाकर सीरियल टेलीकास्ट कर देते हैं । जबकि उसमें हमारा बहुत खर्चा था। लेकिन रियल लाइफ वालों ने फिर यह शर्त रख दी कि हम रामसे हाउस टाइटल कहीं रजिस्टर्ड नहीं करवा सकते मार्केटिंग में उसे नहीं यूज कर सकते । इस कारण हमने फैसला किया कि अब बात प्यार मोहब्बत की नहीं बल्कि आत्मसम्मान और अधिकार की है । हमने फैसला किया है कि अब टाइटल रामसे हाउस ही रहेगा या वह लोग साबित कर दें कि हम गलत हैं या यह साबित कर दें कि वह लोग अपने हक की लड़ाई लड़ रहे हैं । हमारी यह समझ में नहीं आ रहा है जब हम गलत नहीं हैं तो दूरदर्शन ने हमारा शो प्रसारित क्यों नहीं किया और ना ही हमको इन्फॉर्म किया कि शो टेलीकास्ट नहीं होगा। हमने 23 एपिसोड बना लिया है करोड़ों रुपए इन्वेस्ट कर दिए हैं सिर्फ रामसे हाउस के नाम पर,अब टाइटल बदलने पर ना हमारी मार्किंग होगी ना शो के पैसे वापस आएंगे । हम तो बर्बाद हो जाएंगे । क्या अजय देवगन फिल्म और रील लाइफ एंटरटेनमेंट हमारा नुकसान भरने को तैयार है । मैं एम.सलीम लेखक के तौर पर 30 सालों से राइटिंग कर रहा हूं । जी हॉरर शो, सैटरडे सस्पेंस, फिल्मी चक्कर और चाचा चौधरी जैसे सीरियस लिखे हैं।लिम्का बुक ऑफ रिकॉर्ड में मेरा नाम भी दर्ज है. आज तक कभी ऐसी परेशानी का सामना नहीं किया । जबकि मैंने सैटेलाइट चैनल और दूरदर्शन के प्रोग्राम भी लिखे हैं।मगर ऐसी परेशानी कहीं नहीं आई। हम सही होकर भी गलत साबित किए जा रहे हैं। एक तरह से पेपर के माध्यम से हमें धमकी दी जा रही है ताकि नुकसान के डर से हम उनके आगे घुटने टेक दें। क्या छोटे प्रोड्यूसर को अच्छा प्रोजेक्ट बनाने का हक नहीं है?क्या उन्हें जीने का अधिकार नहीं है?यह बड़े प्रोड्यूसर्स हैं तो क्या सच को दबा देंगे।सच को दबा सकते हैं हरा नहीं सकते। हम सही हैं लीगल हैं।हमें उम्मीद है कि हम यह जंग जरूर जीतेंगे क्योंकि यह सच्चाई की लड़ाई है,जल्द ही दर्शकों के बीच रामसे हाउस दूरदर्शन पर प्रसारित होगा।

कुलपति प्रो वरखेडी ने आईसीएसएसआर से सीएसयू के छात्र-छात्राओं को राष्ट्रीय छात्रवृत्ति मिलने पर बधाई दी

दिल्ली, अजय कुमार मिश्रा, संयोजक मीडिया प्रकोष्ठ व पीआरओ,सीएसयू,

दिल्ली। केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, दिल्ली के कुलपति प्रो श्रीनिवास वरखेडी जी ने सहर्ष कहा है कि हमारे विश्वविद्यालय के छात्र-छात्राएं देश विदेश के छात्रवृत्तियों को प्राप्त कर के आकादमिक यश की श्रीवृद्धि करने में संलग्न हैं। उसी क्रम में हमारे केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, दिल्ली के शोध छात्र देवेश कुमार तथा शोध छात्रा श्वेता घटक को हार्दिक बधाई देता हूं जिन्होंने इंडियन काउंसिल ऑफ सोशल साइंस रिसर्च (आईसीएसएसआर) , दिल्ली, भारत सरकार से अपने शोध के क्षेत्र में महत्त्वपूर्ण कार्य करने के लिए छात्रवत्ति प्राप्त करने हेतु राष्ट्रीय स्तर पर चयनित हुए हैं। ध्यातव्य है आईसीएसएसआर की स्थापना सन 1969 में भारत सरकार द्वारा भारत में

सामाजिक विज्ञान के क्षेत्रों में अनुसंधान को बढ़ावा देने के लिए की गयी थी। इस उपलब्धि के लिए इनके पीएचडी के शोध निदेशक क्रमशः प्रो अजय कुमार मिश्रा तथा डा छोटी बाई मीना जी भी बधाई के पात्र हैं जिनके मार्गदर्शन में उन्हें यह सफलता मिली है और आशा है कि भविष्य में भी उनके मार्गदर्शन में ऐसा उन्नत शोध कार्य होगा जो समाज तथा देश के लिए फलदायी हो सकेगा। इस सफलता के लिए अधिष्ठाता , आकादमिक ,प्रो मदन मोहन झा, प्रो आर .जी . मुरली कृष्ण,कुल सचिव ,प्रो मधुकेश्वर भट , निदेशक योजनाएं (२ छात्रवृत्ति), केन्द्रीय तथा श्री जगन्नाथ झा ,सह अधिष्ठाता, छात्र कल्याण ने भी बधाई देते शुभकामना दी है। सूचनीय है कि दोनों छात्र छात्रा क्रमशः उत्तर प्रदेश तथा पश्चिम बंगाल से दिल्ली आकर अपने शोध कार्य में संलग्न हैं। - जन संपर्क अधिकारी, सीएसयू, दिल्ली।

रोडवेज की दिल्ली आगार ने अर्जित की इतिहास की सर्वाधिक आय

नई दिल्ली 4 दिसंबर 2024। राजस्थान रोडवेज की दिल्ली आगार के लिए माह नवम्बर 2024 आय के लिहाज से बहुत फायदेमंद साबित हुआ है। दिल्ली आगार ने अब तक के इतिहास की सर्वाधिक बुकिंग आय का रिकॉर्ड बनाया है। मुख्य प्रबंधक श्री पुलकित कुमार ने बताया कि दिल्ली आगार ने माह नवम्बर 2024 में 3.45 करोड़ रू की आय अर्जित करते हुए पिछले माह अक्टूबर 24 की तुलना में 78 लाख रू ज्यादा एवम् पिछले समान माह नवंबर 2023 की तुलना में 12 लाख रू की आय ज्यादा अर्जित की है जो कि दिल्ली आगार के अब तक के इतिहास के सर्वाधिक आय का रिकॉर्ड है। दिल्ली आगार ने माह अक्टूबर 24 में भी 2.67 करोड़ की बुकिंग आय अर्जित की थी जो कि पिछले समान माह अक्टूबर 23 की बुकिंग आय से ज्यादा थी। श्री पुलकित कुमार ने बताया कि हाल ही में 17 अक्टूबर 24 से रोडवेज चेयरमैन श्रीमती शुभ्रा सिंह जी के प्रयासों से रोडवेज प्रबंधन ने देहली-जयपुर मार्ग पर 8 नयी डीलक्स ऐ वाहनों का संचालन आरंभ किया था जिसके कारण दिल्ली आगार की बुकिंग आय में काफी इजाफा हुआ है और उक्त नवीन बसों के कारण वर्तमान समय में प्राइवेट एसी बस ऑपरेटरस के कारण देहली - जयपुर मार्ग पर काफी प्रतिस्पर्धा के बावजूद रोडवेज ,उक्त मार्ग पर अपनी डीलक्स वाहनों की उपस्थिति को बनाये रखते हुए माह नवम्बर 24 में अच्छा यात्री भार अर्जित करने में सफल रहा है। परिणाम स्वरूप माह नवम्बर 24 में दिल्ली आगार ने केवल वॉल्वो / ऐ डीलक्स वाहनों से 50 लाख रु आय अर्जित की है जो कि माह सितंबर 24 की तुलना में 25 लाख रु ज्यादा है। मुख्य प्रबंधक ने बताया कि 15 सितंबर 2024 से डीटीआईडीसी प्रशासन, दिल्ली सरकार द्वारा आईएसबीटी सराय काले खान एवं कश्मीरी गेट पर वाहनों के प्लेटफार्म पर रुकने का समय 70 मिनट से घटाकर 25 मिनट कर दिया था जिसके कारण अब निगम वाहनों को सवारी बैठाने के लिए बहुत कम समय मिलता है, बावजूद इसके दिल्ली आगार के बुकिंग स्टाफ की मेहनत एवं प्रभावी मोनिटरिंग के कारण आगार ने रिकॉर्ड बुकिंग आय अर्जित की।

देश के 25 विभूतियों को" देशरत्न डॉ.राजेन्द्र प्रसाद स्मृति सम्मान" दिया गया।

नवेश कुमार/वरिष्ठ पत्रकार।

नयी दिल्ली, 4 दिसंबर 2024 (एजेंसी)। देश के 25 विभूतियों को यहां एक भव्य समारोह में "देशरत्न डॉ.राजेन्द्र प्रसाद स्मृति सम्मान" दिया गया। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के गांधी शांति प्रतिष्ठान में ऑल इंडिया मानव समाज ट्रस्ट की ओर से देश के प्रथम राष्ट्रपति डॉ. राजेन्द्र प्रसाद के जन्म दिवस पर कल देर शाम आयोजित एक कार्यक्रम में राष्ट्रीय महिला आयोग की सदस्य श्रीमती ममता कुमारी, चार्टर एकाउंटेंट राजीव जायसवाल एवं लोकनायक जय प्रकाश नारायण संस्थान के संस्थापक महासचिव अभय सिन्हा ने यह सम्मान प्रदान किया।इस कार्यक्रम की अध्यक्षता जाने माने वरिष्ठ पत्रकार डॉ. समरेन्द्र पाठक ने की। संस्था के प्रमुख हीरा लाल प्रधान ने आगंतुकों के प्रति आभार प्रकट किया। अगवानी दिल्ली यूनिट के प्रमुख रंजीत सिंह ने की। इस मौके पर दिल्ली

दूरदर्शन के सुप्रसिद्ध गायक पं.पुष्कर मिश्र,तबलाबादक उस्ताद सबीर हसन,गायिका सुश्री स्नेहा झा,एवं नृत्यांगना श्रीमती पुष्पा ने सांस्कृतिक कार्यक्रम पेश किए। सुप्रसिद्ध कवि पं.विमल मिश्र एवं कवित्रि श्रीमती पूनम झा सुधा एवं कवित्रि श्रीमती जयंती कुमारी ने अपनी रचनाएं पेश की। जिन हस्तियों को यह सम्मान दिया गया उनमें गुरुकुल कांगडी स्कूल हरिद्वार के प्राचार्य विजेंद्र शास्त्री, एमसीडी स्कूल लाजपत नगर दिल्ली के प्रिन्सिपल श्रीनिवास तिवारी, उत्तर प्रदेश में एटावा के शिक्षक ललित कुमार सक्सेना, लेक्चरर नवनीत द्विवेदी,,कोच लैला परवीन, समाजसेवी सर्वश्री मो.असद रजा, तेज नारायण चौधरी एवं सनंत सिंह, समाजसेविका वर्षा सिंह, सुप्रीम कोर्ट की वकील कंचन लता झा, वरिष्ठ पत्रकार सर्वश्री गांधी मिश्र गगन एवं अरुण कुमार शर्मा, टीबी अधिकारी दिल्ली विजेंद्र कुमार,योग शिक्षिका काजल चौधरी, डॉ.अरुण भंडारी, चिकित्सक डॉ.प्रखर रस्तोगी, जेआईटीएम के निदेशक मानव चौहान,विदेशी कंपनी की एक्सक्यूटिव इं.सुश्री समृद्धि पाठक, कवित्रि पूनम झा सुधा, गायिका सुश्री स्नेहा झा,फिल्म स्टार साहिल एवं तबलाबादक उस्ताद सबीर हसन शामिल हैं। एल.एस.

कारीगरी ने पेश किया प्रोटीन से भरपूर न्यूट्रिशियस नो-मैदा चाप मेन्यू

सुनील मिश्रा

नई दिल्ली : कारीगरी रेस्टोरेंट्स ने हेल्दी सामग्री जैसे कटहल का आटा और शुद्ध प्लांट-बेस्ड प्रोटीन से तैयार अपने नए और अनोखे नो-मैदा चाप जैसे पारंपरिक व्यंजनों के मेन्यू के लॉन्च की घोषणा की है। इन चाप को आधुनिक तकनीक का उपयोग जिसमें सोया प्रोटीन, गेहूं प्रोटीन, साइलियम हस्क फाइबर, प्लांट-बेस्ड स्टार्च और पानी का उपयोग किया जाता है हर सर्विंग में 18% प्रोटीन की मात्रा के साथ बेहतरीन विकल्प हैं। कारीगरी के नए मेन्यू में नो-मैदा चाप के कई स्वादिष्ट व्यंजन जैसे भरवां तंदूरी मलाई चाप, भरवां तंदूरी चाप, चाप टिक्के, नो मैदा चाप रोगनी और नो मैदा चाप टिक्का मसाला शामिल है। कारीगरी के शेफ हरपाल सिंह सोखी ने कहा। कि "कारीगरी में, हम अपने ग्राहकों को इनोवेटिव और हेल्दी विकल्प देने के लिए प्रतिबद्ध हैं। हमारे नो-मैदा चाप, कटहल के आटे से बनाए गए हैं, जो न केवल बेहतरीन स्वाद प्रदान करते हैं, बल्कि एक स्वस्थ जीवनशैली और स्थायी भविष्य में योगदान देते है। कारीगरी के सह-संस्थापक, सीईओ योगेश शर्मा ने कहाः "कारीगरी में, हम अपने नो मैदा चाप कटहल के आटे से तैयार यह चाप न केवल हेल्दी है, बल्कि हाइजीन और क्वालिटी का भी ध्यान रखता है। मैदा और अस्वच्छ परिस्थितियों में तैयार पारंपरिक चाप

के विपरीत हमारी इनोवेशन स्वाद, गुणवत्ता और स्वच्छता सुनिश्चित करता है। कटहल का आटा और साइलियम हस्क का उपयोग कर-के, कारीगरी सुनिश्चित करता है कि हर डिश फाइबर, प्रोटीन और प्राकृतिक गुणों से भरपूर हो, जो पाचन और समग्र स्वास्थ्य को बढ़ावा देता है। कारीगरी रेस्टोरेंट्स अपने पारंपरिक व्यंजनों के इनोवेटिव दृष्टिकोण के लिए प्रसिद्ध है। गुणवत्ता, स्वाद और स्थिरता पर ध्यान केंद्रित करते हुए, कारीगरी नए मानदंड स्थापित कर रहा है, जो स्वास्थ्य और स्वाद दोनों को प्राथमिकता देते हुए ग्राहकों को अद्वितीय अनुभव प्रदान करता है।

हांसी ब्रांच नहर में बहकर आया शव, शिनाख्त के लिए नागरिक अस्पताल में रखवाया

शव बाहर निकालने पर पाया कि शव बुरी तरह से गला सड़ा हुआ था

मौके पर पहुंची पुलिस कार्रवाई करती हुई।

नहर में बहता हुआ शव।

(जींद)सफीदों,. दिसंबर : नगर के बीचोबीच बह रही हांसी ब्रांच नहर में मंगलवार सुबह एक शव बहकर आया। मामले की सूचना सिटी थाना पुलिस को दी गई। सूचना पाकर एसआई सुरेश कुमार टीम के साथ मौके पर पहुंचे और शव को नहर से निकलवाकर उसे शिनाख्त के लिए नागरिक अस्पताल पहुंचाया। पुलिस मामले की जांच कर रही है। मिली जानकारी के अनुसार नहर पटरी पर किसी राहगीर ने नहर में उल्टी लेटी हुई एक लाश बहती हुई दिखाई दी। उसने इसकी जानकारी आसपास के लोगों व पुलिस को दी। सूचना पाकर सिटी थाना पुलिस मौके पर पहुंची। मौके पर पहुंचे एक युवक ने नहर में कूदकर रस्से की मदद से लाश को बाहर निकाला। शव बाहर निकालने पर पाया कि शव बुरी तरह से गला सड़ा हुआ था। उसका बाया हाथ नहीं था तथा छाती पर कुछ निशान थे। शव के ऊपर काला कपड़ा लिपटा हुआ था। प्रारंभिक तौर पर देखने में शव काफी पुराना लग रहा था।

पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर नागरिक अस्पताल में शिनाख्त के लिए रखवाया। पुलिस मामले की जांच कर रही थी। इस मामले में सिटी थाना के सब इंस्पेक्टर सुरेश कुमार ने बताया कि शव को नहर से बाहर निकलवाकर शिनाख्त के लिए नागरिक अस्पताल सफीदों में रखवाया गया है। पुलिस नियमानुसार कार्रवाई कर रही है। पुलिस शव की शिनाख्त के पूरे प्रयास करेगी।

ग्रैमी पुरस्कार विजेता रिकी केज ने हमारे भारतीय राष्ट्रगान का स्मारकीय संस्करण बनाकर गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया

दिल्ली। तीन बार के ग्रैमी पुरस्कार विजेता संगीतकार रिकी केज ने हाल ही में फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों से मुलाकात की। यह मुलाकात रियाद, सऊदी अरब में उनके सम्मान में आयोजित एक लंच के दौरान हुई। केज ने इस मुलाकात के बारे में विस्तार से जानकारी दी और राष्ट्रपति के साथ सेल्फी भी ली। इस कार्यक्रम को लेकर केज ने कहा, संयुक्त राष्ट्र के साथ, विशेष रूप से संयुक्त राष्ट्र के डेजर्टिफिकेशन कन्वेंशन (UNCCD) में गुडविल एम्बेसडर होने का मुझे बहुत सम्मान है। UNCCD इस साल सऊदी अरब में अपनी COP16 (कॉन्फ्रेंस ऑफ पार्टीज 16) का आयोजन कर रहा है। मैं इस सम्मेलन में भाग लेने, एक म्यूजिक वीडियो शूट करने और भूमि क्षरण और मरुस्थलीकरण के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए एक डॉक्यूमेंट्री बनाने के लिए यहां हूं। उन्होंने आगे कहा, रियाद में COP16 के औपचारिक आयोजनों में शामिल होने के दौरान, राष्ट्रपति मैक्रों भी शहर में मौजूद थे। मैंने उनसे संपर्क किया और उन्होंने मुझे लंच के लिए आमंत्रित किया। मुलाकात को याद करते हुए केज ने कहा, हमने एक-दूसरे को गले लगाया

और लंच का आयोजन सऊदी सरकार द्वारा बहुत शानदार तरीके से किया गया। राष्ट्रपति मैक्रों ने मुझे सऊदी अरब के संस्कृति मंत्री, महामहिम प्रिंस बदर बिन अब्दुल्ला बिन फरहान अल सऊद से भी मिलवाया। हमने भारत और सऊदी अरब के बीच संगीत और सांस्कृतिक धरोहरों के माध्यम से सहयोग करने के तरीकों पर चर्चा की। लंच के दौरान, हम तीनों ने एक सेल्फी भी ली–राष्ट्रपति मैक्रों ने यह सेल्फी मेरे फोन से ली! मैं महामहिम प्रिंस बदर की उनके दृष्टिकोण और राष्ट्रों के बीच सांस्कृतिक आदान-प्रदान को बढ़ावा देने की प्रतिबद्धता के लिए गहराई से प्रशंसा करता हूं।

राष्ट्रपति मुर्मू ने श्री जगन्नाथ मंदिर में पूजा-अर्चना की

दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने बुधवार को भगवान जगन्नाथ मंदिर में पूजा-अर्चना की। राष्ट्रपति ने ग्रांड रोड में एक किलोमीटर की दूरी पैदल तय की। जब राष्ट्रपति आम श्रद्धालु की तरह सड़क से जा रही थीं तो सैकड़ों लोग सड़क के दोनों ओर खड़े हो गए और उनका

अभिवादन किया। मंदिर को कुछ समय के लिए आम लोगों के वास्ते बंद कर दिया गया ताकि राष्ट्रपति मंदिर के गर्भगृह में भगवान बलभद्र, देवी सुभद्रा और भगवान जगन्नाथ के दर्शन सुलभता से कर सकें। राष्ट्रपति के साथ उनकी बेटी इतिश्री मुर्मू, ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी, उपमुख्यमंत्री प्रवती परिदा, पुरी के सांसद संबित पात्रा और अन्य लोग मौजूद थे। मंदिर में पूजा-अर्चना के बाद मुर्मू ने कहा, मैंने भगवान से कृपा बनाए रखने की प्रार्थना की साथ ही देश के लोगों के लिए भी प्रार्थना की तथा उनकी खुशहाली की कामना की। वह मंदिर में करीब 30 मिनट रहीं। मंदिर पहुंचने पर श्री जगन्नाथ मंदिर प्रशासन ने उनका स्वागत किया। राष्ट्रपति को दर्शन कराने वाले सेवादार राजरतन महापात्रा ने बताया कि उन्होंने गर्भगृह में मत्था टेका और आरती की। राष्ट्रपति ने मंदिर परिसर में मां बिमला और महा लक्ष्मी की भी पूजा-अर्चना की। पुलिस ने बताया कि राष्ट्रपति की यात्रा के मद्देनजर पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था की गई।मंदिर से राष्ट्रपति मुर्मू शहर में एक अन्य कार्यक्रम में भाग लेने के लिए रवाना हो गईं।

हरविन्दर सिंह सरना के तनखैया होने के स्वागत : दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी

जत्थेदार साहिबान से मनजीत सिंह जीके पर भी कार्यवाई करने की अपील की

नई दिल्ली दिसम्बरः दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबन्धक कमेटी अध्यक्ष हरमीत सिह कालका एवं महासचिव जगदीप सिंह काहलो सहित कमेटी सदस्यों ने श्री अकाल तख्त साहिब द्वारा सुखबीर सिंह बादल व अन्य लोगों को डेरा सच्चा सौदा मुखी गुरमीत राम रहीम मामले में धार्मिक सजा सुनाए जाने के फैसले का स्वागत करने के साथ ही श्री अकाल तख्त साहिब के जत्थेदार साहिबान से मनजीत सिंह जीके पर भी कार्यवाई करने की अपील की है। इसके साथ ही उनके द्वारा कमेटी के पूर्व अध्यक्ष हरविन्दर सिंह सरना को तनखैया होने के चलते उनके इस्तीफे की भी मांग उठाई गई।

कालका एवं काहलों ने कहा कि जब डेरा मुखी को माफी दी गई थी उस समय मनजीत सिंह जीके दिल्ली कमेटी एवं अकाली दल की दिल्ली इकाई के प्रधान थे और उस समय उन्होंने उस माफीनामे का स्वागत करते हुए मीडीया में न सिर्फ बयानबाजी की थी बल्कि बहुत से सदस्यों को साथ लेकर कमेटी के खर्च पर श्री अमृतसर थे। उस समय मनजीत सिंह जीके के द्वारा परमजीत सिंह सरना को कठघरे में खडा कर जत्थेदार अकाल तख्त जोगिन्दर सिंह वेदांती के पास डेरा मुखी का माफीनामा लेजाने की बात करते हुए ब्यानबाजी कर सारी साजिश के पीछे सरना का हाथ होने की बात कही थी इस हिसाब से परमजीत सिंह सरना भी इसके लिए सीधे तौर पर कसूरवार है जिसके चलते उन पर भी कार्यवाई की मांग जत्थेदार अकाल तख्त साहिब से की गई है।

उन्होंने कहा कि हरविन्दर सिंह सरना पर जत्थेदार साहिबान द्वारा कार्यवाई करते हुए तनखैया किए जाने का फैसला प्रशंसनीए है इसके चलते अब कोई भी बिना वजह श्री अकाल तख्त साहिब के जत्थेदार साहिबान पर किन्तु परन्तु करने से परहेज करेगा। उन्होंने हरविन्दर सिंह सरना को तनखैया होने के चलते दिल्ली कमेटी सदस्य से तुरन्त इस्तीफा देने की बात भी कही है। कालका और काहलों ने मरहूम प्रकाश सिंह बादल से फख्रे कौम का खिताब वापिस लिए जाने के फैसले का भी स्वागत किया है।

दिल्ली: नेब सराय में एक ही परिवार के तीन लोगों की चाकू घोंपकर हत्या

दिल्ली। के नेब सराय इलाके में बुधवार सुबह एक अधेड़ दंपति और उनकी बेटी की उनके घर में कथित तौर पर चाकू घोंपकर हत्या कर दी गई। पुलिस ने यह जानकरी दी। पुलिस ने बताया कि तीनों की पहचान राजेश कुमार (51), उनकी पत्नी कोमल (46) और उनकी बेटी कविता (23) के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, दंपति के बेटे अर्जुन ने सुबह करीब साढ़े पांच बजे सैर के बाद घर लौटकर शवों को देखा। एक अधिकारी ने बताया कि उसने पड़ोसियों को सूचित किया, जिन्होंने फिर पुलिस को बुलाया। अधिकारी ने कहा, अपराध टीम तथा फोरेंसिक टीम को बुलाया गया है और प्रथम दृष्टया घर से किसी भी सामान की चोरी या तोड़फोड़ नहीं हुई है। घटना के बारे में जानकारी देते हुए अर्जुन के मामा सतीश कुमार ने कहा, राजेश मेरे साले थे। मुझे मेरे भतीजे (अर्जुन) ने घटना के बारे में फोन पर सूचित किया था। राजेश सेना से सेवानिवृत्त थे और वर्तमान में वह सुरक्षा अधिकारी के रूप में काम कर रहे थे, जबकि उनकी बेटी कॉलेज में पढ़ती थी। कुमार ने बताया कि वित्तीय विवाद के कारण हमला होने की संभावना हो सकती है। देवली से आम आदमी पार्टी (आप) के विधायक प्रकाश जरवाल ने पीड़ित के घर जाकर राजेश के बेटे से बात की। जरवाल ने कहा, यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण घटना है। उनके बेटे ने मुझसे पूछा, अब मैं किसके लिए जिऊंगा? जारवाल ने कहा, किसी ने घर में घुसकर पीड़ितों की गर्दन पर चाकू से वार किया। उन्होंने कहा कि दिल्ली में हर रोज लोगों की हत्याएं होना आम बात हो गई है।

उच्च शिक्षा मंत्री योगेन्द्र उपाध्याय ने समीक्षा बैठक में विकास पर दिया जोर

लोकतंत्र की शान/कौशल रस्तोगी

लखनऊ। 04 दिसम्बर 2024 प्रदेश के उच्च शिक्षा मंत्री योगेन्द्र उपाध्याय ने आगामी वित्तीय वर्ष के बजट की तैयारी और विभागीय योजनाओं की प्रगति को लेकर अपने कार्यालय में समीक्षा बैठक की। बैठक में विभागीय अधिकारियों ने मंत्री को विभिन्न विषयों और योजनाओं के बारे में जानकारी दी। मंत्री ने कहा कि योगी सरकार उच्च शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार और छात्रों को वैश्विक स्तर की शिक्षा उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने

विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिया कि बजट प्रस्ताव तैयार करते समय छात्रों और शिक्षकों के हितों को प्राथमिकता दी जाए। साथ ही शिक्षा में नई तकनीकों का उपयोग बढ़ाने और डिजिटल शिक्षा को प्रोत्साहित करने पर विशेष ध्यान देने की बात कही। बैठक में उच्च शिक्षा में शोध एवं नवाचार को प्रोत्साहित करने के लिए योजनाओं पर चर्चा हुई। मंत्री ने निर्देश दिया कि राज्य के विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों में शोध कार्य को बढ़ावा देने के लिए विशेष फंड का प्रावधान किया जाए। उन्होंने कहा कि शोध और नवाचार के बिना शिक्षा का उद्देश्य अधूरा है। हमें युवाओं को भविष्य के लिए तैयार करना है। बैठक में विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों के इंफ्रास्ट्रक्चर विकास और शिक्षकों की नियुक्ति के मुद्दों पर भी चर्चा की गई। मंत्री ने कहा कि सभी संस्थानों में बुनियादी सुविधाओं का विकास और शिक्षकों की उपलब्धता सुनिश्चित करना सरकार की प्राथमिकता है। मंत्री ने नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) के प्रभावी क्रियान्वयन पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि एनईपी को लागू करने के लिए एक रोडमैप तैयार किया जाए, जिससे छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ-साथ रोजगार के अवसर भी मिल सकें। बैठक के अंत में अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी योजनाओं का क्रियान्वयन समयबद्ध तरीके से किया जाए। उन्होंने कहा कि योजनाओं में देरी किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं की जाएगी। शिक्षा का स्तर ऊंचा उठाना हमारी प्राथमिकता है और इसके लिए सभी को मिलकर काम करना होगा। बैठक में प्रमुख सचिव एमपी अग्रवाल, विशेष सचिव गिरिजेश त्यागी, शिबू गिरी सहित विभागीय अधिकारी उपस्थित थे।

बुखार पीड़ित महिला को चढ़ाया ब्लड, महिला की मौत

लोक तंत्र की शान
प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहा

हसनपुर। बुधवार को ब्लड चढ़ाने के बाद हालत बिगड़ने पर मेरठ में उपचार के दौरान महिला की मौत हो गई, बताते चलें कि कोतवाली क्षेत्र के गांव मिल्क घेर निवासी 40 वर्षीय महिला वीरवती 8 दिन से बुखार से पीड़ित थी वहीं परिजनों द्वारा हसनपुर नगर में गजरौला ब्लॉक बाईपास के पास स्थित एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था इस दौरान अस्पताल चिकित्सक द्वारा महिला को ब्लड चढ़ाया गया था वही ब्लड चढ़ाने के बाद महिला की हालत बिगड़ने पर अस्पताल द्वारा महिला को मेरठ रेफर कर दिया गया, तथा बुधवार को मेरठ में

इलाज के दौरान 40 वर्षीय वीरवती की मौत हो गई, महिला की मौत के बाद परिजन सब को गांव ले आए और बिना कानूनी प्रक्रिया के ही अंतिम संस्कार कर दिया इस संबंध में नोडल अधिकारी शरद कुमार ने बताया कि मामले की जानकारी नहीं है, परिजनों द्वारा अगर तहरीर दी जाती है तो जांच कर कर कार्रवाई आवश्य की जाएगी, वहीं महिला की मौत से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है, पूरे गांव में गम की लहर है, उधर ऐसे निजी अस्पतालों पर सवालिया निशान उठते हैं, अब देखना यह है कि क्या अस्पताल के खिलाफ जिला प्रशासन कोई कार्रवाई करता है या फिर ऐसे ही मरीज को इन निजी अस्पतालों के हाथों मरने के लिए छोड़ दिया जाएगा।

विटामिन ए सम्पूरण अभियान हुआ प्रारंभ, नौ निहालों को पिलाई विटामिन ए की खुराक

लोक तंत्र की शान
प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहा

हसनपुर। बुधवार को नगर के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में विटामिन ए सम्पूरण अभियान का शुभारंभ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के चिकित्सा अधीक्षक डॉक्टर धुर्वेंद्र सिंह ने नौ निहालों को विटामिन ए की खुराक पिलाकर किया, उन्होंने बताया कि 4 दिसंबर से प्रारंभ हुआ यह अभियान एक माह तक चलेगा, इसके अंतर्गत 9 माह से 5 वर्ष तक के प्रत्येक बच्चों 6 माह के अंतराल में यह खुराक पिलाई जाती हैं, इस संबंध में उन्होंने बताया कि विटामिन ए से शिशु का सुरक्षा कवच बना रहता है, विटामिन ए के द्वारा शरीर में रोगों से लड़ने की क्षमता में वृद्धि होती

है कुपोषण में कमी एवं शारीरिक विकास में यह सहायक होता है, आंखों की परत कोर्निया की सुरक्षा एवं आंख के रोग जैसे रतौंधी से बचाव विटामिन ए से ही संभव है, विटामिन ए से दस्त आदि संबंधी रोगों से बचाव होता है, उन्होंने बताया कि विटामिन ए एक ऐसी खुराक है इसके पीने से खसरे से होने वाली मृत्यु में 50% तक की कमी संभव है, तथा दस्त से होने वाली मृत्यु में भी 40% की कमी संभव है, वही सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के अधीक्षक डॉक्टर धुर्वेंद्र सिंह ने सभी 9 माह से 5 वर्ष तक के प्रत्येक बच्चे को अस्पताल में लाकर विटामिन ए की खुराक अवश्य पिलवाने की अपील की है, उन्होंने बताया कि यह अभियान डोर टू डोर भी चलाया जाएगा, इस मौके पर समस्त अस्पताल स्टाफ मौजूद रहा।

गौ हत्या करने वाले, गौ तस्करों के खिलाफ सख्त कार्रवाई हो: वेद प्रकाश यादव

लोक तंत्र की शान
प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहा

हसनपुर। बुधवार को शिवसेना के जिलाध्यक्ष वेद प्रकाश यादव के नेतृत्व में शिवसेना कार्यकताओं ने हसनपुर तहसील क्षेत्र में बढ़ती गौ हत्याओं को लेकर रोष प्रकट करते हुए एक ज्ञापन उप जिला अधिकारी सुनीता कुमारी

को सौंपा, ज्ञापन के माध्यम से शिव सैनिकों ने तहसील क्षेत्र में बीते लगभग 15 /20 दिनों के अंदर हुई को हत्याओं को लेकर अपना विरोध दर्ज करते हुए कहा है कि गो हत्या करने वाले गौ तस्करों पर प्रतिबंध लगाया जाए, उन्होंने कहा कि आए दिन हो रही इन गो हत्या से हिंदू समाज अपने आप को असहाय समझने लगा है क्योंकि इस समस्या के समाधान के लिए अनेक हिंदू संगठन के लोग धरना प्रदर्शन भी कर चुके हैं लेकिन अभी तक गो हत्या करने वाले लोगों पर कार्यवाही नहीं हुई है, इस संबंध में शिवसेना के जिला अध्यक्ष वेद प्रकाश यादव ने बताया कि उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री गो प्रेमी है लेकिन मुख्यमंत्री जी के काफी प्रयास के बाद भी गौ हत्या रोकने में शासन प्रशासन नाकाम साबित हो रहा है उन्होंने बताया कि पूर्व कि सपा एवं बसपा सरकार में भी इतनी गौ हत्याएं नहीं हुई थी जो अब भाजपा सरकार में हो रही है उन्होंने कहा कि गौ हत्या में कहीं ना कहीं सत्ताधारी लोग भी शामिल हैं उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा है कि यदि क्षेत्र में गौ हत्या करने वालों पर कार्यवाही नहीं होती है तो शिवसेना कार्यकताओं के साथ धरना प्रदर्शन करने को विवश होगी जिसकी समस्त जिम्मेदारी प्रशासन की होगी, ज्ञापन देने वालों में मुख्य रूप से शिवसेना उद्धव ठाकरे के अमरोहा जिला अध्यक्ष वेद प्रकाश यादव, अतुल अग्रवाल, हसनपुर नगर अध्यक्ष विकास यादव, रवि यादव, निकुंज शर्मा, राधेलाल अग्रवाल, राजेंद्र सैनी, सुरेश यादव, मनु यादव आदि दर्जनों शिव सैनिक मौजूद रहे।

भारतीय किसान संघ ने गन्ना महाप्रबंधक के नाम सौंपा ज्ञापन

लोक तंत्र की शान
प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहा

मंडी धनौरा। बुधवार को भारतीय किसान संघ के कार्यकताओं ने धनोरा तहसील क्षेत्र के ग्राम जीरखी शाहुपुर करौंदी के ग्राम वासियों के साथ दूसरे क्रय केन्द्रो से जीरखी क्रय केंद्र एक फोर नाइट पीछे चल रही है,पीछे चल रही फोर नाइट को तुरंत बराबर किया जाए। क्रय केंद्र पर 20 कुंतल 20 किलो ही गन्ना लिया जाए घट तोली ना की जाए, इस मांग को लेकर धरना प्रदर्शन किया और गन्ना महाप्रबंधक धनौरा के नाम ज्ञापन सचिव को दिया, ज्ञापन के माध्यम से चेताया गया है कि अगर 3 दिन में मांगे पूरी नहीं हुई तो 3 दिन बाद अनिश्चितकालीन धरना दिया जाएगा, इस मौके पर मुख्य रूप से ब्लॉक अध्यक्ष बृजनंदन सिंह, ग्राम अध्यक्ष बृजेश चौहान, ग्राम सदस्य निटिल चौहान ,उदयवीर सिंह, करतार सिंह आदि ग्राम वासी मौजूद रहे।

स्वीकार नहीं की जाएगी जनसुनवाई और राजस्व वादों में लापरवाही-लेटलतीफी, तय होगी सबकी जवाबदेही: मुख्यमंत्री

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने बुधवार को शासन स्तर के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ जिलों में राजस्व वादों के निस्तारण और कानून व्यवस्था की स्थिति की समीक्षा की। विशेष समीक्षा बैठक में

मुख्यमंत्री जी ने सम्पूर्ण समाधान दिवस और थाना दिवस में आने वाले मामलों के शिकायतकताओं से मिले फीडबैक तथा आईजीआरएस और सीएम हेल्पलाइन पर जनता से मिले फीडबैक के आधार पर रिपोर्ट जारी करते हुए मुख्यमंत्री ने असंतोषजनक प्रदर्शन करने वाले शासन के सभी विभागों, मंडलायुक्तों, जिलाधिकारियों, तहसीलों, रेंज, थानों से स्पष्टीकरण लिए जाने के निर्देश दिए। वहीं पैमाइश, लैंडयूज, अकृषक भूमि घोषित किये जाने से जुड़े लंबित मामलों की जिलावार रिपोर्ट पर चर्चा करते हुए मुख्यमंत्री ने जिलाधिकारियों से स्पष्टीकरण मांगे जाने के निर्देश दिए। उन्होंने सभी मंडलायुक्तों, जिलाधिकारियों को निर्देश दिए कि राजस्व वादों के निस्तारण के लिए मिशन मोड में कार्यवाही की जाए। कहीं भी किसी गरीब के साथ अन्याय नहीं होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि जनता से जुड़े विभागों के अधिकारी तय समय पर जनता से जरूर मिलें। प्रत्येक विभाग में जनसुनवाई को प्राथमिकता दी जाए। बैठक में सभी मंडलायुक्त, पुलिस जोन एडीजी, जिलाधिकारी गण, पुलिज रेंज आईजी, पुलिस कप्तान आदि फील्ड में तैनात अधिकारियों ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सहभागिता की।

डिजिटल अरेस्ट की धमकी देकर ठगी करने वाले संगठित गिरोह के 03 सदस्य गिरफ्तार

लोकतंत्र की शान/कौशल रस्तोगी

लखनऊ। एस०टी०एफ०, उत्तर प्रदेश को सीबीआई/नारकोटिक्स / क्राईमब्रांच के अधिकारी बनकर डिजिटल अरेस्ट कर ठगी करने वाले संगठित गिरोह के श्याम पुत्र जयसिंह निवासी हाउस नं0 73 जी 3 साई इन्क्लेव गली नं० 05 मोहन गार्डेन उत्तम नगर थाना रनहौला नई दिल्ली, उम्र 27 वर्ष, हर्षल पुत्र स्व० अनिल कुमार निवासी 10/115 पटेल गली विश्वास नगर थाना विवेक विहार शहदरा दिल्ली, उम्र 33 वर्ष व पुनीत शर्मा उर्फ गगन पुत्र यतेन्द्र शर्मा निवासी म०नं० 6089 कश्यप मुहल्ला गांधीनगर थाना गांधीनगर दिल्ली उम्र करीब 25 वर्ष उपरोक्त तीनों अभियुक्तों को 3 मोबाइल फोन,1आधार कार्ड, 6 केडिट/डेबिट कार्ड, 111 पेज वॉट्सएप के स्क्रीनशाट (ठगी में प्रयोग किये गये बैंक खाते),रू 380 नकद, किट से सम्बन्धित जानकारी बरामदगी के साथ आगरा एक्सप्रेसवे से लखनऊ की तरफ उतरने वाली सड़क की दाहिनी पटरी पुल के नीचे लखनऊ।

दिनांकः 03-12-2024 समयः 19:50 बजे। गिरफ्तार किया गया। एस०टी०एफ०, उत्तर प्रदेश को विगत काफी समय से सीबीआई/नारकोटिक्स/ क्राईमब्रांच के अधिकारी बनकर ठगी करने वाले संगठित गिरोहों के सक्रिय होने की सूचनाएं प्राप्त हो रही थी। जिसके क्रम में विशाल विक्रम सिंह, अपर पुलिस अधीक्षक, एस०टी०एफ०,उ०प्र० के पर्यवेक्षण में एस०टी०एफ० मुख्यालय स्थित साइबर टीम द्वारा अभिसूचना संकलन के क्रम में ज्ञात हुआ कि डा अशोक सोलंकी निवासी लखनऊ ने थाना साइबर क्राइम, लखनऊ में मुकदमा पंजीकृत कराया कि उनको सीबीआई/नारकोटिक्स / क्राईमब्रांच के अधिकारी बनकर दो दिन तक जांच के नाम पर डिजिटल अरेस्ट कर 48.00 लाख रुपए की ठगी की गयी थी।उपरोक्त प्रकरण पर तकनीकी विशेषज्ञता के आधार पर दिनांक 14-11-2024 को एसटीएफ टीम द्वारा होटल द शान नियर बस स्टेशन गुरुग्राम हरियाणा से 05 अभियुक्तों को व दिनांक 16-11-2024 को लखनऊ से 02 अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया था। उसी क्रम में दिनांक 03-12-2024 को इन 03 अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया।

शहसूत के पेड़ पर लटका मिला युवक का शव

लोक तंत्र की शान
प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहा

हसनपुर/ सैद नंगली। बुधवार को थाना सैद नंगली क्षेत्र के खरसोली गांव निवासी 35 वर्षीय युवक का शब गेहूं के खेत में खड़े शहतूत के पेड़ पर दुपट्टे के सहारे लटका हुआ मिला, ग्रामीणों ने सब लटका हुआ देखकर पुलिस को फोन किया मौके पर पहुंची पुलिस ने सब को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया मृतक की पहचान धर्मपाल के रूप में हुई है, ग्रामीण ने खेत में काम करने के दौरान पेड़ पर सब लटका हुआ देखा और पुलिस को सूचना कर दी तथा परिजन भी मौके पर पहुंच गए मौके पर पहुंचे परिजनों में चिख पुकार मच गई, मृतक के भाई जयपाल सिंह ने बताया कि धर्मपाल दोपहर में खेत की सिंचाई के लिए निकला था उसका सुसराल पक्ष अक्सर उसके साथ झगड़ा करता था और उसकी पत्नी भी गाली गलौज करती थीजेड घटना के दिन सुसराल वाले उसकी पत्नी को अपने साथ ले गए थे, परिजनों का मानना है कि पारिवारिक विवाद और मानसिक तनाव के कारण धनपाल ने ये कदम उठाया है, धर्मपाल की शादी को 17 साल हुए हैं तथा कोई संतान नहीं है इस कारण एक बच्ची को

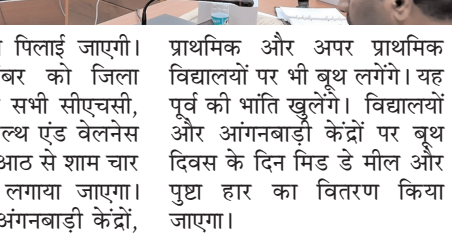

गोद लिया गया था, परिजनों का कहना है कि संतानहीनता और पारिवारिक कलह के चलते लंबे समय से परेशान था इस संबंध में थाना अध्यक्ष दिनेश कुमार शर्मा ने बताया कि प्रथम दृष्टिय मामला आत्महत्या का प्रतीत हो रहा है, तथा शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है तहरीर और पोस्टमार्टम की रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्यवाही की जाएगी, वही घटनास्थल पर फिंगरप्रिंट एक्सपर्ट टीम ने सबुत जुठाए हैं, वहीं पुलिस भी सभी पहलुओं पर जांच कर रही है, घटना के बाद से गांव में शोक की लहर है।

यूपी के प्राचीन वैभव को पुनर्स्थापित कर रहे हैं सीएम योगी : नरेंद्र सिंह तोमर

गोरखपुर, 4 दिसंबर। मध्य प्रदेश विधानसभा के अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर ने कहा कि एक समय वह भी आ गया था जब उत्तर प्रदेश में कोई आने को तैयार नहीं था। पर, योगी आदित्यनाथ ने जबसे मुख्यमंत्री के रूप में यहां कमान संभाली है तबसे यूपी का प्राचीन वैभव पुनर्स्थापित होने लगा है। कानून व्यवस्था की बात हो, निवेश लाने की, स्वास्थ्य क्षेत्र की सुदृढ़ता, गरीबी उन्मूलन या फिर राष्ट्रीय शिक्षा नीति को लागू करने की, उत्तर प्रदेश में योगी सरकार ने हर दिशा में सफलतापूर्वक कदम बढ़ाए हैं।

श्री तोमर बुधवार को महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के 92वें संस्थापक सप्ताह समारोह के शुभारंभ कार्यक्रम को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि योगी आदित्यनाथ से वह कई भूमिकाओं में मिलते रहे हैं। गोरक्षपीठाधीश्वर के रूप में वह भक्तियोग का मार्ग दिखाते हैं तो उसी के समानांतर राजनेता के रूप में कर्मयोग का भी रास्ता बताते हैं। गोरक्षपीठाधीश्वर के रूप में उनकी अपनी जो साधना है वो तो प्रेरणादायी है ही, कर्मयोग के मार्ग पर चलते हुए एक राजनेता, सांसद व मुख्यमंत्री के रूप में उन्होंने जो काम किया है, उनकी जितनी प्रशंसा की जाये उतनी कम है। उन्होंने भगवान गोरखनाथ की धरा पर आगमन का आमंत्रण पाने के लिए खुद को सौभाग्यशाली

बताया। श्री तोमर ने गोरक्षपीठ के प्रकल्प महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के व्यापक लोक सरोकारों का उल्लेख करते हुए कहा कि कोई भी आध्यात्मिक संस्था, पीठ या मठ सामान्यतः भक्ति योग की प्रेरणा देती है। पर, गोरक्षपीठ एक ऐसी संस्था है जो भक्तियोग के साथ कर्मयोग में रत होकर, इसकी प्रेरणा देकर नागरिकों के जीवन का मार्ग प्रशस्त करती है। इस परिप्रेक्ष्य में गोरक्षपीठ और इसकी संस्था महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद समूचे देश के लिए प्रेरणास्त्रोत है।

सघन पल्स पोलियो अभियान और विटामिन ए सम्पूरण कार्यक्रम को लेकर जिला टास्क फोर्स की बैठक आयोजित

लोकतंत्र की शान /देवेंद्र शर्मा

लखनऊ। 4 दिसंबर 2024 जनपद के शून्य से पांच साल तक के बच्चों को पोलियो की दवा पिलाने के लिए आठ दिसंबर से सघन पल्स पोलियो अभियान शुरू हो रहा है इसी को लेकर जिला टास्क फोर्स की बैठक बुधवार को जिलाधिकारी कार्यालय में जिलाधिकारी सूर्यपाल गंगवार के निर्देश पर ए डी एम अमित कुमार की अध्यक्षता में आयोजित हुई । इसके साथ ही विटामिन ए संपूरण कार्यक्रम की जिला टास्क फोर्स की बैठक भी आयोजित हुई। विटामिन ए संपूरण कार्यक्रम चार दिसंबर से शुरू हो चुका है जो कि तीन जनवरी 2025 तक चलेगा । बैठक में एडीएम ने निर्देश दिए कि कोई भी बच्चा पोलियो से बचाव की दवा पीने से न रह जाए। जनपद के जो हाई रिस्क एरिया हैं उन पर ज्यादा फोकस करें। बैठक में जानकारी देते हुए जिला प्रतिरक्षण अधिकारी डा. ए. पी. मिश्रा ने बताया कि इस अभियान के तहत शून्य से पाँच साल के 7.31 लाख बच्चों को पोलियो से बचाव की दवा पिलाने का लक्ष्य है। उन्होंने बताया कि बच्चों को बाइवलेन्ट ओरल पोलियो वैक्सीन (बीओपीवी) दी जाएगी जो कि पोलियो वायरस टाइप-वन और टाइप -3 से सुरक्षा प्रदान करती है। जिला प्रतिरक्षण अधिकारी ने बताया कि पोलियो की दवा बूथ लगाकर और स्वास्थ्य कार्यकताओं द्वारा घर-घर भ्रमण

कर बच्चों को पिलाई जाएगी। आठ दिसंबर को जिला अस्पताल सहित सभी सीएचसी, पीएचसी और हेल्थ एंड वेलनेस सेन्टर पर प्रातः आठ से शाम चार बजे तक बूथ लगाया जाएगा। इसके साथ ही अंगनबाड़ी केंद्रों, प्राथमिक और अपर प्राथमिक विद्यालयों पर भी बूथ लगेंगे। यह पूर्व की भांति खुलेंगे। विद्यालयों और आंगनबाड़ी केंद्रों पर बूथ दिवस के दिन मिड डे मील और पुष्टा हार का वितरण किया जाएगा।

घबराइए मत, हर शिकायत पर कराएंगे प्रभावी कार्रवाई : सीएम योगी

गोरखपुर, 4 दिसंबर। गोरखपुर प्रवास के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार सुबह गोरखनाथ मंदिर में आयोजित जनता दर्शन में लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं। उन्होंने समस्या लेकर आए लोगों से आत्मीयता से संवाद करते हुए कहा, ह्यघबराइए मत, हर शिकायत पर प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित कराएंगे। हर पीड़ित की समस्या का समाधान कराया जाएगा। सरकार सबकी समस्या दूर करने को संकल्पित है। जनता दर्शन में मुख्यमंत्री ने पास में मौजूद अधिकारियों को निर्देशित किया कि हर पीड़ित व्यक्ति की समस्या पर संवेदनशीलता से ध्यान दें और उसका समयबद्ध व पारदर्शी निस्तारण कराएं। गोरखनाथ मंदिर परिसर के महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के सामने आयोजित जनता दर्शन के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने करीब 150 लोगों की समस्याएं सुनीं और अधिकारियों को उनका समाधान करने का निर्देश दिया। जनता दर्शन में महिलाओं की संख्या अधिक रही। कुर्सियों पर बैठाए गए लोगों

तक मुख्यमंत्री खुद पहुंचे। एक-एक कर और इत्मीनान से सबकी समस्याएं सुनीं। उन्हें आश्वस्त किया कि वह सभी की समस्याओं का समाधान सुनिश्चित कराएंगे। किसी को भी घबराने की आवश्यकता नहीं है। प्रार्थना पत्रों को उन्होंने अधिकारियों को हस्तगत करते हुए निर्देश दिया कि हर समस्या का निस्तारण त्वरित, गुणवत्तापूर्ण और संतुष्टिप्रद होना चाहिए। कुछ लोगों द्वारा जमीन कब्जाने की शिकायत पर उन्होंने कठोर कानूनी कार्रवाई के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने अफसरों को यह निर्देश भी दिए कि यदि किसी प्रकरण में पीड़ित को लगातार परेशानी का सामना करना पड़ा है तो इसकी भी जांच कर जवाबदेही तय की जाए। जनता दर्शन में कुछ लोग इलाज में आर्थिक मदद की गुहार लेकर पहुंचे थे। मुख्यमंत्री ने उनसे कहा कि इलाज में धन की कमी बाधक नहीं होगी। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि इलाज में अस्पताल के इस्टीमेट की प्रक्रिया को जल्द पूर्ण कराकर शासन में भेजें। मुख्यमंत्री विवेकाधीन कोष से इलाज के लिए पर्याप्त राशि दी जाएगी। इस दौरान उन्होंने अफसरों से कहा कि हर पात्र व्यक्ति का आयुष्मान कार्ड बनवाया जाए जिससे उन्हें इलाज के लिए परेशान न होना पड़े।

सोलर साड़ी इवेंट से सौर ऊर्जा के प्रति जागरूकता अभियान

लखनऊ, 4 दिसंबर। उत्तर प्रदेश की योगी सरकार सौर ऊर्जा को बढ़ावा देने के लिए अनेक प्रयास कर रही है। इसमें नवाचार का भी उपयोग किया जा रहा है, जिसके तहत सोलर साड़ी अभियान की शुरूआत की गई है। इस अभियान में संस्कृति और सौर ऊर्जा का अनूठा संगम देखने को मिला। इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य पीएम सूर्य घर योजना के तहत सौर ऊर्जा के महत्व को जन-जन तक पहुंचाना है।

सोलर साड़ियों का अनोखा प्रदर्शन

मऊ और बनारस जनपदों में हाल ही में सोलर साड़ी इवेंट का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में सोलर पावर वाली साड़ियों का प्रदर्शन किया गया। ये साड़ियां न केवल फैशन और परंपरा का प्रतीक थीं, बल्कि सौर ऊर्जा के दैनिक जीवन में उपयोग की प्रेरणा भी बनीं। यह पहल सौर ऊर्जा के बढ़ते उपयोग को प्रोत्साहित करने के लिए एक शानदार कदम साबित हुई।

पीएम सूर्य घर योजना का प्रचार-प्रसार

इस पहल के माध्यम से लोगों को पीएम सूर्य घर योजना के बारे में जानकारी दी गई, जिसका उद्देश्य हर घर को सौर ऊर्जा से जोड़ना और मुफ्त बिजली प्रदान करना है। मऊ और बनारस में पीएम सूर्य घर योजना का व्यापक प्रचार-प्रसार किया गया। नागरिकों को उनके छतों पर सोलर पैनल लगाने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है, ताकि वे सस्ती और स्वच्छ ऊर्जा

का लाभ उठा सकें। यह योजना पर्यावरण संरक्षण और ऊर्जा आत्मनिर्भरता को बढ़ावा दे रही है।

संस्कृति और तकनीकी विकास का समन्वय

कार्यक्रम ने यह स्पष्ट किया कि सरकार सौर ऊर्जा को हर घर तक पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है। इन कार्यक्रमों की सफलता से सौर-शक्ति से संचालित भविष्य की नींव मजबूत हो रही है। सोलर साड़ी इवेंट ने साबित कर दिया कि संस्कृति और तकनीकी विकास को मिलाकर एक स्थायी और उज्जवल भविष्य की दिशा में कदम बढ़ाए जा सकते हैं। भारत स्वच्छ ऊर्जा और सांस्कृतिक समन्वय में एक नई मिसाल कायम कर रहा है।

किशोरों व वरिष्ठजनों के लिए स्वास्थ्य जांच शिविर का किया जाएगा आयोजन

करनाल बीटू संधू

करनाल। मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव इरम हसन ने बताया कि जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा मेडलाइन अस्पताल के सहयोग से किशोरों व वरिष्ठजनों के लिए 8 व 15 दिसंबर को स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया जाएगा। उन्होंने बताया कि प्लेस ऑफ सेफ्टी में 8 दिसंबर को किशोरों की स्वास्थ्य जांच के लिए शिविर का आयोजन किया जाएगा। इसी प्रकार से सुभद्रा वृद्ध आश्रम में वरिष्ठ नागरिकों के स्वास्थ्य की जांच के लिए 15 दिसंबर को शिविर का आयोजन किया जाएगा।

दून इंटरनेशनल स्कूल, कैथल रोड करनाल में इंटरस्कूल ग्रुप डांस कॉम्पिटिशन आयोजित किया गया

करनाल बीटू संधू

करनाल। दून इंटरनेशनल स्कूल, कैथल रोड करनाल में इंटरस्कूल ग्रुप डांस कॉम्पिटिशन आयोजित किया गया, जिसमें करनाल शहर के प्रतिष्ठित सीबीएसई स्कूलों ने प्रतिभागिता प्राप्त की। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर करनाल की पूर्व मेयर श्रीमती रेणु बाला गुप्ता व पूर्व सीनियर डिप्टी मेयर राजेश अग्गी, पूर्व प्रिंसिपल कमलेश अरोड़ा व बड़ी संख्या में सीबीएसई स्कूलों से आए अध्यापकगण व प्रतिभागी विद्यार्थी बच्चों ने भाग लिया। उक्त रंगारंग कार्यक्रम में बच्चों ने एक से बढ़कर एक शानदार प्रस्तुतियां प्रस्तुत की और अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया। इस प्रतिष्ठित इंटर स्कूल ग्रुप डांस कॉम्पिटीशन में प्रथम स्थान पर जीपीएस पब्लिक स्कूल निसिंग की टीम रही, जबकि द्वितीय स्थान पर दून इंटरनेशनल स्कूल करनाल व तृतीय स्थान पर माउंट लिट्रा स्कूल करनाल की टीम रही, वही पार्थ पब्लिक स्कूल घरौंडा व ओपीएस विद्या मंदिर स्कूल करनाल की टीमों को सांत्वना पुरस्कार मिला । इस प्रतिष्ठित अंतर विद्यालय समूह नृत्य प्रतियोगिता में करनाल के विभिन्न स्कूलों के बच्चों ने अपनी अंतर निहित प्रतिभा का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया और इस अवसर पर बड़ी संख्या उपस्थित स्कूल विद्यार्थियों, अभिभावकों व अपने शिक्षकगण का हृदय जीतकर वाहवाही बटोरी। इस विशिष्ठ समूह नृत्य प्रतियोगिता में वह करनाल के सभी जाने-माने स्कूलों की डांस टीमों में पुरस्कार प्राप्त करने की जबरदस्त होड़ रही व एक से बढ़कर एक सांस्कृतिक प्रस्तुतियां प्रस्तुत कर इन सभी बच्चों ने समय बांध दिया और अपनी प्रतिभा प्रदर्शन से उपस्थित सभी को हतप्रभ कर बार-बार ताली बजाने पर मजबूर कर दिया । मुख्य अतिथि के तौर पर अपने संबोधन में करनाल की पूर्व महापौर रेनू बाला गुप्ता ने दून इंटरनेशनल स्कूल करनाल के हरे भरे प्रांगण, यहां के बच्च।

समाधान शिविर में आ रही समस्याओं का मौके पर ही किया जा रहा समाधान : अशोक कुमार

नीलोखेड़ी/करनाल बीटू संधू

करनाल। एसडीएम अशोक कुमार ने बताया कि हरियाणा सरकार के निदेर्शानुसार एसडीएम कार्यालय, नगर पालिका कार्यालय व बीडीपीओ कार्यालयों में समाधान शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। इन शिविरों में संबंधित अधिकारियों द्वारा आमजन की समस्याएं सुनी जा रही हैं। इसी कड़ी में बुधवार को एसडीएम कार्यालय में आयोजित समाधान शिविर में क्रिड से संबंधित आई शिकायतों का मौके पर ही समाधान कर दिया गया । उन्होंने बताया कि प्रदेश सरकार के निदेर्शानुसार उपमंडल स्तर पर आयोजित किए जा रहे समाधान शिविर लोगों की समस्याओं का समाधान करने की दिशा में सरकार की अनुकरणीय पहल हैं। समाधान शिविरों में प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा आमजन की समस्याओं का मौके पर ही समाधान किया जा रहा है। समाधान शिविरों को आयोजित करने का उद्देश्य प्रशासन और जनता के बीच दूरी कम कर जनता को उनकी समस्याओं का त्वरित समाधान करना है। स्थानीय प्रशासन प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को लागू करने व आमजन की समस्याओं के समाधान के लिए प्रतिबद्ध है।

राशिफल 5-12-2024 (वीरवार)

मेष
आधा दिन समय अशुभ, व्यावसायिक हानि की आशंका, आत्मिक कष्ट, शिक्षा के क्षेत्र में व्यवधान, वैवाहिक अड़चनें, बढ़ते हुए खर्च से परेशान, क्रोध की अधिकता से हानि।

वृषभ
परिस्थितियों में क्रमिक सुधार, वैवाहिक जीवन सुखमय, मानसिक कष्ट में कमी, उत्तरदायित्व की पूर्ति हेतु प्रयासरत, अपने स्तर को बनाए रखने में अधिक व्यय, दोपहर बाद भागदौड़ रहेगी।

मिथुन
आर्थिक तौर पर ग्रह आपके पक्ष में, किस्मत में तरक्की का योग, समाज सेवा से आपका मान-सम्मान बढ़ेगा, समस्याओं का हल होगा, सुख-सुविधा के साधन उपलब्ध होंगे।

कर्क
शारीरिक-मानसिक कष्ट में कमी, व्यावसायिक क्षेत्र में विस्तार, राजनीतिक कृत्यों की ओर अभिरूचि, शुभ कार्य संपादित, तनाव में कमी का अहसास, धनागम का मार्ग प्रशस्त।

सिंह
मन में शुभ विचारों से शांति की अनुभूति, बौद्धिक क्षमता का विकास, इच्छित पद की प्राप्ति, अड़चनों का समापन, स्थान-परिवर्तन की दिशा में कार्यक्रम, सम्मान-प्रतिष्ठा में बढ़ौतरी।

कन्या
ग्रह स्थिति बेहतर, शिक्षा के क्षेत्र में सफलता, नवीन-उपलब्धि हासिल, विरोधी हानि पहुंचाने में असफल, दर्शनीय स्थलों की यात्रा का प्रसंग, जन कल्याण की ओर रूझान।

तुला
योजना साकार होने की ओर, व्यापार में धन निवेश, सुपरिचितों से सहयोग, दूसरों की सलाह से कामयाबी, हर्ष-उल्लास का वातावरण, आपसी संबंधों में मधुरता का अहसास होगा।

वृश्चिक
भाग्योन्नति के नवीन आयाम, विवादास्पद मसला हल, प्रतियोगिता में महत्वपूर्ण सफलता, पारिवारिक सौहार्द, स्थान परिवर्तन का कार्यक्रम, प्रेम संबंधों में प्रगाढ़ता।

धनु
आरोग्य सुख में वृद्धि, समझदारी से किया गया कार्य हितकर, स्वयं की प्रतिभा का उपयोग, शुभ समाचार की प्राप्ति, नव समाचार मिलने से खुशी, मान-सम्मान परक कृत्य।

मकर
प्रगति में अवरोध, कार्यों में निराशा, आहार विहार की अनियमितता से स्वास्थ्य प्रभावी, कर्ज अदायगी की चिंता, आय की तुलना में व्यय की अधिकता, वैवाहिक अड़चनें।

कुंभ
बुद्धि-चातुर्य से संकल्प-सिद्धि, किसी के माध्यम से बकाए धन की प्राप्ति, मित्रों-परिजनों से सहयोग, प्रेम संबंधों में प्रगाढ़ता, सुख के जरूरी साधन सुलभ, संत समागम का अवसर।

मीन
कुछेक समस्याओं के समाधान, व्यापार में विस्तार, योजना फलीभूत, किसी के माध्यम से पुराने विवाद का समापन, मनोरंजन की ओर प्रवृत्ति, सुपरिचितों से विचार-विमर्श।

सुडोकू

4				1			9	
	2			3	5			
7	1				9	4		
	9					5	7	
1								2
	6	7					1	
		2	5				3	6
			6	8			2	
	7			4				1

सुडोकू- कल का उत्तर

8	1	9	4	2	7	6	3	5
7	4	6	5	3	1	8	9	2
5	2	3	9	6	8	4	7	1
3	5	1	6	8	4	9	2	7
6	7	2	1	5	9	3	4	8
9	8	4	2	7	3	1	5	6
4	9	8	7	1	5	2	6	3
2	3	7	8	4	6	5	1	9
1	6	5	3	9	2	7	8	4

आड़े, खड़े व 3x3 के वर्ग में 1 से 9 तक के अंक इस प्रकार भरें कि किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो। पहेली के एक से अधिक हल हो सकते हैं।

विक्रमी संवत 2081, शके 1946, सूर्य दक्षिणायण, शरद ऋतु, मार्गशीर्ष मास शुक्ल पक्ष की चतुर्थी तत्पश्चात पंचमी, उत्तराषाढ़ा नक्षत्र तत्पश्चात श्रवण नक्षत्र, वृद्धि योग तत्पश्चात ध्रुव योग, चन्द्रमा मकर राशि में विद्यमान।

राहुकालः दोपहर 01:30 से 02:48 बजे तक।

राज्य स्तरीय ऊर्जा संरक्षण पुरस्कार के लिए आवेदन की अंतिम तिथि 6 दिसंबर

ऊर्जा संरक्षण के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले संस्थानों को किया जाएगा पुरस्कृत

करनाल बीटू संधू

करनाल। नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा विभाग, हरियाणा एवं हरेडा द्वारा राज्य स्तरीय ऊर्जा संरक्षण पुरस्कारों के अंतर्गत वर्ष 2023-24 के लिए विभिन्न श्रेणियों के पात्र उपभोक्ताओं से आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। इन पुरस्कारों में 2 लाख रुपये तक की नकद राशि, स्मृति चिह्न तथा प्रमाण पत्र प्रदान किये जाते हैं। आवेदन करने की अंतिम तिथि 6 दिसंबर 2024 है। अतिरिक्त उपायुक्त यश जालुका ने बताया कि हरियाणा राज्य में स्थित औद्योगिक, वाणिज्यिक, राजकीय, संस्थागत, समूह आवासीय भवनों को ऊर्जा संरक्षण के क्षेत्र में श्रेष्ठ उपाय करने, तकनीक अपनाने, ऊर्जा दक्षता हासिल करने के फलस्वरूप राज्य स्तरीय ऊर्जा संरक्षण पुरस्कारों से

अलंकृत किया जाता है। इसके अलावा इनोवेशन/नई प्रौद्योगिकियां/अनुसंधान एवं विकास परियोजनाएं जिनमें नवीन प्रचार परियोजनाएं शामिल हों, ऊर्जा संरक्षण में अनुसंधान और नवाचार, ऊर्जा दक्षता, अपशिष्ट से ऊर्जा और नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र, कुशल प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन में श्रेष्ठ कार्य करने वाली संस्थाएं भी राज्य स्तरीय ऊर्जा संरक्षण पुरस्कार के लिए आवेदन कर सकती हैं। एडीसी द्वारा जिला करनाल में स्थित औद्योगिक, वाणिज्यिक, राजकीय, संस्थागत, समूह आवासीय भवनों के मालिकों, इनोवेशन/नई प्रौद्योगिकियां/अनुसंधान एवं विकास परियोजनाएं जिनमें नवीन प्रचार परियोजनाएं शामिल हों, ऊर्जा संरक्षण में अनुसंधान और नवाचार, ऊर्जा दक्षता, अपशिष्ट से ऊर्जा और नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र तथा कुशल प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन में श्रेष्ठ कार्य करने वाली संस्थाओं से आह्वान किया है कि वे इन पुरस्कारों के लिए अधिक से अधिक आव।

14 दिसम्बर को किया जाएगा नेशनल लोक अदालत का आयोजन

करनाल सुखविंदर सोही

करनाल। मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव इरम हसन ने बताया कि जिला न्यायालय में 14 दिसंबर 2024 को नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा। उन्होंने बताया कि नेशनल लोक अदालत में कोई भी व्यक्ति अदालत में लंबित मुकदमे रखकर उनका फैसला करवा सकता है। इसके अलावा प्री लिटिगेशन स्टेज के मुकदमों के लिए स्थाई लोक अदालत में 13 दिसंबर 2024 को लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा। इसमें प्री लिटिगेशन स्टेज के मुकदमे रखकर

उनका निपटारा किया जा सकता है। उन्होंने बताया कि इस बारे में अधिक जानकारी के लिए हेल्पलाइन नं. 0184-2266138 व नालसा हेल्पलाइन नं. 15100 पर संपर्क कर सकते हैं।

बाजारों व सडकों से अतिक्रमण हटाने को लेकर नगर निगम ने दो दिन की दी मोहलत, बरामदे भी करने होंगे खाली- डॉ. वैशाली शर्मा, निगमायुक्त।

नेहरू पैलेस मार्किट के दुकानदारों को नोटिस किए जारी, सामान बाहर रखने पर अलॉटमेंट हो सकती है रद्द।

करनाल सुखविंदर सोही

करनाल। नगर निगम आयुक्त डॉ. वैशाली शर्मा के निर्देश पर शहर को अतिक्रमण मुक्त करने के लिए नगर निगम ने योजना तैयार कर ली है। इसके तहत बाजारों व सडकों से अतिक्रमण हटाने को लेकर दुकानदारों व रेहड़ी-फड़ी वालों को दो दिन का समय दिया गया है। इसके बाद नगर निगम अपनी कार्रवाई शुरू करेगा। निगमायुक्त ने बताया कि शहर को अतिक्रमण मुक्त करने के लिए नगर निगम प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि बाजार में आने वाले ग्राहकों तथा सडकों से गुजरने वाले वाहनों को अतिक्रमण के कारण असुविधा न हो, इसे लेकर शहर के सभी बाजारों में अभियान चलाया जाएगा। उन्होंने बताया कि दुकानों के आगे रखे सामान को हटाने,

सडक के ऊपर रेहड़ी-फड़ी न लगाने तथा दुकानो के आगे बने बरामदे को खाली करने को लेकर मुनादी करवाई जा रही है। उन्होंने नेहरू पैलेस मार्किट, कर्ण गेट, कुंजपुरा रोड, रेलवे रोड तथा गुड मंडी सहित सभी मार्किट के दुकानदारों को दो दिन की मोहलत देते हुए कहा है कि सभी दुकानदार अपने सामान को दुकान के अंदर रखें। दुकान से बाहर सामान नहीं रखा जाना चाहिए, चाहे दुकान के आगे बरामदा भी हो। उन्होंने स्पष्टद्द किया कि दुकानदार बरामदे को जल्द से जल्द खाली करें। उन्होंने कहा कि दो दिन के बाद नगर निगम द्वारा अभियान चलाकर कार्रवाई की जाएगी। अगर किसी दुकानदार का सामान बाहर रखा पाया जाता है, तो उसका सारा सामान जब्त करने के साथ-साथ उस पर भारी जुमार्ना भी लगाया जाएगा। दुकानों की अलॉटमेंट हो सकती है रद्द- निगमायुक्त ने बताया कि नेहरू पैलेस मार्किट तथा अन्य दु?

बाबा द्रोणगीरी क्रिकेट एकादमी ललौदा के खिलाड़ी बादल का विजय मर्चेंट हरियाणा अंडर 16 आयुवर्ग में चयन

कोच मंदीप सिंह के साथ खिलाड़ी।

- बादल को मिला उसकी मेहनत व लगन का पारितोष: नरेश कुलडिया

टोहाना दिसंबर: बाबा द्रोणगीरी क्रिकेट एकादमी ललौदा के प्रतिभावान खिलाड़ी बादल का विजय मर्चेंट हरियाणा अंडर 16 आयुवर्ग में चयन होने पर टोहाना के गांव ललोदा और पूरे जिला फतेहाबाद में खुशी की लहर दौड़ गई है बादल के कोच मनदीप सिंह ने बताया कि बादल एक बहुत ही गरीब परिवार हो होनकार बच्चा है जो बचपन से ही बाबा द्रोणगीरी मैदान में पूरी लगन के साथ अपनी मेहनत कर रहा जिसका परिनणाम आज हम सब के सामने है, बादल ने खण्ड, जिला एवं प्रदेश स्तर पर जबदस्त खेल का प्रदर्शन कर अपनी योग्यता का परिचय दिया है और जिसके दम पर विजय मर्चेंट हरियाणा क्रिकेट टीम में चयनित हुआ है मनदीप ने बताया कि यह सब उपलब्धि हासिल करने में हमारे जिला के सचिव नरेश कुलडिया का बहुच ही बड़ा सहयोग है क्योंकि उन्होंने न केवल सदा हमेशा मार्ग दर्शन प्रदान किया बल्कि समय-समय पर बादल को वित्तिय सहायता कर एक नेक दिल एवं खेल प्रेमि होने उदाहरण स्थापित किया जिसका हम सदैव ही अनुसरण कर अन्य खिलाडियों को प्रेरित करते रहेंगे। इस अवसर पर बाबा द्रोणगीरी क्रिकेट एकादमी ललौदा के समस्त खिलाड़ी गांव के सरपंच देवीलाल, पूर्व सरपंच बलविंद्र पंच एवं खेल प्रेमियों ने खिलाड़ी बादल को अपना आशीर्वाद दिया तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

विधायक देवेंद्र अत्री के उचाना हलके के दौरे 7 को

उचाना, दिसम्बर : भाजपा विधायक देवेंद्र चतरभुज अत्री विधानसभा चुनाव में मिली उचाना हलके से जीत पर मतदाताओं का आभार प्रकट करने के लिए 7 दिसम्बर से हलके के दौरे की शुरूआत कर रहे है। विधायक प्रतिनिधि एवं शिक्षाविद् रामचंद्र अत्री ने बताया कि शाहपुर गांव से दौरे की शुरूआत के बाद जीवनपुर, नगूरां, हसनपुर, दिल्लुवाला, गोइयां, बिघाना एवं अलेवा गांव के दौरे होंगे। विस चुनाव में उचाना हलके की जनता ने इतिहास बनाने का काम किया है। बड़े परिवारों को वोट की चोट देते हुए साधारण परिवार के युवा को विधानसभा भेजने का काम किया है। विकसित उचाना को लेकर जो-जो वायदे किए है उन वायदों को पूरा करने का काम विधायक देवेंद्र चतरभुज अत्री करेंगे।

रामचंद्र अत्री।

कस्टमर ने नामी कंपनी को लगाया जोर का झटका

धवा टोहाना दिसंबर: लगभग सवा 2 साल पहले टोहाना नवदुर्गा स्टेट निवासी वीरेंद्र कौशल ने अमेजॉन कंपनी से एक एल.इ.डी. कैश ऑन डिलीवरी मंगवाई और कैश ऑन डिलीवरी करियर टोहाना आने के बाद डिलीवरी कोरियर के कोरियर बॉय ने वीरेंद्र कौशल को फोन करके नहर पर आने को कहा कि आप नहर पर आकर अपनी एल.ई.डी. ले जाएं। वीरेंद्र कौशल के एतराज जताने के बाद की एल.ई.डी. लेने के लिए नहर पर नहीं आ सकते आप कृपया घर पर ही एल.ई.डी. देने आए इसके बाद उन्होंने एल.इ.डी. का आर्डर ही कैंसिल कर दिया। इसकी शिकायत वीरेंद्र कौशल ने अमेजॉन कस्टमर केयर में की कि आपका डिलीवरी कोरियर बॉय ने ऐसी बदतमीजी की है और कोरियर भी कैंसिल कर दिया है। तब कस्टमर केयर वालों ने कहा कि आप अमेजॉन पे वॉलेट में पैसे डालकर अपनी एल.ई.डी. दोबारा से आर्डर कर लीजिए। वीरेंद्र कौशल ने बताया कि मैने अपने एस.बी.आई. अकाउंट से 10-10 हजार करके 30000 रुपए की राशि अमेजॉन पर वॉलेट में ट्रांसफर कर दी। परंतु अगले दिन सुबह-सुबह वही कोरियर वाले कंज्यूमर के घर पहुंच गए । कृपया आप यह एल.ई.डी. ले लीजिए और हमें पैसे दे दीजिए तब वीरेंद्र कौशल ने दोबारा अमेजॉन कस्टमर केयर में फोन करके पूछा की सर मुझे क्या करना चाहिए । अमेजॉन कस्टमर केयर की तरफ से उन्हें यह कहा गया कि आप यह एल.ई.डी. लेकर इनको पैसे दे दीजिए और हम आपके अमेजॉन पे वॉलेट वाले 30000 रुपए आपके अकाउंट में रिफंड कर देंगे।

नौसेना में सुनहरे करियर की अपार संभावनाएं, समुद्री सेना का ताकतवर होना बहुत जरूरी : एमडीयू प्रदीप जोशी

- एमडीयू में भारतीय नौसेना दिवस के उपलक्ष्य में विशेष व्याख्यान का आयोजन

रोहतक, दिसंबर : महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय में रक्षा एवं सामरिक अध्ययन विभाग द्वारा भारतीय नौसेना दिवस के उपलक्ष्य में विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस अवसर पर नौसेना के सेवानिवृत्त रियर एडमिरल प्रदीप जोशी ने बतौर मुख्यवक्ता शिरक्त की। न्होंने कहा कि भारतीय नौसेना भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा में महत्वपूर्ण योगदान देती है। यह भारतीय युवाओं को नौसेना में करियर बनाने का अवसर प्रदान करती है। उन्होंने बताया कि भारत सामरिक दृष्टि से समुद्रों से घिरा हुआ है यह हमारी राष्ट्रीय सुरक्षा एवं समुद्री व्यापार को सुरक्षित

एमडीयू में भारतीय नौसेना दिवस के उपलक्ष्य में विशेष व्याख्यान के दौरान उपस्थित मुख्यवक्ता व विद्यार्थी।

रखने का काम करता है। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को नौसेना में भर्ती होने के लिए प्रयास करते रहना चाहिए और नौसेना में भर्ती होकर देश सेवा में अपना योगदान देना चाहिए। उन्होंने भारत-पाक युद्धों के दौरान भारतीय नौसेना की अहम भूमिका के बारे में जानकारी दी । उन्होंने बताया कि एक देश को शक्तिशाली होने के लिए थल सेना, वायु सेना के साथ-साथ हमारी नौसेना का शक्तिशाली होना भी बहुत जरूरी है। मुख्य वक्ता ने चीन की हिंद महासागर में बढ़ती हुई गतिविधियों, नौसेना की शांति एवं युद्ध के समय में भूमिका एवं भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए भविष्य में उत्पन्न चुनौतियों के बारे में भी विस्तार पूर्वक जानकारी दी। इस अवसर पर प्रो. सेवा सिंह दहिया, प्रो. एस पी वत्स, के डी श्योराण, डॉ. प्रताप सिंह, डॉ. प्रोमिला, कर्नल भास्कर गुप्ता, शोधार्थी और विद्यार्थी मौजूद रहे।

जाखल बस स्टैंड परिसर में लगाए पीपल और अन्य पेड़, पौधों को अवैध रूप से काटा

काटे गए पेड़ के साथ शिकायत दिखाते पूर्व मनोनीत पार्षद संजीव सिंगला।

जाखल : शहर के बस स्टैंड परिसर में लगे पीपल व अन्य पेड़ पौधों की अवैध रूप से कटाई करने का मामला सामने आया है। बुधवार को अज्ञात लोगों की तरफ से सार्वजनिक संपत्ति पर लगे पेड़ों पर आरी चलाकर उखाड़ फेंका है। इस पर पर्यावरण प्रेमियों की ओर से आपत्ति जताई गई है। इस संबंध में शहर के पूर्व मनोनीत पार्षद ने इसकी शिकायत राज्य के परिवहन एवं बिजली मंत्री अनिल विज को भेजी है। शिकायतकर्ता पूर्व मनोनीत पार्षद संजीव कुमार ने मंत्री विज को भेजी शिकायत में बताया कि उनके पिता समाजसेवी विजय सिंगला द्वारा बस स्टैंड को हरा भरा रखने के उद्देश्य से लगभग पचास हजार रुपए खर्च कर बस स्टैंड परिसर में खाली पड़ी जगह पर पेड़ पौधे लगाए गए थे। उनका आरोप है कि बस स्टैंड पर कार्यरत कर्मचारियों ने पेड़ पौधों की कोई देखरेख नहीं की गई, जबकि बुधवार को अज्ञात द्वारा यहां पर पीपल के पेड़ को जड़ से उखाड़ दिया। शिकायतकर्ता संजीव कुमार का आरोप है कि जब उन्होंने बस स्टैंड इंचार्ज से बस स्टैंड परिसर में लगें पेड़, पौधों की कटाई बारे में बात की तो उन्होंने उनसे अभद्र भाषा का प्रयोग किया। जिससे उसकी गरिमा को ठेस पहुंची है। इसे लेकर उन्होंने इसकी शिकायत मंत्री अनिल विज को भेजकर मामले की उच्च स्तरीय जांच करा, पेड़ काटने वालों पर कार्यवाही की मांग की है।

मॉडल संस्कृति स्कूल इन्दाछोई ने फिर दिखाया दम

प्रतिभावान बच्चों को सम्मानित करते।

वधवा टोहाना दिसंबर: राजकीय मॉडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय इन्दाछोई के विद्यार्थियों ने शिक्षा विभाग द्वारा आयोजित किए जाने वाले वार्षिक राज्य स्तरीय कल्चरल फैस्ट की स्किट विधा में फतेहाबाद जिले का प्रतिनिधित्व करते हुए पांचवीं से आठवीं तथा नौवीं से बारहवीं दोनों वर्गों में द्वितीय स्थान प्राप्त कर गांव तथा जिले का नाम रोशन किया है। टीम लीडर योगेश शर्मा ने जानकारी देते हुए बताया कि उत्सव के समापन समारोह में माननीय शिक्षा मंत्री महिपाल ढांडा ने विद्यार्थियों को प्रशस्ति पत्र तथा चैक देकर सम्मानित किया। बच्चों की इस उपलब्धि के बारे में जानकारी पाकर विद्यालय प्रधानाचार्य रामकुमार डावर तथा उप प्रधानाचार्य भी पारितोषिक वितरण समारोह में पहुंचे तथा बच्चों और टीम को शाबाशी दी। इस अवसर पर ड्रामा टीचर गुरमेल सिंह तथा सहयोगी तरसेम कुमार ने बच्चों की उपलब्धि पर संतोष व्यक्त करते हुए कहा कि यह एक पड़ाव भर है, मंजिल अभी बाकी है। विद्यालय प्रबंधन समिति की प्रधान सुरेश कुमारी तथा सरोज कुमारी उत्सव के दौरान बच्चों के साथ रहीं। खंड शिक्षा अधिकारी रामरतन ने विजेता विद्यार्थियों, ड्रामा टीचर, समस्त स्टाफ को शाबाशी दी तथ विद्यालय प्रबंधन समिति तथा ग्रामवासियों को बधाई दी। ग्राम पंचायत इन्दाछोई की सरपंच सुनीता कांटिवाल ने भी हर्ष व्यक्त किया तथा विद्यालय प्रबंधन समिति के साथ मिलकर विद्यार्थियों का भव्य स्वागत करने की बात कही।

बहू-बेटे पर चोरी का केस

बंसल रानियां, दिसंबर: गांव खारिया निवासी एक महिला ने अपने बेटे व बहू पर उसके घर का ताला तोड़कर नकदी, आभूषण व सामान चुराने के आरोप में रानियां थाना में शिकायत दी है। पुलिस को दी शिकायत में बिमला देवी ने बताया कि उसके दो बेटे विक्रम व रविंद्र तथा एक बेटी पूनम है। दोनों बेटों ने अपनी जमीन बांटकर ली हुई है। बेटे रविंद्र द्वारा उसे बार-बार मारपीट करने की धमकी व बेटी पूनम के नाम जो जमीन है, उसे अपने नाम करने के लिए दबाव डाला जा रहा है। ऐसा करने से इनकार करने पर बेटे रविंद्र व उसकी पत्नी प्रीति द्वारा उसके परिवार के साथ बुरा व्यवहार किया जा रहा है। बार-बार रिश्तेदारी पंचायत द्वारा समझाने के बावजूद न मानने पर उसने अपने बेटे व पुत्रवधु प्रीति को अपनी तमाम चल व अचल संपत्ति से बेदखल किया हुआ है। अब पिछले दो दिनों से मेरे बेटे रविंद्र वा प्रीति ने मुझे मारपीट करके घर से निकाल दिया था। बीती 2 दिसंबर की रात को रविंद्र व उसकी पत्नी ने घर के ताले तोड़कर संदूक में रखी 9 हजार रुपए की नकदी, सोने की चूड़ियां, सोने की बालियों की जोड़ी, एक गैस सिलैंडर व रसोई से पीतल व स्टील के बर्तन चोरी कर ले गए। बीती 3 दिसंबर की सुबह उसे पड़ोस के लोगों ने इस बारे सूचित किया। सूचना मिलने पर वह अपनी बेटी सहित घर पहुंची और पुलिस को इस बारे सूचित किया। पुलिस ने मौके पर आकर घटनास्थल का जायजा लिया। पुलिस ने शिकायत के आधार पर केस दर्जकर आगामी कार्रवाई शुरू की है।

उचाना के लोगों के लिए नायक बन रहे हैं विधायक देवेंद्र चतरभुज अत्री

पुरानी मंडी में चाए के खोखे पर बैठ समस्या सुनते हुए देवेंद्र चतरभुज अत्री।

उचाना, दिसम्बर : जिस तरह फिल्म नायक में अनिल कुमार जनता के बीच जाकर लोगों की समस्याओं को सुनते है ऐसे ही भाजपा के उचाना विधायक देवेंद्र चतरभुज अत्री उचाना के लोगों के लिए नायक बन रहे है। खुद जनता के बीच जाकर उनकी समस्याओं को सुनने के साथ मौके पर समाधान कर रहे है। लोगों को उनका गले लग कर मिलना, बड़े के पांव छूना भा रहा है। मंगलवार को जिस चाए के खोखे पर चाए विधायक ने पी उसके मालिक अर्जुन ने कहा कि 1977 से उचाना हलका बना है। ऐसा विधायक 47 साल में देखा है जो खुद चाए के खोखे पर अचानक आकर चाए पीता है। चाए के खोखे पर बैठकर लोगों की समस्याओं को सुनता है। ऐसा कभी सपने में भी नहीं सोचा था कि उसके चाए के खोखे पर आकर विधायक अचानक चाए पीएगा।

पूर्व पार्षद विनोद शर्मा ने कहा कि उचाना हलके के लोगों ने इस बार ऐसे युवा को अपना विधायक चुना है जो विधायक बनने के बाद भी आम लोगों की तरह ही लोगों के बीच पहुंच रहा है। अब से पहले जो विधायक बनते थे वो कई-कई महीनों में आते थे। विधायक से मिलने के लिए हजारों रुपए खर्च करके दिल्ली, चंडीगढ़ जाना पड़ता था। जो विधायक अब उचाना को मिला है वो खुद उचाना के लोगों के बीच पहुंच रहा है। चाए के खोखे पर चाए पीता है तो रेहड़ी के बैंच पर बैठकर आम आदमी की तरह चिला खाता है। विधायक की ये सादगी हर किसी को भा रही है। उचाना हलके के मतदाता ऐसे विधायक को अपने बीच पाकर खुश हो रहे है।

सुरेश गर्ग ने कहा कि जिस तरह से उनके पिता स्व. चतरभुज अत्री समाज सेवा में अग्रणी रहने के साथ-साथ जब भी वो उचाना आते थे हर किसी से आम आदमी की तरह ही मिलते थे। आज अपने पिता के नक्शे कदम पर चलते हुए सत्ता पक्ष का विधायक बनने के बाद भी किस तरह का अहंकार देवेंद्र चतरभुज अत्री में नहीं है। वो लोगों के बीच जाकर लोगों की समस्याओं को सुन रहे है। आज वो उचाना हलके के लोगों के दिलों पर अपनी छाप छोड़ रहे है। जो-जो मांगे रखी उनको लेकर तुरंत संबंधित विभाग के अधिकारियों के निर्देश दिए। कपास मंडी में जो लाला प्यारेलाल घोघड़ियां वाले कारखाने के पास का गेट है उसको ठीक करने के निर्देश भी तुरंत की गई मांग पर दिए।

संक्षिप्त समाचार

गेस्ट हाउस के बाहर खड़े ट्रैक्टर को अज्ञात चोरों ने उड़ाया

जालौन-उरई। गेस्ट हाउस के बाहर खड़े ट्रैक्टर को अज्ञात चोर चोरी कर ले गए। पीड़ित वाहन स्वामी ने ट्रैक्टर चोरी की सूचना कोतवाली में दी है। पुलिस सीसीटीवी फुटेज देखकर चोर की तलाश कर रही है। कुठौंद थाना क्षेत्र के ग्राम मरोड़ा निवासी अमरेंद्र सिंह ने पुलिस को बताया कि उरई रोड स्थित एक गेस्ट हाउस में शादी समारोह था। जिसमें वह सामान लेकर अपने ट्रैक्टर से गेस्ट हाउस पहुंचे थे। सोमवार की रात उन्होंने गेस्ट हाउस के बाहर ट्रैक्टर खड़ा कर दिया और ठिलिया से समान उतारवाकर वह गेस्ट हाउस के अंदर रखवाने लगे। सामान रखने के बाद ट्रैक्टर बाहर खड़ा रहा। कुछ देर बाद जब वह वापस लौटे तो ट्रैक्टर गायब था। उन्होंने काफी तलाश की लेकिन ट्रैक्टर का कहीं पता नहीं चला। जब उन्होंने गेस्ट हाउस में लगे सीसीटीवी फुटेज को देखा तो अज्ञात व्यक्ति उनका ट्रैक्टर ले जाते हुए दिखा। पीड़ित वाहन स्वामी ने पुलिस से उसके ट्रैक्टर को बरामद कराए जाने की गुहार लगाई है। वही पुलिस सीसीटीवी फुटेज के आधार पर ट्रैक्टर चोर की तलाश कर रही है।

हमीरपुर शाख एवं कुठौंद शाख का संचालन होगा 7 दिसंबर तक- अधिशासी अभियंता

उरई। अधिशासी अभियंता बेतवा नहर प्रखण्ड प्रथम उरई धर्म घोष ने बताया कि जिलाधिकारी महोदय द्वारा अनुमोदित रबी 1432 फसली वर्ष 2024-25 में नहरों के संचालन के रोस्टर में हमीरपुर शाख एवं कुठौंद शाख का संचालन दिनांक 26.11.2024 से बन्द किया जाना प्रस्तावित था, किन्तु जिलाधिकारी द्वारा दूरभाष पर दिये गये निर्देशो एवं मा0 जनप्रतिनिधियों, विभिन्न कृषक संगठनों एवं कृषकों की मांग पर उक्त नहर प्रणालियों का संचालन दिनांक 07.12.2024 तक बढ़ा दिया गया है। अतः समस्त कृषक बन्धुओं से आग्रह किया जाता है कि दिनांक 07.12.2024 तक सिंचाई कार्य पूर्ण कर लें। दिनांक 08.12.2024 से नहरों के अनुरक्षण के कार्य कराया जाना प्रस्तावित है।

सरकार द्वारा चलाए जा रहे गड्ढा मुक्त अभियान के नाम पर की जा रही खानापूर्ति

जालौन-उरई। प्रदेश में सड़कों को गड्ढा मुक्त बनाने का अभियान चल रहा है। सरकार द्वारा चलाए जा रहे अभियान के नाम पर खानापूर्ति की जा रही है। नगर में बनी सीसी सड़क को गड्ढा मुक्त करने के नाम पर गड्ढों को डामर व गिट्टी से भर कर खानापूर्ति कर दी गई है। यातायात को सुचारू बनाने के लिए सरकार द्वारा बरसात के बाद सड़कों को गड्ढा मुक्त बनाने के लिए अभियान चला रही है। अभियान के तहत सड़कों में बनने गड्ढों को भरने का काम चल रहा है। विभागीय सूचना के अनुसार गड्ढों को सीसी सड़क पर सीसी से और डामरीकरण पर डामर से मरम्मत होनी चाहिए। नियमों की अनदेखी कर लोक निर्माण विभाग प्रथम ने नगर की सीसी सड़क पर डामर व गिट्टी से गड्ढों को भरवा दिया है। जानकर लोग बताते हैं कि सीसी सड़क पर डाली गयी गिट्टी व डामर का मिश्रण बहुत दिनों तक नहीं रूकेगा। इतना ही नहीं अगर पानी पड़ गया तो ये गड्ढे पुनः खुल जायेगें। नगरवासी प्रदीप कुमार, जितेंद्र सिंह, अनिल वर्मा, प्रयूष, शिवम बाथम, सुनील कुमार ने जिलाधिकारी से मांग की है कि नगर की सड़कों की मरम्मत के नाम पर की जा रही खानापूर्ति व सीसी सड़क पर डामर व गिट्टी मिश्रण से भरे गए गड्ढों के साथ चुर्खी रोड की नगर क्षेत्र में स्थित सड़क की गड्ढा मुक्त में हो रही देरी के मामले की जांच कराकर नियमानुसार मरम्मत कराई जाए।

बाल्मीकि बस्ती में साफ-सफाई न होने की पालिकाध्यक्ष से शिकायत की

कोंच। नगर पालिका के वार्ड नं एक गांधीनगर स्थित बाल्मीकि बस्ती में साफ़ सफ़ाई न होने से परेशान लोगों ने पालिकाध्यक्ष और ईओ से शिकायत कर साफ़ सफ़ाई कराये जाने की मांग की है। बाल्मीकि बस्ती में रहने वाले राजवीर, डालचंद्र, गोलू, पंकज, हिमांशु, धीरेंद्र, मंगल सिंह, प्रिंस, गौरव, किशन, बॉबी, प्रेमा, करिश्मा, गुड्डन देवी, शिवा आदि ने पालिकाध्यक्ष और ईओ को शिकायती पत्र देकर बताया कि बस्ती में तैनात पालिका सफ़ाई कर्मी कभी भी साफ़ सफ़ाई करने नहीं आता है जिससे बस्ती में गंदगी पसरी हुई है। जगह-जगह कूड़े के ढेर लग गए हैं और नालियों में कूड़ा कचरा जमा हो गया है। गंदगी से जहाँ दुर्गंध फैल रही है, संक्रामक बीमारियों ने भी पैर पसार लिए हैं। मुहल्ला वासियो ने बस्ती में साफ़ सफ़ाई कराये जाने की मांग की है।

बैंक तथा राजस्व कर्मचारियों के साथ नायब तहसीलदार ने चलाया वसूली अभियान

कालपी -उरई। मंगलवार को सरकारी विभिन्न देयो एवं राजस्व वसूली के लिये नायब तहसीलदार तारा शुक्ला के नेतृत्व में गांव गांव जाकर अभियान चलाया गया। इस दौरान बकायदारों से अपने-अपने बकाया धनराशि को जमा करने की चेतावनी दी। जिला प्रशासन के निर्देश पर आर्यावर्त बैंक के कर्मचारी तहसील कालपी के राजस्व संग्रह अमीन प्रेम कुमार पांडे की संयुक्त टीम के साथ नायब तहसीलदार तारा शुक्ला ने ग्राम इमलिया बुजुर्ग तथा इटौरा में दस्तक दी। नायब तहसीलदार तारा शुक्ला ने विभिन्न सरकारी देयो के बकायादारों की सूची का अवलोकन किया। उन्होंने बकायेदारों से संपर्क स्थापित करके सरकारी बकाया धनराशि को जमा करने के लिए चेतावनी दी। राजस्व तथा बैंक अधिकारियों के गांव में आने से खलबली मच गई। नायब तहसीलदार तारा शुक्ला के मुताबिक आज की वसूली अभियान के दौरान बैंक देय के बकायेदारों से 20 हजार रुपए की रकम बसूल की गई है। संयुक्त टीम के अभियान के दौरान बैंक ऋण के बकायेदारों श्री प्रकाश, लखन एवं सियाराम से संपर्क करके चेतावनी दी गई। नायब तहसीलदार ने बताया कि जिला प्रशासन के निर्देश पर राजस्व वसूली का अभियान निरंतर चलता रहेगा। उन्होंने अपील की है कि अपने-अपने बकाया धनराशि की रकम को स्वेच्छा से जमा करके वकायेदार कार्रवाई से बचें।

वर्चुअली जनसुनवाई कर थानों में आये हुये फरियादियों की शिकायतें सुनी

उरई। पुलिस अधीक्षक डा दुर्गेश कुमार द्वारा क्षेत्राधिकारी व थाना प्रभारीगण के साथ गूगल मीट के माध्यम से वर्चुअली जनसुनवाई कर थानों/कार्यालयों में आये हुये फरियादियों की समस्याओं को सुना गया तथा उनकी समस्याओं के उचित, गुणवत्तापूर्ण व समयबद्ध निस्तारण हेतु संबंधित को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये गये ।

कोंच से फफूंद वाया जालौन रेलवे लाइन के लिये पूर्व राज्य सभा सदस्य ने सांसद को लिखा पत्र

■ जालौन-उरई

कोंच से फफूंद वाया जालौन रेलवे लाइन के लिए पूर्व राज्यसभा सांसद श्रीराम पाल ने क्षेत्रीय सांसद व रेलवे सलाहकार समिति के सदस्य नारायणदास अहिरवार को पत्र लिखा।

पूर्व राज्यसभा सांसद श्रीराम पाल ने क्षेत्रीय सांसद व रेलवे सलाहकार समिति के सदस्य नारायणदास अहिरवार को पत्र भेजकर लिखा कि झांसी कानपुर रेलवे लाइन पर स्थित एट जंक्शन से कोंच तक 14 किमी की दूरी की रेल लाइन दशकों पूर्व की है। यह रेलमार्ग किसी औद्योगिक क्षेत्र से भी नहीं जुड़ा है। न ही किन्हीं अन्य ट्रेन से इसण्का कोई कनेक्शन है। यदि इस रेल लाहन को लगभग 85 किमी की दूरी बड़ाकर जालौन, औरैया होते हुए फफूंद रेलवे स्टेशन से जोड़ दिया जाए तो यहां से दिल्ली तक सीधी सेवा यात्रियों को मिल सकती है। इसके साथ ही जनपद भी विकास के मानचित्र पर आ सकता है। यहां के व्यवसायी सीधे दिल्ली से अपना व्यापार कर सकते हैं। किसानों और युवाओं को भी फायदा पहुंचेगा। क्षेत्र के लोग इसकी मांग लंबे समय से कर रहे हैं। इसमें समाजसेवी देवीदयाल वर्मा का योगदान सराहनीय है वह लगातार इस संबंध में पत्रचार करते रहते हैं। लिखा कि उन्होंने भी राज्यसभा सांसद रहते हुए 17 दिसंबर 2009 को सदन में कोंच से फफूंद तक नई रेल लाइन की स्वीकृति के लिए मांग की थी। जनता व समाजसेवियों की मांग पर नई रेल लाइन के सर्वे के लिए बजट आवंटित किया गया था जितकी सर्वे रिपोर्ट 10 फरवरी 2014 को रेलवे बोर्ड भेजी जा चुकी है। इसके साथ ही इस रेल लाइन पर आने वाले रेलवे स्टेशनों का विवरण भी भेजा गया है। रेल लाइन की स्वीकृति के लिए जालौन नगर के लोगों ने मार्च समेत क्रमिक अनशन व आमरण अनशन भी किया है। इसके बाद भी भारत सरकार व रेल मंत्रालय इस रेल लाइन के निर्माण में कोई रूचि नहीं ले रहा है। उन्होंने अपील करते हुए कहा कि रेलवे सलाहकार समिति के सदस्य के रूप में वह इस मुद्दे को रखें और नगर को रेल लाइन की सौगात दिलाकर इस क्षेत्र के विकास के भागीदार बनें ताकि जनता उन्हें लंबे समय तक याद रखे।

दहेज की मांग पूरी न होने पर ससुरालियों ने विवाहिता को प्रताड़ित कर घर से निकाला

■ जालौन-उरई

अतिरिक्त दहेज में एक लाख रुपये नकद व बाइक की मांग पूरी न होने पर ससुरालियों ने विवाहिता को प्रताड़ित कर घर से निकाल दिया। पीड़िता की तहरीर पर पुलिस ने आरोपी ससुरालियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू की।

कोतवाली क्षेत्र के मोहल्ला शाहगंज निवासी नगमा ने पुलिस बताया कि उनके पिता समी ने ढाई वर्ष पूर्व उसकी शादी उरई निवासी सद्दाम के साथ की थी। शादी के बाद कुछ दिनों तक तो सब ठीक ठाक रहा। इसके बाद ससुरालियों ने अतिरिक्त दहेज के रूप में एक लाख रुपये नकद व बाइक की मांग शुरू कर दी। उसके परिवार के लोग इतने सक्षम नहीं हैं कि शादी के बाद इस बोझ को वह उठा सकें। जब उसने वह बात ससुरालियों को बताई तो उन्होंने प्रताड़ित करना शुरू कर दिया। कई बार नाते रिश्तेदारों के समझाने के बाद भी उनकी समझ में नहीं आया और वह लगातार प्रताड़ित करते रहे। कुछ दिन पूर्व उन्होंने मात्र पहने हुए कपड़ों में उसे घर से निकाल दिया। तबसे वह पिता के यहां रह रही है। पीड़िता की तहरीर पर पुलिस ने आरोपी पति सद्दाम, ससुर समशाद, सास किरन, देवर भूरेव अरबाज निवासी उरई के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान एवं स्वावलम्बन को किया जागरूक

■ उरई

मिशन शक्ति अभियान फेज-5 के अन्तर्गत महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान एवं स्वावलम्बन हेतु जनपद जालौन की महिलाओं/बालिकाओं को पुलिस और सरकार की तरफ से चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं आदि की जानकारी दी जा रही है । महिलाओं/बालिकाओं को नारी सुरक्षा/मिशन शक्ति अभियान के तहत विभिन्न हेल्प लाइन नम्बर वुमेन पावर लाइन 1090, महिला हेल्पलाइन 181, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076, पुलिस आपातकालीन सेवा 112, चाइल्ड हेल्पलाइन 1098, स्वास्थ्य सेवा 102 एम्बुलेंस सेवा 108 व साइबर हेल्पलाइन 1930 तथा थानों के सीयूजी नम्बर आदि के बारे जानकारी देते हुए 24 घण्टे पुलिस सहायता प्रदान किये जाने के सम्बन्ध में अवगत कराया जा रहा है तथा विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों, जरूरी सूचनाओं, कल्याणकारी योजनाओं एवं सुरक्षा संबंधी जानकारियों सहित बुकलेट/पैम्पलेट आदि भी वितरित किये जा रहे हैं ।

एसडीएम ने विधालय तथा गौशाला का निरीक्षण कर निर्देश दिये

■ कालपी-उरई

जिलाधिकारी राजेश कुमार पांडेय के निर्देशन के अनुरूप एसडीम सुशील कुमार सिंह के द्वारा औचक निरीक्षण करके परिषदीय विद्यालयों तथा गौशाला की व्यवस्थाओं का जायजा लिया तथा जिम्मेदारों को आवश्यक निर्देश दिए गये ।

मंगलवार को एसडीएम सुशील कुमार सिंह ने कदौरा विकासखंड के परिषदीय विद्यालय ताहरपुर का औचक निरीक्षण किया तथा छात्रों से संवाद स्थापित करके पढ़ाई की हकीकत को देखा। विधार्थीयो से कई सवाल जवाब किये। एसडीएम ने शिक्षकों को निर्देश दिया के स्कूल में बच्चों की संख्या को बढ़ाया जाये।

इसी तारतम्य में ठंड के मौसम में गायों की हकीकत परखने के लिये उपजिलाधिकारी सुशील कुमार सिंह ने कान्हा गौशाला कदौरा का औचक निरीक्षण। इस दौरान परिसर में सफाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने गौशाला में भूसे का स्टॉक व रखरखाव देखा। परिसर में मौजूद गायों को अभिलेख से मिलान किया। पानी तथा प्रकाश व्यवस्था का भी जायजा लिया। उन्होंने ड्यूटी में मौजूद कर्मियों को निर्देश दिए कि परिसर में सफाई व्यवस्था का विशेष ध्यान रखा जाए। ठंडक के मौसम को देखते हुए गायों के लिये छाया की बेहतरीन इंतजाम किए जायें।उन्होंने कहा कि जल्द ही गौशाला का पुनः निरीक्षण किया जाएगा अगर व्यवस्था में सुधार नही हुआ तो दोषी कर्मियों के खिलाफ कार्यवाही अमल में लाई जाएगी। औचक पहुँचे उपजिलाधिकारी को देखकर ड्यूटी में मौजूद कर्मचारी सकपका गए। एसडीएम ने कहा कि क्षेत्र के गौशालाओं की ठंड के मौसम में निरंतर निरीक्षण किया जाएगा इसलिए व्यवस्था में किसी भी तरीके की उदासीनता ना बढ़ती जाए।

ग्रामीण खेल लीग के अन्तर्गत विकास खण्ड स्तरीय ग्रामीण खेल प्रतियोगिताओं के आयोजन का रोस्टर तय

■ उरई

जिला युवा कल्याण एवं प्रा0वि0द0 अधिकारी ने वित्तीय वर्ष 2024-25 में उत्तर प्रदेश ग्रामीण खेल लीग के अन्तर्गत विकास खण्ड स्तरीय ग्रामीण खेल प्रतियोगिताओ के आयोजन के सम्बंध में जिला विद्यालय निरीक्षक व जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी को बताया कि महानिदेशक युवा कल्याण एवं प्रान्तीय रक्षक दल उ0प्र0 लखनऊ के पत्र दिनांक 24 सितम्बर 2024 एवं जिला कार्यकारी सिमिति की बैठक दिनांक 28.11.2024 के कार्यवृत्त दिनांक 29 नवम्बर 2024 के अनुपालन में युवा कल्याण विभाग द्वारा वित्तीय वर्ष 2024-25 में उत्तर प्रदेश ग्रामीण खेल लीग के अन्तर्गत विकास खण्ड स्तरीय ग्रामीण खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन सब जूनियर, जूनियर एवं सीनियर बालक / बालिका वर्ग की सभी आठ विधाओं-एथलेटिक्स, कुश्ती, कबड्डी, वॉलीबॉल, फुटबॉल, भारोत्तोलन, जूडो, एवं वैडमिंटन का आयोजन खिलाडियों की उपलब्धता के अनुसार निम्नांकित स्थलों पर किया जाना प्रस्तावित है। उन्होंने बताया कि दिनांक 05.12.2024 को विकास खण्ड महेवा के चौ0 शंकर सिंह इण्टर कॉलेज दमरास, दिनांक 06.12.2024 को विकास खण्ड कुठौंद के लहरी बाबा इण्टर कॉलेज खेल मैदान बावली, दिनांक 07.12.2024 को विकास खण्ड रामपुरा के खेल मैदान ग्राम पंचायत मई, दिनांक 07.12.2024 को विकास खण्ड कदौरा के एस0के0डी0 मेमोरियल एकेडमी अकबरपुर इटौरा(कदौरा), दिनांक 09.12.2024 को विकास खण्ड जालौन के सेठ वीरेंद्र कुमार पब्लिक स्कूल जालौन, दिनांक 09.12.2024 को विकास खण्ड डकोर के कुसमिलिया इण्टर कॉलेज डकोर, दिनांक 10.12.2024 को विकास खण्ड कोंच के एस0आर0पी0 इण्टर कॉलेज कोंच, दिनांक 12.12.2024 को विकास खण्ड नदीगांव के राजकीय इण्टर कॉलेज बंगरा, 13.12.2024 को विकास खण्ड माधौगढ़ के बुंदेलखंड कॉलेज माधौगढ़ में किया जाना प्रस्तावित है। उन्होंने बताया कि उक्त ग्रामीण खेल प्रतियोगिताओ में विभिन्न विद्यालयो/कॉलेजो के बालक/बालिकाओ का प्रतिभाग किया जाना प्रस्तावित है, साथ ही प्रतियोगिताओ के सफल आयोजन हेतु खेल प्रशिक्षकों/खेल अनुदेशकों की आवश्यकता होगी।

अतः आपसे अनुरोध है कि उपरोक्तानुसार विकास खण्डों के विद्यालयो/कॉलेजो के प्रधानाचार्यो को खेल प्रशिक्षक/खेल अनुदेशक एवं क्रीड़ास्थल उपलब्ध कराने एवं इच्छुक छात्र/छात्राओ को प्रतियोगिता में सम्मिलित किये जाने हेतु सम्बन्धित को निर्देशित करने का कष्ट करें।

एसडीएम ने ली लेखपालों की बैठक, दिये जरूरी निर्देश

■ कालपी-उरई

मंगलवार को उपजिलाधिकारी सुशील कुमार सिंह अध्यक्षता में लेखपालों तथा राजस्व कर्मचारियों की साप्ताहिक बैठक का आयोजन किया गया। इस दौरान आईजीआरएस प्रार्थना पत्रों तथा राजस्व के मामलों को जल्द निपटाने के लिए जोर दिया गया।

तहसील सभागार में तहसीलदार अभिनव कुमार तिवारी तथा नायब तहसीलदार तारा शुक्ला की मौजूदगी आयोजित बैठक में लेखपालों को निर्देश देते हुए उपजिलाधिकारी ने कहा कि राजस्व के मामलों को प्राथमिकता से निस्तारण किया जाये।आइजीआरएस पोर्टल में दर्ज शिकायतों का तत्परतापूर्वक मौके पर जाकर के गुणवत्तापूर्ण तरीके से निस्तारण नियत तिथि से 3 दिन पहले किया जाए। उन्होंने कहा कि इसमें किसी भी प्रकार की शिथिलता को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने किसानों की फार्मर आईडी बनाने के काम को पूरा करने के लिये कहा उन्होंने अवगत कराया कि गांवों में सरकारी भूमि में अतिक्रमण पर कार्यवाही करना सुनिश्चित किया जाये। उपजिलाधिकारी ने निर्देश दिये कि कुरा बंटवारे की जो पत्रावलियां लम्बित है उनमें रिपोर्ट तैयार कर नियत तिथि से पहले न्यायालय में प्रस्तुत करें।

उन्होंने कहा कि भारत निर्वाचन आयोग के मार्ग निर्देशन के मुताबिक निर्वाचक नामावली पुनरीक्षण कार्यक्रम को निष्पक्षता तथा ईमानदारी से निपटाया जाए। बैठक में तहसीलदार अभिनव कुमार तिवारी,नायाब तहसीलदार तारा शुक्ला, राजस्व निरीक्षक प्रमोद दुबे,अनूप तिवारी, सुरेश कुमार, सदर लेखपाल जितेंद्र कुमार, जयवीर सिंह, अमित कुशवाहा राघवेन्द्र निरंजन, एसके महान, शिव मंगल पाठक, सलीम खान, अशोक पांडेय, सैयद टीपू हाशमी के अलावा राजस्व कर्मचारी प्रमुख रूप से मौजूद रहे।

प्राचीन पातालेश्वर मंदिर क्षेत्र में 93 लाख रुपए के बजट से होगा पर्यटन का विकास

■ कालपी-उरई

ऐतिहासिक नगरी कालपी के प्राचीन धरोहरों को सुंदरीकरण एवं विस्तारित करने का सिलसिला क्षेत्रीय विधायक की पहल पर प्रदेश सरकार की नीतियों के तहत शुरू हो गया है। यमुना नदी के किनारे कालपी के प्राचीन पातालेश्वर मंदिर में पर्यटन विकास के लिए शासन के द्वारा 93 लाख रुपए की बजट की धनराशि मंजूर कर दी गई है तथा प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति के उपरांत 46 लाख रुपए की धनराशि कार्यदाई संस्था को अवमुक्त कर दी गई है। अगर सब कुछ ठीक-ठाक रहा तो अगले महीने से कायदाई संस्था उत्तर प्रदेश राज्य पर्यटन विकास विभाग लिमिटेड झांसी के द्वारा निर्माण कार्य शुरू कर दिया जाएगा।

उक्त आश्य से जानकारी देते हुए क्षेत्रीय विधायक विनोद चतुर्वेदी ने बताया कि कालपी नगर में पर्यटन की तमाम संभावनाएं हैं, इसी को दृष्टिगत रखते हुए कालपी के धर्मस्थलों एवं प्राचीन इमारतों के विस्तारीकरण एवं सुंदरीकरण कराने के लिए शासन को प्रस्ताव भेजे गए हैं। प्रदेश सरकार ने प्रस्ताव को गंभीरता से लेकर मंजूरी दी है। विधायक विनोद चतुर्वेदी ने शासन के सचिव सर्वेश कुमार सिंह द्वारा उत्तर प्रदेश पर्यटन विभाग के महानिदेशक को पत्रांक संख्या 292 दिनांक 2-12-24 में अवगत कराया है कि उत्तर प्रदेश राज्य पर्यटन विभाग निगम लिमिटेड द्वारा 114-22 लाख की अनुमानित लागत प्रस्तुत की गई थी। इसी परिप्रेक्ष्य में उत्तर प्रदेश राज्य पर्यटन विकास निगम लिमिटेड को कायदाई संस्था नामित करते हुए 92 लाख 83 हजार रूपये की स्वीकृति प्रदान कर दी गई है तथा 46 लाख रुपए की धनराशि को स्वीकृत कर अवमुक्त करने की कार्रवाई भी की गई है। विधायक विनोद चतुर्वेदी ने बताया कि क्षेत्रीय पर्यटन अधिकारी झांसी के द्वारा प्रशासकीय एवं वित्तीय व्यवस्थाओं का संचालन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इसके ऐतिहासिक नगरी कालपी के अन्य प्राचीन के समीप क्षेत्रों के पर्यटन के तौर पर विकासित कराया जाएगा।

किसान सम्मान निधि पा रहे किसानों को अब करानी होगा फार्मर रजिस्ट्री- एसडीएम

■ कोंच

किसान सम्मान निधि का लाभ ले रहे किसान फार्मर रजिस्ट्री करा लें तभी उन्हें इसका लाभ मिल सकेगा।उपजिलाधिकारी ज्योति सिंह ने बताया है कि फार्मर रजिस्ट्री के बाद किसानों को कृषि व राजस्व विभाग द्वारा आयोजित किए जाने वाले शिविरों में पहुंचना होगा जहाँ पर लेखपाल एप के माध्यम से उनकी जमीन का पूरा ब्योरा अपलोड कर सत्यापित करेगे। फार्मर रजिस्ट्री के माध्यम से किसान के पास जिस किसी भी जनपद में जमीन होगी उसका डिजिटल ब्योरा अपलोड हो जाएगा। जिन किसानों की फार्मर रजिस्ट्री नहीं होगी उनको किसान सम्मान निधि योजना का

लाभ नहीं मिल सकेगा। एसडीएम ने कहा कि संबंधित किसान बेब पोर्टल http://upfr.Agristack.gov.in और मोबाइल एप farmer ragistry up पर आधार लिंक मोबाइल नंबर से अपनी फार्मर रजिस्ट्री करा सकते हैं। उन्होंने कहा कि इस योजना का लाभ सुगमता से लेने के लिए फार्मर रजिस्ट्री कराना किसानों के लिए आवश्यक है इसलिए किसान लापरवाही न करें। वहीं एसडीएम ने बताया कि क्षेत्र के खाद बिक्री केंद्रों पर योजना के कॉर्डिनेटर लेखपालों के साथ उपस्थित रहकर किसानों की फार्मर रजिस्ट्री करेंगे इसलिए किसान अपने साथ आधार कार्ड और खतौनी साथ लेकर आयें।

आदित्य मधुकर रहे टॉपर, पश्चिम चंपारण को दिलाया पहला स्थान

बिहार स्तरीय युवा महोत्सव में।

(वर्ल्ड न्यूज फीचर नेटवर्क)

बेतिया। बिहार के लखीसराय जिले में आयोजित राज्य स्तरीय युवा महोत्सव में नगर के भोला बाबा कॉलोनी कमलनाथ नगर निवासी मधुकर मिश्र के पुत्र आदित्य कुमार उर्फ आदित्य मधुकर ने एकल विधा वक्तृता सह भाषण प्रतियोगिता में पूरे बिहार में प्रथम स्थान प्राप्त किया है. यह आगामी राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित युवा महोत्सव में बिहार का प्रतिनिधित्व करेंगे। राज्य स्तरीय युवा महोत्सव के टीम लीडर शिक्षक सत्यम मिश्रा व अनिल कुमार शर्मा ने बताया कि आदित्य मधुकर 2020 से लगातार जिला स्तर के युवा उत्सव में विजई होते रहे हैं. किंतु 2020 और 21 का जिला उत्सव कोरोना के कारण राज्य स्तर पर आयोजित नहीं हो सका. हालांकि 2022 के राज्य स्तरीय युवा उत्सव मुजफ्फरपुर में बिहार में दूसरा स्थान प्राप्त कर इन्होंने जिले का नाम रोशन किया था. इधर एक बार पुनः बिहार में जिले को प्रथम स्थान दिलाया है. वैसे आदित्य नेहरू युवा केंद्र की ओर से महाराष्ट्र के नासिक में आयोजित 27 में राष्ट्रीय युवा उत्सव में बिहार का प्रतिनिधित्व किया था और एक बार पुनः इनको राष्ट्रीय युवा उत्सव में बिहार के प्रतिनिधित्व करने का अवसर मिला है. जिला पदाधिकारी दिनेश कुमार राय कला संस्कृति पदाधिकारी राकेश कुमार समेत लखीसराय महोत्सव के टीम में शामिल सभी प्रतिभागियों ने इनको शुभकामना देते हुए राष्ट्रीय उत्सव में बिहार को स्थान दिलाने के लिए प्रेरित किया है।

डोनाल्ड ट्रंप से कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने मुलाकात की

'अगर दिक्कत है तो कनाडा को अमेरिका में मिला दो' डोनाल्ड ट्रंप ने जस्टिन ट्रूडो को दिया खुला ऑफर

- जस्टिन ट्रूडो बोले- बर्बाद हो जाएगी कनाडा की अर्थव्यवस्था
- ट्रंप ने कहा- सीमा मामला सुलझाएं, नहीं तो टैरिफ लगाएंगे।
- ट्रंप ने ट्रूडो को दी 51वें राज्य का गवर्नर बनने की सलाह।

एजेंसी, वॉशिंगटन

अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो से मुलाकात की। मगर इस दौरान ट्रंप ने ट्रूडो को ऐसा ऑफर दे दिया, जिसकी दुनियाभर में चर्चा हो रही है। डोनाल्ड ट्रंप ने ट्रूडो से कहा कि अगर 25 फीसदी टैरिफ से कनाडा की अर्थव्यवस्था को खतरा है तो कनाडा को अमेरिका का 51वां राज्य बना दीजिए। भले ही डोनाल्ड ट्रंप ने यह बात मजाक में कही। मगर अमेरिका के अगले राष्ट्रपति के मुंह से निकली इस बात के अपने मायने हैं। सोशल मीडिया पर भी लोग इसे मजाक के रूप में नहीं ले रहे हैं। हाल ही में कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने डोनाल्ड ट्रंप से मार-ए-लागो में मिले। यह मुलाकात ट्रंप के कनाडा पर भारी टैरिफ लगाने की धमकी के बाद हुई। फॉक्स न्यूज के मुताबिक डोनाल्ड ट्रंप के साथ डिनर पर जस्टिन ट्रूडो ने कहा कि 25 फीसदी टैरिफ का प्रस्ताव कनाडा की अर्थव्यवस्था को बर्बाद कर देगा।

कनाडा की अर्थव्यवस्था तबाह हो जाएगी

फॉक्स न्यूज के मुताबिक बातचीत के दौरान ट्रूडो ने ट्रंप से कहा कि वे टैरिफ नहीं लगा सकते हैं, क्योंकि इससे कनाडा की अर्थव्यवस्था पूरी तरह से खत्म हो जाएगी। इसके जवाब में ट्रंप ने कहा कि आपका देश तब तक जीवित नहीं रह सकता जब तक कि वह अमेरिका को 100 बिलियन डॉलर का चूना न लगा दे?

जस्टिन ट्रूडो को ट्रंप ने दोबारा चेताया

डोनाल्ड ट्रंप ने जस्टिन ट्रूडो से कहा कि कनाडा ने 70 से अधिक देशों के अवैध अप्रवासियों समेत बड़ी मात्रा में ड्रग्स और लोगों को सीमा पार करने की अनुमति देकर अमेरिकी सीमा को विफल कर दिया है। इसके बाद व्यापार घाटे पर बात हुई तो ट्रंप ने कहा कि कनाडा के साथ अमेरिका का व्यापार घाटा 100 बिलियन डॉलर से अधिक है। उन्होंने कहा कि अगर कनाडा सीमा मुद्दों और व्यापार घाटे को ठीक नहीं करता है तो वह पद ग्रहण करने के पहले दिन से ही सभी कनाडाई वस्तुओं पर 25 फीसदी टैरिफ लगा देंगे।

ट्रंप बोले- आप गवर्नर बन सकते है

इसके बाद ट्रंप ने ट्रूडो को सुझाव दिया कि कनाडा को अमेरिका का 51वां राज्य बन जाना चाहिए। ट्रंप की यह बात सुनकर जस्टिन ट्रूडो और अन्य लोग घबरा गए। हालांकि बाद में हंसने लगे।

संक्षिप्त समाचार

हर रेल यात्री को मिलती है 46 प्रतिशत की सब्सिडी

नई दिल्ली। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बुधवार को कहा कि देश में हर रेल यात्री को यात्रा टिकट पर 46 प्रतिशत की सब्सिडी दी जाती है। उन्होंने लोकसभा में प्रश्नकाल के दौरान पूरक प्रश्नों का उत्तर देते हुए यह भी कहा कि रेल मंत्रालय यात्रियों के लिए सब्सिडी पर हर साल 56,993 करोड़ रुपये की राशि खर्च करता है। बुजुर्गों और मान्यताप्राप्त पत्रकारों को पहले मिलने वाली सब्सिडी की बहाली की संभावना के बारे में पूछे जाने पर वैष्णव ने कहा, ''भारत सरकार की ओर से यात्रियों को कुल सब्सिडी 56,993 करोड़ रुपये की दी जाती है। हर 100 रुपये की यात्रा सेवा की कीमत 54 रुपये ली जाती है।

इजराइल का दावा- हमास के तीन सदस्य ढेर

यरुशलम। हमास और इस्राइल एक साल से अधिक समय जंग लड़ रहे हैं। इस्राइल द्वारा हमास को खत्म करने का संकल्प गाजा पट्टी के लोगों पर भारी पड़ रहा। यह शहर मलबों के ढेर में तब्दील हो गया है। वहीं, हमास भी अपनी हरकतों से बाज नहीं आ रहा। इस बीच, इस्राइली सेना ने मंगलवार को बताया कि उसने हमास के तीन सदस्यों को मार गिराया है। बता दें, यह जानकारी फलस्तीनी स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा दो लोगों के मारे जाने की सूचना के बाद सामने आई है। इस्राइली सेना ने कहा, 'कब्जे वाले वेस्ट बैंक शहर तुबास के पास हमारी वायुसेना ने वाहनों पर हमला किया।

दो कारों में टक्कर के बाद लगी आग,1 की मौत

नई दिल्ली। दक्षिण-पश्चिम दिल्ली के द्वारका में एक एसयूवी (स्पोर्ट्स यूटिलिटी व्हीकल) से टक्कर के बाद कार में आग लग गई जिससे कार सवार व्यक्ति की जलकर मौत हो गई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि टक्कर के बाद एसयूवी में भी आग लग गई लेकिन उसमें सवार यात्री समय रहते बाहर निकलने में सफल रहा। दिल्ली अग्निशमन सेवा (डीएफएस) के एक अधिकारी ने बताया कि आग लगने की सूचना रात 12 बजकर 20 मिनट पर मिली और दमकल के दो वाहनों को मौके पर भेजा गया।

चला योगी सरकार का बुलडोजर

अवैध रूप से दुकान व मकान को भी ढहा दिया

एजेंसी, चंदौसी

जिलाधिकारी के आदेश पर फिर से कई दिनों से बंद अतिक्रमण हटाओ अभियान शुरु हो गया और बुधवार को नगर के संभल गेट पर लंबे इंतजार के बाद नगर पालिका का बुलडोजर गरजा। जहां पर नाले के ऊपर बने कॉलेज के गेट के साथ दुकानें व अवैध रूप से बने स्लैब, बोर्ड आदि पर किया गया अतिक्रमण हटवाया गया। बुलडोजर को गरजता देखकर खुद ही दुकानदार व लोग स्लैब आदि को तोड़ने लगे। नगर पालिका कर्मचारियों ने दोबारा कब्जा करने पर कार्रवाई की चेतावनी दी गई। शहर में डिप्टी कलेक्टर विनय कुमार मिश्रा के नेतृत्व में अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया गया। जिस पर जिलाधिकारी पूरी तरह से नजर बनाए हुए थे। शहर में डिप्टी कलक्टर विनय कुमार मिश्रा ने नगर पालिका व पुलिस और पीएससी के जवानों के साथ दुकानदारों और फुटपाथ किनारे अवैध अतिक्रमण व अवैध रूप से नगर पालिका की जमीन व नालों के ऊपर बनी दुकानों के साथ मकान आदि का बुलडोजर की मदद से हटाया गया। इसके साथ अवैध रूप से बनी काफी दुकान व मकान को भी ढह दिया गया। हालांकि कार्रवाई के दौरान कई जगह विरोध भी हुआ, लेकिन डिप्टी कलक्टर की सख्ती और भारी जुर्माने के डर से कोई भी विरोध में नीं आ सका और लगातार बुलडोजर चलता रहा। बुलडोजर के न थमने पर अधिकांश दुकानदार खुद ही अपने अतिक्रमण को हटाने लग गए हैं।

स्कूलों और अस्पतालों में नागरिकों पर हमले करने का आरोप लगाया

सीरिया को लेकर अमेरिका और रूस में खूब हुई जुबानी जंग

- अमेरिका और रूस के राजदूत आपस में भिड़ गए और दोनों देशों ने एक दूसरे पर आरोप लगाए
- अमेरिका के उप-राजदूत रॉबर्ट वुड ने सीरिया में युद्ध को रोकने और नागरिकों की सुरक्षा का आह्वान किया

एजेंसी, सीरिया

सीरिया में फिर से गृह युद्ध की वापसी की आशंका पर चर्चा के लिए संयुक्त राष्ट्र की सुरक्षा परिषद की अहम बैठक बुलाई गई। इस बैठक के दौरान अमेरिका और रूस के राजदूत आपस में भिड़ गए और दोनों देशों ने एक दूसरे पर आरोप लगाए। गौरतलब है कि पिछले हफ्ते सीरिया के आतंकी संगठन हयात तहरीर अल शाम ने हमला कर सीरिया के प्रमुख शहर अलेप्पो पर कब्जा कर लिया है। इस आतंकी संगठन को नुसरा फ्रंट के नाम से भी जाना जाता है और इसे संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने प्रतिबंधित किया हुआ है। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की बैठक के दौरान अमेरिका के उप-राजदूत रॉबर्ट वुड ने सीरिया में युद्ध को रोकने और नागरिकों की सुरक्षा का आह्वान किया। वुड ने कहा कि हयात तहरीर अल शाम सुरक्षा परिषद में एक आतंकी संगठन के रूप में प्रतिबंधित है, लेकिन इससे सीरिया की बशीर अल असद सरकार और उसकी रूसी समर्थकों द्वारा किए जा रहे अत्याचारों को सही नहीं ठहराया जा सकता। अमेरिका ने बशर अल असद की सेना पर स्कूलों और अस्पतालों में नागरिकों पर हमले करने का आरोप लगाया। अमेरिकी राजदूत के इस बयान पर रूस के संयुक्त राष्ट्र राजदूत वेसिली नेबेंजिया ने कहा 'आप सीरियाई शहरों में नागरिकों के खिलाफ किए गए एक आतंकवादी हमले की निंदा करने का साहस नहीं जुटा पा रहे हैं। इस बात को लेकर कोई भ्रम नहीं है कि वाशिंगटन कभी भी ईमानदारी से अंतर्राष्ट्रीय आतंकवाद का मुकाबला करने के लिए कभी भी तैयार होगा।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी चंडीगढ़ में नए आपराधिक कानूनों के कार्यान्वयन को प्रदर्शित करने वाली एक प्रदर्शनी का निरीक्षण करते हुए।

नौ सेना दिवस पर की सराहना

नौसेना की प्रतिबद्धता राष्ट्र की सुरक्षा, समृद्धि सुनिश्चित करती है: मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को नौसेना दिवस पर भारतीय नौसेना की सराहना की और कहा कि उसकी प्रतिबद्धता राष्ट्र की सुरक्षा, संरक्षा और समृद्धि सुनिश्चित करती है। वर्ष 1971 के भारत-पाकिस्तान युद्ध के दौरान 'ऑपरेशन ट्राइडेंट' में नौसेना की उपलब्धियों की याद में नौसेना दिवस मनाया जाता है। इस दिन को मनाने का उद्देश्य भारतीय नौसेना के अद्वितीय साहस, कार्यकुशलता और देश की रक्षा में उसके योगदान को याद करना है। प्रधानमंत्री ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''नौसेना दिवस पर हम भारतीय नौसेना के बहादुर कर्मियों को सलाम करते हैं जो अतुलनीय साहस और समर्पण के साथ हमारे समुद्र की रक्षा करते हैं। उनकी प्रतिबद्धता हमारे राष्ट्र की सुरक्षा, संरक्षा और समृद्धि सुनिश्चित करती है। हमें भारत के समृद्ध समुद्री इतिहास पर भी बहुत गर्व है।

360 अरब रुपये कीमत आंकी गई

ड्रग्स के साथ 6 म्यांमारी नागरिकों को पकड़ा गया

एजेंसी, नई दिल्ली

भारतीय जल क्षेत्र में अब तक की सबसे बड़ी ड्रग्स खेप पकड़ने के बाद अंडमान पुलिस ने जांच में पाया कि एलन मस्क की कंपनी स्टारलिंक के उपकरण की मदद से तस्करों ने भारतीय जल में प्रवेश किया था। पुलिस अब स्टारलिंक से पूरा विवरण मांगने की तैयारी में है, ताकि ड्रग तस्करों का पता लगाया जा सके। पिछले हफ्ते अंडमान निकोबार में पुलिस ने 360 अरब रुपये की ड्रग्स के साथ छह म्यांमारी नागरिकों को पकड़ा था। अंडमान द्वीप समूह के शीर्ष पुलिस अधिकारी हरगोबिंदर एस. धालीवाल ने बताया कि ड्रग्स तस्करों में भारतीय जलक्षेत्र में प्रवेश के लिए स्टारलिंक के उपकरण का इस्तेमाल किया। भारत में लॉन्च करने की योजना बना रही स्टारलिंक दावा करती है कि वह अंतरराष्ट्रीय जल में कवरेज प्रदान करती है और क्षेत्रीय जल में उसका कवरेज सरकारी मंजूरी पर निर्भर है। हालांकि, धालीवाल ने कहा, यह मामला अलग है क्योंकि इस बार सभी कानूनी चैनलों को दरकिनार किया गया। उन्होंने सीधे सैटेलाइट के साथ (फोन) संचालित किया, जिससे वाई-फाई हॉटस्पॉट बना। वह स्टारलिंक से किसने और कब डिवाइस खरीदा और इसके उपयोग के इतिहास जैसे विवरण मांगेंगे। तस्करों ने स्टारलिंक मिनी डिवाइस का इस्तेमाल किया है। कंपनी की वेबसाइट के मुताबिक, यह एक कॉम्पैक्ट, पोर्टेबल किट है जो आसानी से एक बैकपैक में फिट हो सकती है। केंद्र सरकार ने लंबे समय से भारत में लॉन्च की फिराक में जुटी स्टारलिंक के सामने शर्त रखी है कि उसकी डील पर मुहर तभी लगेगी जब वह भारतीय कानून का पालन करने का वादा करे। ऐसे में इस मामले की जांच से स्टारलिंक की कवायद को झटका लग सकता है।

मोदी संसद में उतारेंगे राहुल की आरती

राहुल गांधी को गलतफहमी हो गई थी कि वह सारे विपक्ष के नेता हैं, लेकिन साथी दलों ने उन्हें समूचे विपक्ष का नेता मानने से इनकार कर दिया है।

अजय सेतिया की कलम से

राजनीति इतनी आसान भी नहीं होती, जितनी राहुल गांधी समझते हैं। लोकसभा की नियानवें सीटें जीत कर बहुत इतरा रहे थे। वह समझ रहे थे कि मोदी की 63 सीटें घट गईं, और उनकी 46 सीटें बढ़ गई तो इसका मतलब है कि वह जीते हैं और मोदी हार गए हैं। नई लोकसभा के पहले सत्र में वह घमंड के घोड़े पर सवार थे। उन्होंने ऐलान कर दिया कि अगले पांच साल मोदी लोकसभा में उनसे आंख में आंख मिला कर बात नहीं कर सकेंगे। यह समझने में उन्हें पांच महीने लगे कि 240 सीटें नियानवें से ज्यादा होती हैं। दूसरे ही सत्र में राहुल गांधी का मुंह उतरा हुआ है। उनकी चारों तरफ से किरकिरी हो रही है। संसद के भीतर जहां एक तरफ भाजपा राहुल गांधी को घेर रही है तो दूसरी तरफ अखिलेश यादव और ममता बनर्जी ने भी राहुल गांधी के नेतृत्व को ठोकर मार दी है। राहुल गांधी को गलतफहमी हो गई थी कि वह सारे विपक्ष के नेता हैं, लेकिन ममता बनर्जी, अखिलेश यादव और अरविंद केजरीवाल ने उन्हें समूचे विपक्ष का नेता मानने से इनकार कर दिया है। राहुल गांधी और अखिलेश यादव में होड़ रही कि संसद में अडाणी का मुद्दा पहले उठाया जाए या संभल का। संभल के मुद्दे पर राहुल और अखिलेश अलग राजनीति कर रहे हैं। क्योंकि, मुद्दा मुसलमानों का है, इसलिए दोनों में एक-दूसरे से आगे निकलने की होड़ है। मंगलवार को इंडी गठबंधन ने संसद भवन के भीतर प्रदर्शन किया था। तो तृणमूल कांग्रेस अडाणी के मुद्दे पर मतभेद के चलते प्रदर्शन में शामिल नहीं हुई। जबकि समाजवादी पार्टी अडाणी और संभल मुद्दे पर मतभेदों के चलते प्रदर्शन में शामिल नहीं हुई। ममता, अखिलेश और केजरीवाल के बाद शरद पवार और उद्धव ठाकरे भी छोड़ने की तैयारी कर रहे हैं। इन दोनों को एहसास हो गया है कि महाराष्ट्र में राहुल गांधी ने उनका बेड़ा गर्क किया। वीर सावरकर को लेकर राहुल गांधी की बकवास के चलते हिन्दुओं ने उन दोनों को भी ठुकरा दिया। महाराष्ट्र में करारी हार के बाद भी राहुल गांधी की वीर सावरकर पर टिप्पणियां जारी हैं। वीर सावरकर के परिवार ने उन पर मानहानि का मुकद्दमा किया हुआ है। सोमवार को राहुल गांधी को पुणे की अदालत में पेश होना था। तीन बार से वह कोई ना कोई बहाना लगा कर हाजिर नहीं हुए थे। इस बार भी संसद सत्र का बहाना लगा कर हाजिर नहीं हुए। अब राहुल गांधी ने खुद 10 जनवरी की तारीख ली है। इसलिए उनके वारंट जारी नहीं हुए, लेकिन जज ने गांधी के वकील से कहा है कि वह अपने मुवक्किल से कहें कि वह सावरकर टिप्पणी न करें। अखिलेश यादव और ममता बनर्जी ने अडाणी पर राहुल गांधी की बेतुकी टिप्पणियों के कारण इंडी गठबंधन के किनारा करना शुरू किया है। शरद पवार और उद्धव ठाकरे को भी उनका बात-बात पर अडाणी के खिलाफ बोलना पसंद नहीं है। जबकि, सच्चाई यह है कि अडाणी के उभरने की शुरुआत कांग्रेस के जमाने में हुई थी। राहुल गांधी जो मुंद्रा पोर्ट, मुंद्रा पोर्ट करते रहते हैं, वह गुजरात के उस समय के कांग्रेसी मुख्यमंत्री चिमन भाई पटेल ने ही अडाणी को दिया था। वह भी सिर्फ 10 रुपए स्क्वॉयर फीट की दर से, तब वह कांग्रेस का चहेता था, बल्कि अडाणी और अंबानी दोनों ही इंदिरा गांधी और राजीव गांधी के चहेते थे। गांधी परिवार ने अपनी मौज मस्ती के लिए दोनों उद्योगपतियों के जहाजों और हवाई जहाजों का खूब इस्तेमाल किया। पांचवें अरविंद केजरीवाल भी राहुल गांधी का साथ छोड़ रहे हैं। लेकिन, उनकी अडाणी तक पहुंचने की औकात ही नहीं है। वह तो खुद को राहुल से बड़ा मानते हैं, इसलिए वह राहुल गांधी के साथ चलने को तैयार नहीं। उन्होंने दिल्ली में राहुल गांधी के खिलाफ अलग मोर्चा खोल दिया है। वह इस बार भाजपा से ज्यादा राहुल गांधी से लड़ रहे हैं। उधर, संसद के भीतर भाजपा के सांसद राहुल गांधी की जमकर किरकिरी कर रहे हैं। भाजपा सांसद निशिकांत दूबे ने 'कोल एंड शकधर' की किताब का हवाला देकर कहा कि विपक्ष के नेता को संसद के भीतर और संसद के बाहर सरकार की आलोचना करने का पूरा हक है, लेकिन जब वह विदेश में हो तो उसे दलगत राजनीति से दूर रहना चाहिए। कोल एंड शकधर संसदीय परंपराओं की प्रामाणिक किताब है। राहुल गांधी अपना सा मुंह बनाकर रह गए। लेकिन, इसका मतलब यह नहीं है कि वह अपनी आदतों से बाज आ जाएंगे। असल में राहुल गांधी अब तक के सबसे कमजोर विपक्ष के नेता साबित होंगे, क्योंकि संसदीय परंपराओं और नियमों से उन्हें कोई वास्ता नहीं हैं। उन्हें पढ़ने-लिखने से भी कोई मतलब नहीं है, जबकि विपक्ष के नेता को बहुत तैयारी करनी पड़ती है। विपक्ष का नेता जिम्मेदारी का पद है, जबकि उन्होंने तो पहले ही सत्र में सांसदों को वेल में आने के लिए उकसा कर संसदीय परंपरा तोड़ दी थी। राहुल के नेतृत्व में विपक्ष ने संविधान पर दो दिन की बहस करवा कर अपने पैरों पर कुल्हाड़ी मार ली है, अब नरेंद्र मोदी 14 दिसंबर को लोकसभा में और 17 दिसंबर को राज्यसभा में गांधी परिवार की अच्छी तरह आरती उतारेंगे।

हिंसा के बीच मणिपुर सरकार ने लिया बस सेवा शुरू करने का फैसला

19 महीने में दूसरी बार कोशिश, 9 जिलों में कल तक इंटरनेट बंद

सरकार ने लोगों से सहयोग देने की अपील की

एजेंसी, इंफाल

मणिपुर में हिंसा में कमी के बीच सरकार ने अंतर्जनपदीय बस सेवा शुरू करने का फैसला किया है। यह बस सेवा बुधवार को राजधानी इंफाल से पहाड़ी जिलों तक शुरू होगी। पिछले 19 महीने में हिंसा के बीच यह सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था को बहाल करने का दूसरा प्रयास है। पुलिस व्यवस्था के साथ यह बस सेवा शुरू की जाएगी। सरकार ने लोगों से सहयोग देने की अपील की। मणिपुर के मुख्य सचिव विनीत जोशी ने एक आदेश में कहा कि राज्य सरकार ने सुरक्षा बलों की उपलब्धता, प्रतिक्रिया प्रणाली और विभिन्न एजेंसियों से इनपुट के साथ राज्य में कानून-व्यवस्था की स्थिति की समीक्षा की। पर्याप्त सुरक्षा तैनाती के साथ सार्वजनिक परिवहन को बहाल करने का फैसला किया गया है।

सरकार ने उपद्रवियों को दी चेतावनी

बुधवार से इंफाल से सेनापति तक और बिष्णुपुर के रास्ते कांगपोकपी और इंफाल से चुराचांदपुर तक बस सेवा शुरू की जाएगी। बता दें कि इंफाल घाटी में मेइती, कंगपोकपी और चुराचांदपुर में कुकी व सेनापति में नागा बहुल आबादी है। सरकार ने सार्वजनिक परिवहन में बाधा डालने वाले उपद्रवियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की बात भी कही है। बता दें कि पिछले साल दिसंबर में भी मणिपुर सरकार ने बस सेवा शुरू करने का प्रयास किया था।

- प्रदेश में सभी शैक्षणिक संस्थानों मे कक्षाएं शुरू
- हिंसा प्रभावित छह जिलों में कर्फ्यू में दी गई ढील

15 नवम्बर से कोई बड़ी घटना की सूचना नहीं

मणिपुर के नौ जिलों में जातीय हिंसा के मद्देनजर दो दिन और मोबाइल इंटरनेट सेवा निलंबित रहेगी। गृह विभाग के एक अधिकारी के अनुसार मोबाइल इंटरनेट सेवा पांच दिसंबर शाम 5:15 बजे तक निलंबित की गई है। 25 नवंबर को कांगपोकपी जिले से लापता एक व्यक्ति को छोड़कर 18 नवंबर से नौ जिलों में कोई बड़ी घटना की सूचना नहीं मिली है। अधिकारी ने कहा कि किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए मोबाइल इंटरनेट और डेटा सेवाओं के निलंबन को दो और दिनों के लिए बढ़ा दिया गया है।

बांग्लादेश में बर्बरता पर अंकुश की उम्मीद!

बांग्लादेश में हिन्दुओं पर लगातार हो रहे हमले को लेकर देश (भारत)भर में आक्रोश है। इसे लेकर हिन्दू संगठनों द्वारा क्रमबद्ध तरीके से देश भर में आंदोलन किए जा रहे हैं। बांग्लादेश को यह समझना चाहिए कि वे हिन्दुओं को निशाना बनाकर अपना मकसद पूरा नहीं कर सकता है। हालांकि विदेश मंत्रालय स्तर पर इस मामले में आपत्ति दर्ज करायी जा चुकी है। विदेश मंत्रालय ने साफ साफ कहा है कि बांग्लादेश की सरकार को इसे रोकना होगा और आरोपियों को सख्त से सख्त सजा देनी होगी। बांग्लादेश में हिन्दुओं पर हो रहे अत्याचार के बाद वहां की सरकार ने मनमानी तरीके से हिन्दू समाज के साधू संतों को भी गिरफ्तार करना शुरु कर दिया है। इससे भारत में रह रहे हिन्दूओं में भारी आक्रोश है। उनकी गिरफ्तारी और जमानत न दिए जाने के कारण बांग्लादेश और सीमा पार भारत में व्यापक विरोध प्रदर्शन हुए हैं। दरअसल, इस अशांति का संदर्भ लगातार अल्पसंख्यक उत्पीड़न के पैटर्न में निहित हैं। बांग्लादेश के संवैधानिक आश्वासन के बावजूद वहां के हिंदू, जो कि आबादी का लगभग नौ फीसदी हैं, लगातार हिंसा, बर्बरता और सामाजिक उत्पीड़न का शिकार हो रहे हैं। वहां हिंदुओं के घरों व मंदिरों पर भीड़ पर हमलों की खबरें चिंताजनक हैं। हसीना सरकार के पतन के बाद इस तरह की घटनाओं में अच्छी खासी तेजी आई है। आधिकारिक रूप से इस्लामिक धर्म वाले इस देश में यह स्थिति अल्पसंख्यकों की व्यापक असुरक्षा को दर्शाती है। अल्पसंख्यक संगठनों द्वारा सुरक्षा की गुहार लगाये जाने के बाद विश्वास बहाली की जिम्मेदारी कार्यवाहक सरकार पर है। जिसका दायित्व बनता है कि उत्पीड़न के शिकार लोगों को न्याय दिलाने के लिये विशेष न्यायाधिकरण के जरिये यथाशीघ्र कार्रवाई करे। यदि समय रहते ऐसा नहीं होता तो अशांति के बढ़ने का खतरा बना रहेगा। मौजूदा घटनाचक्र से बांग्लादेश की लोकतंत्र की छवि कमजोर हुई है। निस्संदेह, वहां सभी अल्पसंख्यकों के लिये शांति और सुरक्षा एक जीवंत वास्तविकता होनी चाहिए। ढाका सरकार को छात्र आंदोलन के जरिये हुए राजनीतिक परिवर्तन के बाद पनप रही कट्टरता पर अंकुश लगाना चाहिए। बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों के लगातार उत्पीड़न के विरोध में अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भी तीखी प्रतिक्रिया गाहे-बगाहे आती रही हैं। पिछले दिनों अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव के दौरान राष्ट्रपति पद के प्रत्याशी डोनाल्ड ट्रंप ने बांग्लादेश में हिंदू अल्पसंख्यकों के खिलाफ हिंसा पर गंभीर चिंता जतायी थी। यहां तक कि हाल ही में आई एक रिपोर्ट में भी बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के दौरान अल्पसंख्यकों पर बढ़े हमलों को लेकर गहरी चिंता व्यक्त की गई है। रिपोर्ट में हसीना सरकार के पतन के बाद के एक पखवाड़े में अल्पसंख्यकों के खिलाफ हिंसा के दो हजार से अधिक मामलों का जिक्र किया गया है। रिपोर्ट इस बात पर भी चिंता जताती है कि ऐसे मामलों में अपराधियों की पहचान होने के बावजूद उन्हें दंडित नहीं किया गया। बल्कि इसके बहाने राजनीतिक विरोधियों को ही निशाना बनाया गया। ऐसी हिंसा के खिलाफ संयुक्त राष्ट्र की तरफ से भी तल्ख प्रतिक्रिया दर्ज की गई है। यह विडंबना ही है कि जिस बांग्लादेश की स्थापना भारत के त्याग व बलिदान के चलते एक धर्मनिरपेक्ष राष्ट्र के रूप में हुई थी, आज वहां की सरकार उन मूल्यों को ताक पर रख रही है। भारत सरकार के विरोध के बावजूद यूनस सरकार किसी भी तरह से अल्पसंख्यकों की सुरक्षा की गारंटी देने को तैयार नहीं है। बांग्लादेश का इतिहास बताता है कि जब-जब सेना के हाथ में सत्ता की बागडोर आई है, तो कट्टरपंथियों को संरक्षण मिला है। ऐसे में फौज द्वारा गठित अंतरिम सरकार से इस दिशा में किसी बड़ी पहल की उम्मीद करना बेमानी ही होगा। भारत सरकार को राजनीतिक व कूटनीतिक प्रयासों से अंतरिम सरकार पर दबाव बनाना होगा ताकि वह अल्पसंख्यकों की सुरक्षा का आश्वासन दे सके? तभी कट्टरपंथियों की निरंतर जारी हिंसा पर अंकुश लगाने की उम्मीद की जा सकती है।

सामयिक

शाहीन सबा

भारत के विरुद्ध अंतरराष्ट्रीय षड्यंत्र

दुनिया भर में भारतीय उद्योगपतियों और व्यापारियों का विकास 'डीप स्टेट' वैश्विक बाजार ताकतों और चीन के लिए एक बड़ा मुद्दा है। दुनिया भर में सत्ता और नियंत्रण खोने के डर से वे चिंतित हैं, और किसी भी भारतीय व्यापारी या उद्यमी का उदय इन स्वार्थी ताकतों द्वारा हल्के में नहीं लिया जाएगा। नतीजतन, वे अब अडानी की वैश्विक उपस्थिति में तेजी से वृद्धि करने को लक्ष्य बना रहे हैं। हिंडनबर्ग के पहले दो प्रयास पूरी तरह से असफल रहे, और अब रिश्वतखोरी के नए आरोप सामने आए हैं, और आरोपों का समय कई संदिग्ध चीजों का संकेत देता है, इसलिए राहुल गांधी और कई विपक्षी दलों द्वारा समर्थित डीप स्टेट ताकतों द्वारा एक और कथा इसकी सत्यता पर सवाल उठाती है। कई शोध समूह प्रायोजक संगठन द्वारा दिए गए एजेंडे के साथ काम करते हैं। नतीजतन, वे उद्देश्य की एक आकर्षक कहानी को चित्रित करने के लिए झूठी कहानी को चुन सकते हैं। गौतम अडानी ने अडानी समूह की वैश्विक विस्तार महत्वाकांक्षा को आक्रामक रूप से आगे बढ़ाया है। अडानी समूह ने ऑस्ट्रेलिया में कारमाइकल कोयला खदान की स्थापना की है, जो कि वोक संगठनों के विरोध के बीच है। अडानी ने 2017 में चीन की बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव को बाधित किया। उस वर्ष, अडानी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकोनॉमिक जोन्स लिमिटेड ने कैरी आइलैंड, मलेशिया में कार्गो को संभालने के लिए एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। जब एक चीनी निगम को एक उभरते भारतीय पावरहाउस द्वारा विस्थापित किया गया, तो इसने सभी उम्मीदों को धता बता दिया। फिर श्रीलंका में चीनियों की बारी थी। अडानी ने कोलंबो बंदरगाह पर एक कंटेनर टर्मिनल बनाने और संचालित करने का अनुबंध जीता। आखिरकार, अडानी टीम ने द्वीप राष्ट्र में दो पवन ऊर्जा संयंत्र स्थापित किए। अडानी के निवेश से बांग्लादेश के बिजली क्षेत्र को भी फायदा हो रहा है।

एशिया के बाहर भी, अडानी समूह भारत की वैश्विक स्थिति को बढ़ावा देने के लिए हर संभव कोशिश कर रहा है। पिछले साल, उन्होंने इज़राइल के हाइफा बंदरगाह में 70 प्रतिशत हिस्सेदारी हासिल करने के लिए 1.18 बिलियन का निवेश किया, जिससे अडानी को इज़राइल में चीनी राज्य के स्वामित्व वाले शंघाई इंटरनेशनल पोर्ट ग्रुप के साथ सीधी प्रतिस्पर्धा में डाल दिया। राष्ट्रवाद के संदर्भ में, यह चीन के राज्य के स्वामित्व वाले व्यवसायों पर सीधा हमला है। अडानी ने एक पूर्व प्रमुख बीआरआय परियोजना के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर करके चीन को एक बड़ा झटका दिया। बीबीसी, कुछ भारतीय विपक्षी दलों और चीनी राज्य के स्वामित्व वाले उद्यमों के बीच व्यापक वित्तीय निर्भरता है। यह इसे चीनी अधीनस्थ और चीन का प्रवक्ता बनाता है। अडानी पर हमला करने से विभिन्न हित समूहों को कई फायदे मिलते हैं। अडानी साम्राज्य विभिन्न उद्योगों में काम करता है, जिसमें सौर निर्माण, रसद, भूमि, रक्षा, एयरोस्पेस, फल, डेटा केंद्र, सड़क, रेल, रियल एस्टेट ऋण और कोयला

खनन शामिल हैं। इनमें वैश्विक डीप स्टेट कॉरपोरेट समूह, चीन समर्थित भारतीय राजनीतिक दल और मीडिया आउटलेट शामिल हैं जो भारतीय व्यवसायों के विकास का विरोध करते हैं। आपको पारिस्थितिकी को समझने की आवश्यकता है ताकि यह समझ सकें कि चीजें कैसे बनाई जाती हैं क्योंकि पारिस्थितिकी तंत्र के तहत खेल खेले जाते हैं। व्यक्तिगत किसी को समझना आसान है, लेकिन पारिस्थितिकी तंत्र को समझना कठिन है। क्योंकि पारिस्थितिकी तंत्र जाल हैं। ब्रियोन पीस वह न्यायाधीश है जिसने रिश्वत मामले में अडानी पर अभियोग लगाया था। जॉर्ज सोरोस ने पहले कहा था कि वह अडानी और मोदी को नष्ट कर देगा। क्या संभावना है कि अभियोग के पीछे सोरोस और शूमर नही हैं? पीस सिर्फ़ शूमर के रबर स्टैंप है। सोरोस ने चक शूमर पर बहुत पैसा खर्च किया है। शूमर 2021 में सीनेट के बहुमत के नेता बन गए, सोरोस फंडिंग की बदौलत उन्हें न्यायाधीशों को चुनने का अधिकार मिला। इस साल भी, सोरोस ने शूमर के पीएसी में .16 मिलियन का योगदान दिया। सोरोस ओबामा, क्लिंटन और बिडेन के सबसे बड़े दानकर्ता भी रहे हैं। शूमर का दूसरा परिचय है- वह बिडेन प्रशासन में सोरोस के आदमी हैं।

हरीश साल्वे ने इंडिया टुडे से कहा कि कोई भी भारतीय व्यापारियों द्वारा दुनिया भर में अपनी उपस्थिति दर्ज कराने से खुश नहीं है। 'एक समय था जब हम ब्रिटिश व्यापारियों को भारत में निवेश करने के लिए लुभाते थे।' अब मैं देख रहा हूँ कि ब्रिटिश सरकार भारतीय निवेशकों को आकर्षित कर रही है। यह दुनिया के तंत्र में एक बड़ा बदलाव है, और इसके निहितार्थ होने चाहिए।' साल्वे ने आगे कहा कि गौतम अडानी के खिलाफ लगाए गए आरोप भारत और भारतीयों पर एक व्यापक हमला हैं, और अडानी की अधिकांश होल्डिंग्स विनियमित हैं। 'आपके पास अनुमानित राजस्व है क्योंकि आपके पास एक नियामक है जो आपकी दर निर्धारित करता है। आप बहुत अधिक पैसा नहीं कमा सकते हैं, लेकिन आपके पास लगभग सुनिश्चित राजस्व है क्योंकि आज भी, ये बुनियादी ढांचा परियोजनाएं एकाधिकार उद्यम हैं। हरीश साल्वे ने कहा कि अन्य निवेश सीमेंट निर्माण जैसी कट्टर भारतीय परिसंपत्तियों में हैं। पूर्व सॉलिसिटर जनरल ने टिप्पणी की, 'उनकी (अडानी समूह की) अधिकांश कंपनियां सूचीबद्ध हैं और उनके सभी दस्तावेज सार्वजनिक रूप से उपलब्ध हैं। यह दावा करना कि आपने कोई गुप्त अध्ययन किया है, पूरी तरह से बकवास है।'

'डीप स्टेट के लोगों ने भारतीय विपक्षी दलों की मदद से हिंडनबर्ग का इस्तेमाल करके अडानी को दो बार दोषी ठहराने की कोशिश कैसे की?'

आप किसी को सिर्फ़ एक बार ही बेनकाब करते हैं। हिंडनबर्ग ने पहली बार अडानी को बेनकाब करने की कोशिश की, लेकिन वह लिंक स्थापित करने में असमर्थ रहा। इस मामले की सुनवाई सुप्रीम कोर्ट ने की, जिसने गहन जांच की, लेकिन कोई सबूत नहीं मिला। अडानी को क्लीन चिट मिल गई। यह फिर से वापस उछल गया। बाजार एक ही चीज़ पर दो बार प्रतिक्रिया नहीं देते- हिंडनबर्ग नए दावों के साथ वापस आ गया। वे फिर से वही स्टंट करने की कोशिश कर रहे थे, लेकिन सौभाग्य से, भारतीय बाजार ने नकारात्मक प्रतिक्रिया नहीं दी, और बाजार सकारात्मक नोट पर समाप्त हुआ। इसलिए यह स्पष्ट है कि निवेशक संतुष्ट हैं कि शेयर बाजार में हेरफेर नहीं किया जा रहा है। हालांकि, बाजार शुरू होने पर अडानी के शेयर में तेज़ी से गिरावट आई, लेकिन यह तुरंत ठीक हो गया और सामान्य हो गया। जब बाजार और निवेशक पर्याप्त रूप से आश्वस्त हैं, तो आपको यह जानने के लिए और क्या चाहिए कि कौन सही है? पहली बार सुप्रीम कोर्ट ने उन्हें क्लीन चिट दी, और दूसरी बार जनता ने। अमेरिकी न्यायालयों का भारतीय नागरिकों पर कोई अधिकार नहीं है।

स्थापित कानून के अनुसार, अमेरिकी एसईसी का भारतीय नागरिक गौतम अडानी पर कोई अधिकार नहीं है, और यह भारत में वर्तमान अमेरिकी प्रतिष्ठान के राजनीतिक लक्ष्यों को आगे बढ़ाने के लिए एक विच हंट प्रतीत होता है। जबकि कांग्रेस पार्टी और वामपंथी पारिस्थितिकी तंत्र पहले से ही अडानी के खिलाफ अमेरिकी न्याय विभाग के 'आरोपों' पर विश्वास कर चुके हैं और उन्हें स्थापित तथ्य के रूप में प्रस्तुत कर रहे हैं, यह याद रखना महत्वपूर्ण है कि गौतम अडानी और अन्य प्रतिवादी तब तक निर्दोष हैं जब तक उनके खिलाफ आरोप साबित नहीं हो जाते। अभियोग दस्तावेज में कहा गया है कि 'अभियोग में आरोप हैं, और जब तक दोषी साबित नहीं हो जाते तब तक प्रतिवादियों को निर्दोष माना जाता है।' साथ ही, अभियोग का समय यह सवाल उठाता है कि क्या अमेरिका भारत में रिश्वतखोरी के आरोप लगाकर गौतम अडानी को वित्त जुटाने से रोकने का प्रयास कर रहा है। एसईसी चाहता है कि अडानी इस दावे की व्याख्या करें कि उन्होंने आकर्षक सौर ऊर्जा अनुबंध प्राप्त करने के लिए रिश्वत दी, लेकिन यह अनुरोध संयुक्त राज्य अमेरिका में भारतीय दूतावास के माध्यम से जाना चाहिए। अमेरिकी एसईसी का विदेशी नागरिकों पर कोई अधिकार क्षेत्र नहीं है, और चूंकि गौतम अडानी एक भारतीय नागरिक हैं, इसलिए उनके पास उन पर कोई अधिकार क्षेत्र नहीं है। 1965 का हेग कन्वेंशन और पारस्परिक कानूनी सहायता संधि भारत और संयुक्त राज्य अमेरिका के बीच इन मुद्दों को कवर करती है।

डॉ. बचन सिंह सिकरवार

हिंसा

हिंदुओं के उत्पीड़न पर सेकुलरवादी चुप क्यों?

पिछले कई माह से पड़ोसी बांग्लादेश में इस्लामिक कट्टरपंथियों द्वारा जिहादी नारे लगाते हुए अल्पसंख्यक हिन्दुओं पर निरन्तर जिस तरह बर्बर हिंसक हमले, उनकी महिलाओं से बदसलूकी, बलात्कार और उनके मठ-मन्दिरों, व्यावसायिक प्रतिष्ठानों, मकानों में तोड़फोड़, आगजनी की जा रही है और अब तक बड़ी संख्या में हिन्दू मारे और घायल हुए हैं। सैकड़ों की संख्या में मन्दिरों को अपवित्र करने से लेकर देवी-देवताओं की मूर्तियों को भी तोड़ा गया हैं। ढाका के तांती बाजार स्थित पूजा मण्डप पर हमला और इस साल दुर्गापूजा के दौरान शातखीरा के जेशोरेश्वरी काली मन्दिर में चोरी हुई, जिसके लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मुकुट भेंट किया गया था। हिन्दू शिक्षकों और सरकारी कर्मचारियों से जबरदस्ती इस्तीफे लेकर सरकारी नौकरी से हटाया गया है, लेकिन वर्तमान सरकार और पुलिस-प्रशासन उन्हें सुरक्षा देने के बजाय पुलिस उनका ही उत्पीड़न करती दिखायी दे रही है। इतना ही नहीं, इस बीच मौजूदा मोहम्मद यूनुस की सरकार द्वारा सुरक्षा का झूठा भरोसा देने के अलावा कुछ भी नहीं किया गया है। इसके साथ ही सरकार द्वारा जेलों में कैद हजारों की तादाद में प्रतिबन्धित इस्लामिक संगठनों के इस्लामिक कट्टरपंथियों को रिहा किया गया है। इससे सरकार और उसके समर्थित कट्टरपंथियों/जिहादियों के असल मंसूबों को समझा जा सकता है, फिर भी दुनियाभर के मानवाधिकारों और लोकतंत्र के हिमायती तथा पैरोकार खामोश बने हुए हैं। यहाँ तक कि भारत सरकार और विशेष रूप से

हिन्दुओं के संगठनों द्वारा वैसा मुखर विरोध नहीं किया जा रहा है, जैसा ऐसे मामले में वांछित है। ऐसी स्थिति में फलस्तीन पर इजरायल की छाती पीटने वाले मुसलमानों के रहनुमाओं और मुसलमानों के संगठनों से बांग्लादेशी जिहादियों की मजम्मत की उम्मीद करना ही फिजूल है। यहाँ तक कि इनमें से कुछ मुसलमानों को बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीन वाजेद को भारत में पनाह देने पर ऐतराज है, जिससे उनकी मानसिकता को समझना मुश्किल नहीं।

वैसे भी यह सब करते हुए इन इस्लामिक कट्टरपंथियों को न पड़ोसी देश भारत की नाराजगी की परवाह है और न दुनिया में अपने मुल्क की छवि खराब होने की। 5 अप्रैल, 2024 को प्रधानमंत्री शेख हसीना वाजेद के देश छोड़ने के बाद से इस्लामिक कट्टरपंथियों ने अल्पसंख्यक हिन्दुओं समेत बौद्धों, ईसाइयों पर जुल्म ढहाना शुरू कर दिया और तब से यह सिलसिला बना हुआ है। यह देखते हुए यही लगता है कि वहां सरकार नाम की कोई चीज नहीं है। हर तरफअराजकता व्याप्त है। यह देखते हुए यह कहना मुनासिब होगा कि इस वक्त बांग्लादेश में पाकिस्तान समर्थक 'जमीयत-ए-इस्लामी' की हुकूमत है,जो तत्कालीन पूर्वी पाकिस्तान में पश्चिम पाकिस्तान का हिमायती/तरफदार था और इसके बांग्लादेश के बनने की खुलकर मुखालफत/विरोध करता आया है। उसे तब भी बंगला संस्कृति और बंगला भाषा के आधार पूर्वी पाकिस्तान का बांग्लादेश में तब्दील होना कुबूल नहीं था। सन् 1971 में इसने पश्चिमी पाकिस्तान सेना द्वारा बंगाली मुसलमानों और हिन्दुओं के नरसंहार में हर तरह मदद की। इसमें लाखों लोग मारे गए तथा हजारों महिलाओं के साथ बलात्कार और उनकी हत्याएँ की गईं। भारतीय सेना और बांग्लादेश मुक्ति वाहिनी के हजारों सैनिकों के बलिदान के बाद 16 दिसम्बर,1971में बांग्लादेश बना। इसके बाद जमीयत-ए-इस्लामी पाकिस्तान की हिमायत और बांग्लादेश के पंथनिरपेक्ष स्वरूप का विरोध और उस भारत की मुखालफत कर रहा है, जिसने बांग्लादेश के लिए अपने हजारो जवानों का बलिदान देने के साथ हर तरह से सहायता की थीं। सूत्रों के मुताबिक बांग्लादेश के सश्रापलट और उसकी वर्तमान दुर्दशा के पीछे भी पाकिस्तान की खुफिया एजेन्सी आईएसआई और अमेरिका शासन की साजिश बतायी जा रही है। मोहम्मद यूनुस को सश्रा की कमान भी अमेरिका की बदौलत मिली है, लेकिन अमेरिका नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रप ने मतदान से पहले अवश्य बांग्लादेश में इस्लामिक कट्टरपंथियों द्वारा हिन्दुओं पर किये जा रहे अत्याचार का मुद्दा उठाया। हद तो यह हो गई कि बांग्लादेश सरकार द्वारा अब इस्कान के चिन्मय कृष्ण दास को विमान से उतरते ही देशद्रोह के आरोप में गिरफ्तार कर लिया गया।

(लेखक स्तंभकार हैं)

सनी राजपूत

सिनेमा जगत

नैतिक मूल्यों की प्रतिस्थापना का माध्यम सिनेमा

हम अपने परिवार को लेकर बहुत संवेदनशील रहते हैं और हमें रहना भी चाहिए। परिवार के सस्दयों का एक दूसरे के प्रति परस्पर लगाव ही परिवार को जोड़ कर रखता हैं। और अपने अच्छे समय के साथ ही विपरीत परिस्थियों में परिवार के सदस्यों का लगाव अधिक सामने दिखाई देता हैं। आज हम परिवार के प्रति अपने प्रेम और लगाव को ध्यान में रखकर ही हाल ही में कुछ प्रमुख फिल्मे और वेबसीरीज़ आयी हैं, जिनके बारे में बात कर सकते हैं। विजय सेतुपति की महाराजा, आसिफ अली और विजयराघव की किष्किंधा काण्ड, करीना कपूर खान और जयदीप अहलावत की जाने जान, दुलकर सलमान की लकी भास्कर, रणवीर कपूर की एनिमल के साथ ही और भी कुछ फिल्में हैं, जिन्हें हम इस श्रेणी रख सकते हैं। अब बात की जाए फिल्मों की कहानी की तो हम देख सकते हैं कि यह सभी फिल्मों को बनाने वाले भारत के अलग-अलग प्रांतों में रहने वाले लोग हैं, और उन फिल्मों के कलाकार भी क्षेत्रीय और भाषायी आधार पर भिन्न हैं। लेकिन परिवार और अपनेपन की समानता सभी फिल्मों में देखने के लिए मिलती हैं।

बात करते हैं विजय सेतुपति की महाराजा की तो इसमें हम पिता-पुत्री के परस्पर प्रेम को बहुत ही बेहतर तरीके से देख सकते हैं। इस परिवार में केवल दो ही सदस्य हैं। एक पिता अपनी बेटी के साथ हुए अनाचार को लेकर किस प्रकार उसके अपराधियों को ढूंढकर न्याय करने का प्रयास करता हैं और पुलिस गंभीर अपराध के प्रति कितनी संवेदनशील

होकर काम करती हैं। इसका बेहतरीन उदाहरण हमें इस मूवी को देखने से मिलता हैं। किस प्रकार से एक बेटी का पिता अपनी बेटी के साथ हुए अत्याचार को सांकेतिक शब्दों से सभी को बताता हैं ताकि उसकी बेटी को वह पीड़ा बार बार न सहना पड़े जो उसने एक बार सहन कर ली है। परिवार के सदस्यों में परस्पर प्रेम और विश्वास के महत्व को यह फिल्म अच्छे से चरितार्थ करती हैं।

आसिफ अली और विजयराघव की किष्किंधा काण्ड में पिता-पुत्र के सम्बन्ध के बीच के मर्म को बताने का पर्याप्त प्रयास किया गया हैं। एक माँ के हाथों से अनजाने में अपने बेटे का मर जाना और एक पिता के हाथों अपने पुत्र के बेटे के शव को उचित स्थान प्रदान करना और पिता की अजीब बीमारी के बारे में मालूम होते हुए भी हमेशा अपने पिता के साथ डटकर खड़े रहना। और जानते हुए भी कि अब उसका बेटा कभी लौट के नहीं आ सकता हैं, फिर भी उसे हर जगह ढूंढने जाना। परिवार के प्रति साहसिक कर्तव्य और विश्वास को बताने वाली यह फिल्म भी हमें परिवार के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करती है।

करीना कपूर खान और जयदीप अहलावत की 'जाने जान' मूवी भी परिवार और परस्पर स्नेह को बताने में सफल होती दिखाई देती हैं। किस प्रकार से हम अपने परिवार के साथ रहते हुए अपने आस-पास के लोगों के साथ भी एक महीन संबंध स्थापित कर लेते और जाने अनजाने में उनकी अविश्वसनीय सहायता कर देते हैं, जिसे बाद में जानकर हम स्वयं भी आश्चर्य से भर जाते हैं। 'जाने जान' मूवी में भी कुछ ऐसी ही बातों को बेहतर ढंग से दिखाया गया है। माँ - बेटी का छोटा परिवार हैं और उनसे अनजाने में कुछ ऐसा घट जाता हैं कि जिससे बाहर आना उनके बस का नहीं है और ऐसे में उनके पड़ोस में रहने वाला मैथ्स टीचर उनको हर समय बचाने का प्रयास करता हैं, क्योकि कभी अनजाने में उस माँ ने टीचर को खुदखुशी करने से बचाया था। परस्पर प्रेम और लगाव की कहानी कहती यह फिल्म हमें अपने परिवार और साथियो के प्रति विश्वास को दृढ करती नजर आती हैं।

दुलकर सलमान की लकी भास्कर, रणवीर कपूर की एनिमल मूवी परिवार के प्रति अपने कर्तव्य को दर्शाने का काम करती हैं, लेकिन यह मूवी समाज के नैतिक नियमो का उल्लघंन करने के लिए भी उकसाती हैं। इन दोनों ही फिल्मो में परिवार के भीतर पिता पुत्र के सम्बंधो को स्पष्ट रूप से दिखने का प्रयास किया गया हैं। इनमे दिखाया गया हैं कि कैसे एक पिता को अपने बेटे के सभी गलत कामों का आभास होता रहता हैं और समय आने पर पिता अपने पुत्र को नियंत्रित करने के लिए उत्तरदायी होते हैं।

(लेखक अधिवक्ता हैं)

रमेश शर्मा

पुण्यतिथि आज

भोपाल विलीनीकरण के नायक ठाकुर लालसिंह

सल्तनत और अंग्रेजीकाल के घोर अंधकार के बीच भी यदि भारतीय संस्कृति और परंपराएँ आज पुनर्प्रतिठित हो रहीं हैं तो इसके पीछे कुछ ऐसी विभूतियाँ के जीवन का समर्पण हैं, जो अपने लिये नहीं अपितु संपूर्ण समाज के लिये जिये, उनके जीवन का प्रत्येक पल राष्ट्र, संस्कृति और परंपराओं की पुनर्स्थापना के समर्पण में रहा। ऐसे ही जीवनदानी थे ठाकुर लालसिंह। स्वतंत्रता से पहले भोपाल रियासत काल में वे नागरिक अधिकार एवं समानता के संघर्ष में जेल गये और स्वतंत्रता के बाद भोपाल रियासत के भारतीय गणतंत्र व्यवस्था के अंतर्गत मध्यभारत में विलीनीकरण के लिये भी जेल यात्रा की। ऐसे जीवन बलिदानी ठाकुर लालसिंह का परिवार मूलतः राजस्थान में भरतपुर क्षेत्र अंतर्गत सिनसिनी गांव का रहने वाला था। इस क्षेत्र के मूल निवासी जाट क्षत्रिय सिनसिनवार गोत्र के कहे जाते है। भरतपुर के इतिहास प्रसिद्ध शासक सूरजमल जाट इसी 'सिनसिनवार' गोत्र से थे। अठारहवीं शताब्दी भरतपुर क्षेत्र के लिये बहुत उथल पुथल से भरी हुई थी। पहले औरंगजेब के हमले, और फिर अंग्रेजों के लगातार हमलों के बीच सिनसिनी से एक शाखा मालवा आई। आगे चलकर इनमें से एक परिवार भोपाल रियासत में आया। यह परिवार पहले इछावर और फिर बैरसिया आया। इसी परिवार में ठाकुर लालसिंह का जन्म हुआ। जन्मवर्ष 1889 माना जाता है। पिता हीरा सिंह आर्य समाज से जुड़े थे। आर्यसमाज के ये संस्कार ठाकुर लालसिंह जी में जीवन भर रहे। पढ़ने केलिये इंदौर भेजा गया। इंदौर के

क्रिश्चियन कालेज से उन्होंने बीए किया और 1913 में भोपाल के अलेक्जेंडर कॉलेज में शिक्षक हो गये। भोपाल रियासत एक स्वतंत्र राज्य के रूप में अस्तित्व में आ गई। समझौते के अंतर्गत पुलिस सहित नबाब का पूरा प्रशासनिक अमला यथावत रहा। अक्टूबर 1951 में चुनाव प्रक्रिया आरंभ हुई। ठाकुर लालसिंह भावी नेतृत्व के लिये एक स्वाभाविक चेहरा थे। लेकिन भोपाल नबाब और नबाब समर्थक लॉबी उन्हें कतई पसंद नहीं करती थी। वे 4 दिसंबर 1951 को चुनाव के लिये जीप से अपना नामांकन भरने सीहोर के लिये रवाना हुये। वे जैसे ही रायल मार्केट पार करके आगे बढ़े कि अगले चौराहे पर जीप दुर्घटना ग्रस्त हो गई और इस दुर्घटना ठाकुर लालसिंह न बच सके। उन दिनों भोपाल में ट्रैफिक भी न था, उस रास्ते भीड़ भी न रहती थी। जीप की स्पीड भी न थी फिर भी ऐसी दुर्घटना? यह रहस्य आज भी बना हुआ है कि वह दुर्घटना कैसे इतनी भीषण हुई कि ठाकुर लालसिंह न बच सके। इतिहास के पन्नों में ठाकुर लालसिंह को उतना स्थान नहीं मिला जैसी उन्होंने समाज की सेवा की। उनका पूरा जीवन सामाजिक, सांस्कृतिक, सनातन परंपराओं और मानवीय मूल्यों की स्थापना के लिये समर्पित था। भोपाल में पहली कन्या शाला और पहला अनाथालय आरंभ करने वाले ठाकुर लालसिंह ही थे। छुआछूत के विरुद्ध सामाजिक जाग्रति और मतान्तरण करने वालों की घर वापसी और मंदिर में प्रवेश कराने में उनकी भूमिका महत्वपूर्ण थी। **(लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं)**

जनमानस

दवाइयों पर एमआरपी का खेल

दवाइयों पर एमआरपी (अधिकतम खुदरा मूल्य) का खेल भारत में एक गंभीर समस्या है। दवा कंपनियां अक्सर उत्पादन लागत से कई गुना अधिक एमआरपी निर्धारित करती हैं, जिससे मरीजों को भारी आर्थिक बोझ उठाना पड़ता है। इस खेल में दवा विक्रेता भी बड़ी भूमिका निभाते हैं, जो एमआरपी के आधार पर ग्राहकों से अधिक कीमत वसूलते हैं। हालांकि सरकार ने जरूरी दवाओं की कीमतों को नियंत्रित करने के लिए दवा मूल्य नियंत्रण आदेश लागू किया है, लेकिन सभी दवाएं इसके दायरे में नहीं आतीं। इसका लाभ उठाकर कंपनियां गैर-आवश्यक दवाओं पर मनमाने दाम लगाती हैं। मरीजों को सस्ती दवाएं उपलब्ध कराने के लिए जनऔषधि केंद्र जैसे प्रयास सराहनीय हैं, लेकिन इन्हें बड़े पैमाने पर प्रोत्साहित करना जरूरी है।

– **आरके जैन,** बी-87, महावीर नगर, बड़वानी

संक्षिप्त समाचार

अंडर-19 एशियाकप : नेपाल ने अफगानिस्तान को हराया

शारजाह। संतोष यादव, उनिश ठकुरी (तीन-तीन विकेट) और अन्य की बेहतरीन गेंदबाजी के बाद नरेन सौद (26) और कप्तान हेमंत धामी (नाबाद 22) के हरफनमौला प्रदर्शन की बदौलत नेपाल ने मंगलवार को अंडर-19 एशिया कप के 10वें एकदिवसीय मुकाबले में अफगानिस्तान को एक विकेट से शिकस्त दी। 123 रनों के छोटे स्कोर का पीछा करने उतरी नेपाल की शुरुआत बेहद खराब रही और उसने 54 के स्कोर तक अपने छह विकेट गवां दिये थे। नेपाल ने 41.3 ओवर में नौ विकेट पर 124 रन बनाकर मुकाबला एक विकेट से जीत लिया। अफगानिस्तान की ओर से ए एम गजनफर और खातिर स्तानिकजई ने तीन-तीन विकेट लिये। महबूब खान और अब्दुल अजीज ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया। इससे पहले आज यहां अफगानिस्तान ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी अफगानिस्तान की शुरुआत बेहद खराब रही और उसने दो रन के स्कोर पर अपने दो विकेट गवां दिये। अफगानिस्तान की पूरी टीम 35.4 ओवर में 123 के स्कोर पर सिमट गई। नेपाल की ओर से संतोष यादव, उनिश ठाकुरी ने तीन-तीन विकेट लिये। हेमंत धामी और अभिषेक तिवारी ने दो-दो बल्लेबाजों को आउट किया।

डीएसए प्रीमियर लीग : सीआईएसएफ और तरुण संघा की संघर्षपूर्ण जीत

नयी दिल्ली। डीएसए प्रीमियर लीग के मंगलवार को खेले गये मुकाबलों में सी आई एस एफ और तरुण संघा की संघर्षपूर्ण जीत दर्ज की आम्बेडकर स्टेडियम पर खेले गए संघर्षपूर्ण मुकाबले में सीआईएसएफ प्रोंटैक्टर ने गत विजेता गढ़वाल हीरोस फु टबॉल क्लब को एकमात्र गोल से हराकर पूरे अंकों के साथ विजय अभियान जारी रखा। वहीं एक अन्य मुकाबले में फ्रेंड्स यूनाइटेड ने तरुण संघा पर 3-2 की जीत दर्ज की। विजेता के लिए जितेंदर सिंह राणा ने तिकड़ी जमाई। पराजित टीम के गोल लंगवारदम थांगा और साकिर अली ने किए। पिछली लीग की विजेता गढ़वाल और सीआईएसएफ के बीच खेला गया मैच उतार चढ़ाव वाला रहा। फर्क इतना है कि सीआईएसएफ ने कई मौके गंवाने के बाद 55वें मिनट में गोल किया। रेल पेल में इमरान विजयी गोल जमाने में सफल रहे।

चैम्पियंस ट्रॉफी को लेकर नया पेंच

बीसीसीआई नहीं अपनाएगा पाकिस्तान के प्रस्तावित मॉडल को

पीसीबी चाहता है भविष्य में भारत में भी अपनाया जाए हाइब्रिड मॉडल

एजेंसी ■ नई दिल्ली

पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने अपना रुख बदलते हुए चैंपियंस ट्रॉफी के हाइब्रिड मॉडल को स्वीकार कर लिया है, लेकिन अब एक नया पेंच सामने आया है। पीसीबी चाहता है कि भविष्य में भारत में आयोजित होने वाले आईसीसी टूर्नामेंट्स के लिए भी इसी तरह का हाइब्रिड मॉडल अपनाया जाए, लेकिन भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने इस समझौते से साफ इन्कार कर दिया है। इससे गतिरोध और बढ़ गया है। एक रिपोर्ट के अनुसार बीसीसीआई इस हाइब्रिड मॉडल को स्वीकार नहीं करेगा, क्योंकि भारत में ऐसी कोई सुरक्षा चिंता नहीं है, जिसके लिए इस तरह की व्यवस्था की आवश्यकता हो।

पिछले शुक्रवार (29 नवंबर) को आईसीसी बोर्ड की बैठक से पहले पीसीबी अपने रुख पर अड़ा हुआ था कि चैंपियंस ट्रॉफी हाइब्रिड मॉडल में आयोजित नहीं की जाएगी। भारत के मैच तटस्थ स्थल पर खेले जाएंगे। हालांकि, बीसीसीआई भी अपनी बात पर अड़ा हुआ है और आईसीसी ने संकेत दिया है कि हाइब्रिड मॉडल स्वीकार न किए जाने की स्थिति में पूरी चैंपियंस ट्रॉफी को पाकिस्तान से बाहर शिफ्ट किया सकता है, इसलिए पीसीबी के पास बहुत कम विकल्प थे।

भारत ने दृष्टिहीन क्रिकेट टीम को नहीं भेजा था पाकिस्तान

बीसीसीआई के पीसीबी के इस प्रस्ताव को स्वीकार करने की संभावना नहीं है। बीसीसीआई ने अपनी टीम को पाकिस्तान न भेजने के पीछे सुरक्षा मुद्दों को मुख्य कारण बताया है। पिछले महीने, भारत सरकार ने टी20 विश्व कप सुरक्षा कारणों से अपनी दृष्टिहीन क्रिकेट टीम को पाकिस्तान जाने की मंजूरी देने से इन्कार कर दिया था। बीसीसीआई का तर्क है कि भारत में कोई वास्तविक सुरक्षा खतरा नहीं है और उनके लिए हाइब्रिड मॉडल को स्वीकार करने का कोई कारण नहीं है।

भविष्य के आईसीसी टूर्नामेंट्स पर असर पड़ना तय

चैंपियंस ट्रॉफी के संबंध में लिए गए किसी भी निर्णय का भारत और पाकिस्तान दोनों द्वारा आयोजित भविष्य के आईसीसी के टूर्नामेंट्स पर असर पड़ना तय है। भारत ने यह स्पष्ट कर दिया है कि टीम पाकिस्तान नहीं जाएगी। अब पाकिस्तान भी इसी तरह की व्यवस्था चाहता है। जानकारी के अनुसार पीसीबी चाहता है कि आईसीसी अगले साल भारत की मेजबानी में होने वाले 50 ओवर के विश्व कप में पाकिस्तान की महिला टीम के मैचों के लिए तटस्थ स्थल चुने। इसी तरह तीन पुरुष टूर्नामेंट टी20 वर्ल्ड कप, चैंपियंस ट्रॉफी और 50 ओवर के वर्ल्ड कप के लिए पीसीबी एक हाइब्रिड मॉडल चाहता है। इससे यह सुनिश्चित हो सके कि उनकी टीम को भारत की यात्रा करने की आवश्यकता न पड़े।

वेस्टइंडीज टीम में ग्रीव्स और जंगू शामिल

बंगलादेश के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज का पहला मैच 8 दिसंबर को

एजेंसी ■ बारबाडोस

वेस्टइंडीज ने इस महीने बंगलादेश के खिलाफ घरेलू मैदान पर होने वाली तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज के लिए ऑलराउंडर जस्टिन ग्रीव्स और अनकैप्ड विकेटकीपर बल्लेबाज आमिर जंगू को 15 सदस्यीय टीम में शामिल किया है। वेस्टइंडीज और बंगलादेश के बीच सीरीज का पहला मुकाबला 8 दिसंबर को दूसरा 10 और तीसरा से मैच 12 दिसंबर को सेंट किट्स एंड नेविस में खेला जायेगा। ग्रीव्स और जंगू दोनों ने वेस्टइंडीज में घरेलू क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन के दम पर टीम में जगह बनाई है, हाल ही में सुपर50 एकदिवसीय टूर्नामेंट में दोनों ने सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी थे। वहीं स्पिनर हेडन वॉल्श जूनियर और युवा बल्लेबाज ज्वेल एंड्रयू को टीम से बाहर कर दिया गया हैं। इस सीरीज में आक्रामक बल्लेबाज शाई होप एक बार फिर वेस्टइंडीज की कमान सौंपी गई है जबकि ब्रैंडन किंग को उपकप्तान बनाया गया है। वेस्टइंडीज के कोच डेरेन सैमी इस सीरीज को लेकर कहा कि भारत में होने वाले आईसीसी पुरुष क्रिकेट विश्व कप, दक्षिण अफ्रीका, जिम्बाब्वे और नामीबिया के साथ होने वाले मुकाबलों को ध्यान में रखते हुए टीम का चयन किया गया है।

वेस्टइंडीज की 15 सदसीय टीम- शाई होप (कप्तान), ब्रैंडन किंग (उपकप्तान), कीसी कार्टी, रोस्टन चेस, मैथ्यू फोर्ड, जस्टिन ग्रीव्स, शिमरॉन हेटमायर, आमिर जंगू (विकेट कीपर), अल्जारी जोसेफ, शमर जोसेफ, एविन लुईस, गुडाकेश मोटी, शेरफेन रदरफोर्ड, जेडन सील्स और रोमारियो शेफर्ड।

ओलंपिक पदक विजेता सिंधू लेंगी सात फेरे

एजेंसी ■ नई दिल्ली

दो बार की ओलंपिक पदक विजेता बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधू बहुत जल्द शादी के बंधन में बंधने जा रही हैं। इसकी पुष्टि उनके पिता पीवी रमना ने की। उन्होंने पीटीआई को बताया कि यह सब एक महीने पहले ही तय हुआ। बता दें कि, सिंधू 22 दिसंबर को उदयपुर में वेंकट दत्ता साई के साथ अपने जीवन की नई शुरुआत करेंगी। सिंधू के होने वाले पति हैदराबाद के रहने वाले हैं। वह पोसाइडेक्स टेक्नोलॉजी में कार्यकारी निदेशक हैं।सिंधू के पिता पीवी रमना ने कहा- दोनों परिवार एक-दूसरे को जानते थे लेकिन एक महीने पहले ही सब कुछ तय हुआ। यह एकमात्र संभावित समय था क्योंकि जनवरी से उसका (सिंधू का) कार्यक्रम काफी व्यस्त रहने वाला है।

5 से 8 दिसम्बर तक होगी राष्ट्रीय चैंपियनशिप

सौरभ परमार के नेतृत्व में मप्र कुश्ती टीम बैंगलूर रवाना

■ इंदौर

सीनियर राष्ट्रीय कुश्ती बैंगलोर में होने वाली मध्यप्रदेश कुश्ती टीम आज रवाना हुई। सीहोर के सौरभ परमार मध्यप्रदेश टीम के कप्तान होंगे।

इंदौर मध्यप्रदेश कुश्ती संघ के सचिव सुरेश यादव, विक्रम अवॉर्डी ओमप्रकाश खत्री ने बताया कि, सीनियर मध्यप्रदेश कुश्ती टीम मंगलवार सुबह ट्रेन द्वारा बैंगलूर रवाना हुई। जहां 5 से 8 दिसम्बर तक राष्ट्रीय चैंपियनशिप होगी।

मध्यप्रदेश कुश्ती टीम फ्रीस्टाइल टीम में 57 किलो- श्रवण कौशल, 61 किलो- ललित कौशल, 65 किलो- सौरभ परमार, 70 किलो- रोहित प्रजापत, 74 किलो- प्रिंस सोनकर, 79 किलो - रोहित प्रजापत, 86 किलो - फराज हुसैन, 92 किलो - विजय यादव, 97 किलो - मनीष कीर, 125 किलो आदर्श बारोड शामिल हैं। वहीं ग्रिको रोमन टीम में 55 किलो - नीरज पटेल, 60 किलो - उदित पटेल, 63 किलो - हरिओमपुर, 67 किलो - सनी जादव, 72 किलो - आकाश यादव, 77 किलो- औरंगज़ेब खान, 82 किलो -अजय बाथम, 87 किलो-अभिषेक यादव, 97 किलो- आशीष यादव, 130 किलो-मुदस्सर खान शामिल हैं।

महिला कुश्ती टीम में 50 किलो - शिवानी पवार, 53 किलो - पूजा जाट, 55 किलो- शिवानी शर्मा, 57 किलो - हंसाबेन राठौर, 59 किलो - वर्षा पांडे, 62 किलो - पायल पटेल, 65 किलो- टियारा राणा, 68 किलो - अंजलि, 72 किलो - कशिश, 76 किलो - प्रांजल सोनकर टीम में शामिल है। टीम के कोच विनय कुमार, जगदीश पटेल खंडवा, परमजीत वारसे खरगौन, रिंकू यादव इंदौर होंगे। मध्यप्रदेश कुश्ती टीम को बेहतरीन प्रदर्शन के लिए ओलंपियन पप्पू यादव, विक्रम अवॉर्डी ओमप्रकाश खत्री, सचिव सुरेश यादव, गोविंद गुजर, विकास यादव ने बधाई दी।

इस अवसर पर ओलंपियन पप्पू यादव ने कहा, मध्यप्रदेश कुश्ती टीम संतुलित है विशेषकर अंतरराष्ट्रीय कुश्ती में विश्व स्तर पर पदक जीतने वाली शिवानी पवार, पूजा जाट, हंस बैन, ललित कौशल से पदक जीतने की संभावना अधिक है। वैसे भी शिवानी पिछले दो वर्षों से राष्ट्रीय विजेता है व राष्ट्रीय खेलों की भी स्वर्ण पदक विजेता है।

भारतीय महिला हॉकी टीम जूनियर एशिया कप के लिए ओमान रवाना

एजेंसी ■ बेंगलुरु

भारतीय महिला हॉकी टीम मंगलवार सुबह केम्पेगौड़ा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से जूनियर एशिया कप 2024 में भाग लेने के लिए ओमान रवाना हुई।

सात से 15 दिसंबर को ओमान के मस्कट में होने वाला जूनियर एशिया कप एफआईएच जूनियर विश्व कप के लिए क्वालीफाइंग टूर्नामेंट है। भारतीय जूनियर महिला टीम पूल ए में चीन, मलेशिया, थाईलैंड और बंगलादेश से भिड़ेगी जबकि पूल बी में दक्षिण कोरिया, जापान, चीनी ताइपे, हांगकांग और श्रीलंका शामिल हैं। भारतीय टीम की अगुआई कप्तान ज्योति सिंह और उप कप्तान साक्षी राणा करेंगी। टीम में वैष्णवी विट्ठल फाल्के, सुनीता टोप्पो, मुमताज खान, दीपिका और ब्यूटी डुंगडुंग जैसे खिलाड़ी भी शामिल हैं, जिन्हें सीनियर टीम के साथ खेलने का अनुभव है। टीम को पूर्व भारतीय कप्तान तुषार खांडकर द्वारा प्रशिक्षित किया गया है। ज्योति सिंह ने टीम के रवाना होने से पहले कहा, हम अपने अभियान को लेकर बहुत आश्वस्त और उत्साहित हैं। हमारे पास एक अच्छी और अनुभवी टीम है। हमने पिछले कुछ महीनों में कड़ी मेहनत की है और टीम ओमान के मस्कट में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए काफी उत्सुक है। उप कप्तान साक्षी राणा ने कहा, यह देखकर खुशी हो रही है कि भारतीय जूनियर पुरुष टीम नॉकआउट चरण में प्रवेश कर गई है और वे खिताब की ओर बढ़ रहे हैं। हम उनके मैचों का अनुसरण कर रहे हैं और हम शेष मैचों में उनका उत्साहवर्धन करने के लिए मौजूद रहेंगे। हम भारतीय हॉकी प्रशंसकों से आग्रह करते हैं कि वे हमें खेलते हुए देखें और हमारा उत्साहवर्धन करें। भारतीय टीम अपना पहला मुकाबला आठ दिसंबर को बंगलादेश के खिलाफ खेलेंगी।

समाज कल्याण मंत्री असीम अरुण बोले-प्रतिभाओं को नहीं होगी संसाधनों की कमी

युवाओं के सपनों को लगेंगे पंख, मिलेगी उड़ान

■ लखनऊ

किसी भी प्रतिभाशाली छात्र-छात्रा के आगे बढ़ने की राह में संसाधनों की कमी बाधा नहीं बनेगी। केंद्र एवं प्रदेश सरकार युवाओं का भविष्य संवारने के लिए पूरी तरह से प्रयासरत है। आने वाला समय छात्रों के लिए तरक्की के नए द्वार खोलेगा। उनके सपनों को पंख लगेंगे जिससे कि वो ऊंची उड़ान भर सकें। यह बातें मंगलवार को समाज कल्याण राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) असीम अरुण ने केडी सिंह बाबू स्टेडियम में चल रही सर्वोदय विद्यालयों की तीन दिवसीय राज्य स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता के समापन अवसर पर छात्र-छात्राओं को संबोधित करते हुए कहीं।

असीम अरुण ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति में खेलकूद को मुख्य एक्टिविटी बनाया गया है, यानी जितना पढ़ना जरूरी है उतना ही खुद को फिट रखते हुए शारीरिक और सांस्कृतिक रूप से विकसित करना भी है। सर्वोदय विद्यालयों के बच्चों का मुकाबला किसी अन्य जनपद और राज्य से नहीं बल्कि विश्व के दूसरे देशों के बच्चों से है। प्रधानमंत्री मोदी ने भारत को विश्व गुरु बनाने का जो संकल्प लिया है उसे देश के युवा और बच्चे ही साकार कर सकते हैं। पहली बार हुई सर्वोदय विद्यालयों की राज्य स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता के बाद अब राज्य स्तरीय सांस्कृतिक प्रतियोगिता होगी।

प्रत्येक विद्यालय के 11वीं और 12वीं के बच्चों के लिये प्रतियोगी परीक्षा के लिये कोचिंग की व्यवस्था की जा रही है। अधिकांश स्कूलों में यह कोचिंग स्थापित भी हो चुकी हैं। सर्वोदय विद्यालयों के लिये सभी प्रकार के संसाधनों को उपलब्ध कराया जा रहा है।

अति विशिष्ट अतिथि राज्य मंत्री समाज कल्याण संजीव कुमार गोंड ने कहा कि यह बच्चे जिला, मंडल और आज राज्य स्तर पर खेलने आए हैं आने वाले दिनों में यह बच्चे राष्ट्रीय स्तर पर भी पहुंचेगें। प्रमुख सचिव डॉ. हरिओम ने कहा कि खिलाड़ी और आर्टिस्ट कभी भी अपराधी नहीं होते। उनके अंदर टीम का नेतृत्व करने की क्षमता विकसित होती है। समाज कल्याण निदेशक कुमार प्रशांत, ज्वाइंट डायरेक्टर सुनील कुमार बिसेन,आरके सिंह एवं अरुण कुमार पाण्डेय, उपनिदेशक जय राम एवं अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के परिणाम

जैवलिन थ्रो में बालिका वर्ग में जोन 2, मिर्जापुर मड़िहान की विद्या देवी प्रथम स्थान पर और जोन 1, बिजनौर धौलागढ़ की यशवानी द्वितीय स्थान पर रहीं। बालक वर्ग में जोन 4, सोनभद्र घोरावल के अवधेश ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि जोन 6, इटावा नगला हीरालाल के अजय पाल दूसरे स्थान पर रहे।

बैडमिंटन में बालिका वर्ग में जोन 3, कुशीनगर सिरसिया हेतिमपुर की राजनंदनी कुशवाहा और जोन 1, बदायूं समरेर की तिवारी विजेता रहीं। बालक वर्ग में जोन 3, कौशांबी मंझनपुर के अनूप सिंह और जोन 4, चकिया चंदौली के छात्र विजेता बने

वॉलीबॉल में बालिका वर्ग में जोन 3, गोरखपुर विजेता और जोन 2, प्रयागराज उपविजेता रहा। बालक वर्ग में जोन 4, मिर्जापुर विजेता और जोन 3, प्रयागराज उपविजेता रहा। कबड्डी में बालिका वर्ग में जोन 3, गोरखपुर विजेता और जोन 4, लखनऊ उपविजेता रही। बालक वर्ग में जोन 4, मिर्जापुर विजेता और जोन 3, प्रयागराज उपविजेता रहा। 1 00 मीटर दौड़ में बालिका वर्ग में जोन 2, भरसामा कौशांबी की विनीता प्रथम स्थान पर और जोन 3, आजमगढ़ मेहनगर की रीना द्वितीय स्थान पर रहीं। बालक वर्ग में जोन 4, मऊ फतेहपुर के पवन कुमार पहले और जोन 4, वाराणसी सातों महुआ के संदीप दूसरे स्थान पर रहे।

रायबरेली की जूली प्रथम स्थान पर

200 मीटर दौड़ में बालिका वर्ग में जोन 4, रायबरेली की जूली प्रथम स्थान पर और कौशांबी की विनीता तीसरे स्थान पर रहीं। बालक वर्ग में जोन 6, इटावा कांडानी के योगेश यादव ने पहला स्थान हासिल किया और जोन 4, सोनभद्र दुद्धी के संदीप कुमार दूसरे स्थान पर रहे। 400 मीटर दौड़ में बालिका वर्ग में जोन 4, रायबरेली की जूली ने प्रथम स्थान और कौशांबी की विनीता ने तीसरा स्थान हासिल किया। बालक वर्ग में जोन 1, ललितपुर के अंकित यादव पहले और जोन 5, बस्ती भानपुर के विजय भान दूसरे स्थान पर रहे। लंबी कूद में बालिका वर्ग में जोन 2, कौड़िहार प्रयागराज की साक्षी प्रथम और जोन 3, आजमगढ़ मेहनगर की रीना यादव द्वितीय स्थान पर रहीं। बालक वर्ग में जोन 4, फतेहपुर खास मऊ के पवन कुमार ने पहला स्थान प्राप्त किया और जोन 1, झांसी के अरमान आर्या दूसरे स्थान पर रहे। ऊंची कूद में बालिका वर्ग में जोन 2, मिर्जापुर मड़िहान की कुमारी कुसुम ने पहला स्थान और जोन 1, बदायूं की ज्योति ने दूसरा स्थान हासिल किया। बालक वर्ग में जोन 3, काकोड़ा कौशांबी के सूर्या कुमार पहले और जोन 5, गोरखपुर के अनिकेत दूसरे स्थान पर रहे

चैंपियनशिप में प्रज्ञानानंदा, एरिगैसी और वैशाली सहित पांच भारतीय खिलाड़ी लेंगे भाग

एजेंसी ■ लुसाने

अंतरराष्ट्रीय शतरंज महासंघ (फिडे) ने सोमवार को कहा कि, आगामी 2024 फिडे विश्व रैपिड और ब्लिट्ज चैंपियनशिप में आर प्रज्ञानानंदा, अर्जुन एरिगैसी और आर वैशाली सहित भारत के पांच खिलाड़ी चुनौती पेश करेंगे। यह प्रतिष्ठित प्रतियोगिता 26-31 दिसंबर तक न्यूयॉर्क शहर में आयोजित की जाएगी। पहली बार इस टूर्नामेंट का उत्तरी अमेरिका में आयोजन हो रहा है।

इसमें कोनेरू हम्पी और द्रोणावल्ली हरिका भी भारतीय चुनौती को पेश करेंगी। फिडे ने इसे अब तक का सबसे मजबूत सत्र करार देते हुए कहा कि इसमें दुनिया के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी भाग लेंगे। शीर्ष शतरंज संस्था ने 'एक्स' पर लिखा कि विश्व के तीसरे नंबर के अमेरिका के ग्रैंड मास्टर हिकारू नाकामुरा ने भी टूर्नामेंट में भाग लेने की पुष्टि की है। फिडे ने बताया, 26 से 31 दिसंबर तक दुनिया के 300 से ज़्यादा बेहतरीन खिलाड़ी न्यूयॉर्क शहर में 1.5 मिलियन डॉलर की पुरस्कार राशि के लिए प्रतिस्पर्धा करेंगे। इसमें भारत के शीर्ष खिलाड़ियों के अलावा, दुनिया भर के कुछ बड़े नामों में पांच बार के विश्व चैंपियन मैग्नस कार्लसन, फैबियानो कारूआना, वेस्ले सो और लेवोन एरोनियन शामिल हैं। यह आयोजन 26 से 28 दिसंबर तक रैपिड चैंपियनशिप के साथ शुरू होगा, जिसके बाद 29 दिसंबर को एक दिन का विश्राम होगा। ब्लिट्ज चैंपियनशिप के मुकाबले 30 और 31 दिसंबर को खेले जायेंगे।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक सैयद ज़की हैदर के लिए इरानीयन आर्ट प्रिंटर्स 1534 कासिमजान स्ट्रीट दरियागंज नई दिल्ली 11006 से मुद्रित कराकर, 2684 गली काले खां कूचा चलान दरियागंज नई दिल्ली 02 से प्रकाशित किया।
संपादक : सैयद ज़की हैदर- हैड ऑफिस :- एफ19/4 सेकेंड फ्लोर नफीश रोड जामिया नगर दिल्ली- 110025., सम्पर्क सूत्र :- 9911371802, 9810383593
जितेन्द्र कुमार बिस्वाल ब्यूरो चीफ उड़ीसा/ गोविंद कनोडिया/ पटना/ सैय्यद यूसुफ अली नक़वी-पॉलिटिकल एडिटर। ई-मेल:- dailyloktantra@gmail.com

किसी भी प्रकार के विवाद हेतु निपटारे के लिए केवल दिल्ली न्यायालय ही मान्य होगी।
नोट- किसी भी समाचार/आलेख पर दावा प्रति दावा/आपत्ति समाचार प्रकाशन के 15 दिनों के अन्तराल तक ही मान्य होगा। समाचार पत्र में प्रकाशित आलेख से संपादक/प्रकाशक का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

क्षेत्रीय कार्यालय अनवार मंजिल नया टोला गंज नंबर 01 बेतिया/ बिहार/ पिन नंबर 84 5438/>> संवाददाता, सना खान/(डॉ. अमानुल हक) स्थानीय संपादक/बिहार)